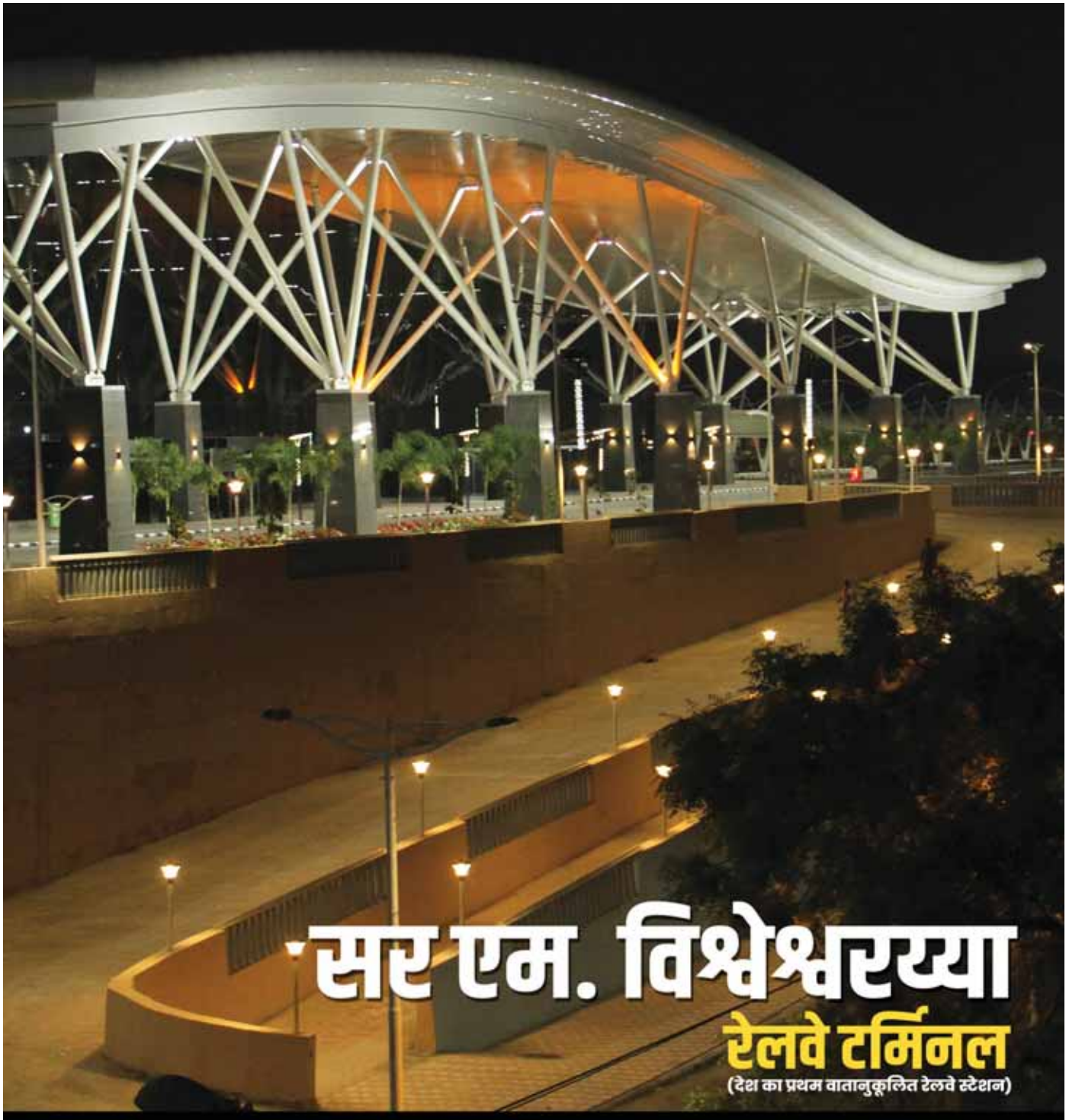
भारतीय रेल

जुलाई 2022

मूल्य ₹20



सर एम. विश्वेश्वरय्या रेलवे टर्मिनल

(देश का प्रथम वातानुकूलित रेलवे स्टेशन)



दिव्यांगजन अनुकूल
ब्रेल मैप एवं
ब्रेल सांकेतिक भाषा



विशाल पार्किंग
डेडिकेटेड बस बे



निर्बाध आवागमन
2 सब-वे
बड़ा एफओबी
एस्केलेटर्स एवं लिफ्ट्स

AAL®

Autometers Alliance Ltd

Energy & Efficiency / Safety & Reliability



POWERING THE **RAIL TRANSPORT** EFFICIENTLY AND INTELLIGENTLY

POWER ELECTRONICS & PROPULSION SYSTEM



IGBT based Hotel Load Converter
2×500 kVA for Electric Locomotives
(AC propulsion)



IGBT based Auxiliary Converter
3×130 kVA for Electric Locomotives
(AC propulsion)



IGBT based Static Converter
180 kVA for Electric Locomotives
(AC propulsion)



GTO based Auxilliary Converter
300 kVA 1Φ to 3Φ for Electric
Locomotives (AC propulsion)



IGBT based Underslung Converter
25 kVA SGC for Railway Passenger
Coaches



IGBT based Underslung Converter
25 kVA HOG for Railway Passenger
Coaches



IGBT based Underslung
Converter 50 kVA
for Metro Railways



IGBT based - Underslung
Converter 5 kW
for Metro Railways



IGBT based Battery Charger
30 kW Pre-cooling
for SGAC Coaches



IGBT based SMPS Battery
Charger 4.5 kW + 2.5 kW
for LHB Coaches



IGBT based SMPS Battery
Charger 6.5 kW
for LHB Coaches



IGBT based Underslung
Converter 100 kVA
for Metro Railways

mktre@autometers.com | C-63, Sector-57, Noida - 201 307 (U.P.) India

ISO 9001:2015 I ISO 14001:2015 I ISO 45001:2018

भारतीय रेल

रेल मंत्रालय की एकमात्र हिन्दी मासिक पत्रिका

आरंभ : 1960 | वर्ष : 62 | अंक : 12 | राजभाषा कीर्ति पुरस्कार से सम्मानित पत्रिका | जुलाई-2022 | मूल्य : ₹20

संपादक मंडल

श्री विनय कुमार त्रिपाठी
अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड

श्री मोहित सिन्हा
सदस्य (वित्त), रेलवे बोर्ड

श्री आर.एन. सिंह
सचिव, रेलवे बोर्ड

श्री अमिताभ शर्मा
कार्यकारी निदेशक, सूचना एवं प्रचार

संपादक
योगेश अवस्थी

संपादकीय कार्यालय
संपादक, भारतीय रेल,
कमरा नं. 411, रेल भवन,
रायसीना रोड, नई दिल्ली-110 001
editorbhartiyarailrb@gmail.com
editorbhartiyarail@gmail.com

विज्ञापन व सदस्यता हेतु संपर्क
प्रशान्त कुमार पट्टनायक
व्यापार प्रबंधक
कमरा नं. 310, रेल भवन
रायसीना रोड, नई दिल्ली-110 001
टेलीफोन: 011-47845378, 47845089
bmpr310rb@gmail.com

संपादन सहयोग
रणमत सिंह

आवरण
सर एम. विश्वेश्वरय्या टर्मिनल
बैयप्पनहल्ली, बेंगलुरू

फॉलो करें
Twitter : @bhartiyarailrb
Instagram : bhartiyarailpatrika

इस पत्रिका में छपी हर सामग्री का सम्बन्ध, जब तक विशेषतः स्पष्ट न लिखा जाए, किसी सरकारी सूत्र से न समझा जाए।

वार्षिक सदस्यता शुल्क
(ऑफलाइन)
सर्वसाधारण - ₹250
रेलकर्मियों के लिए - ₹200
विदेश में
सी-मेल द्वारा - ₹1,250
एयर-मेल द्वारा - ₹2,500
एक प्रति - ₹20
वार्षिक विशेषांक - ₹70

© भारतीय रेल

5 **भारतीय रेल अब तेज, स्वच्छ, आधुनिक, सुरक्षित और** सिटीजन फ्रेंडली भी बन रही है : प्रधानमंत्री

7 **प्रधानमंत्री द्वारा गुजरात में** विभिन्न रेल परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास

8 **रेल मंत्री ने भारतीय रेल नवाचार नीति-** 'रेलवे के लिए स्टार्टअप्स' लॉन्च की

10 **रेल मंत्री ने मुंबई सेंट्रल स्थित यूनिफाइड कमांड एंड** कंट्रोल सेंटर की कार्यप्रणाली की समीक्षा की

11 **रेल मंत्री ने छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस** का निरीक्षण किया

12 **रेल मंत्री ने सूरत में** हाई स्पीड रेल स्टेशन का निरीक्षण और समीक्षा की

14 **रेल मंत्री ने वाणिज्यिक आय, गैर-किराया राजस्व अनुबंधों के लिए** ई-नीलामी की नीति और पोर्टल का शुभारंभ किया

16 **रेल मंत्री ने बेहाला, पश्चिम बंगाल में अंतरराष्ट्रीय** स्तर के पूर्ण सुसज्जित इंडोर स्टेडियम का उद्घाटन किया

17 **रेल राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य एवं संस्कृति राज्य मंत्री** द्वारा विभिन्न रेल सेवाओं का शुभारंभ

19 **नवद्वीप धाम और बालुरघाट के बीच** नई रेल सेवाओं का शुभारंभ

20 **सांसद द्वारा लिफ्ट एवं** एकीकृत जन सूचना प्रणाली का लोकार्पण

22 **सदस्य, ट्रैक्शन एवं रोलिंग स्टॉक, रेलवे बोर्ड ने किया** रेल कोच फैक्ट्री का दौरा

23 **रेलवे सुरक्षा बल ने चलाया** 'ऑपरेशन महिला सुरक्षा' अभियान

25 **पर्यावरण हितैषी भारतीय रेल**

28 **सर एम. विश्वेश्वरय्या टर्मिनल**

30 **भारतीय रेल में मनाया गया** विश्व योग दिवस

34 **रेलों के अंचल से**

52 **भारतीय रेल के श्री श्रेयस जी. होसुर बने 'आयरनमैन'**

53 **शाबाश मिथु** — श्री रणमत सिंह

54 **खेलों में भारतीय रेल**

59 **एक भारत श्रेष्ठ भारत : जलियांवाला बाग** — श्री मनीष बाजपेई

62 **शान** — डॉ. विरेन्द्र कुमार भारद्वाज

64 **बूढ़े हैं पर मोहताज नहीं** — सुश्री विनीता आर्या

66 **स्टेच्यू ऑफ यूनिटी** — श्री आकाश श्रीवास्तव

69 **प्रतिपल नियराती मृत्यु का जश्न : आनन्द** — श्री रूप कृष्ण आहूजा

सम्पादकीय



तेज, स्वच्छ, आधुनिक, सुरक्षित तथा सिटीजन फ्रेंडली भारतीय रेल

"भारतीय रेल अब वो सुविधाएँ, वो माहौल भी देने का प्रयास कर रही है जो कभी हवाई अड्डों और हवाई यात्रा पर ही उपलब्ध थीं।" यह बात 20 जून, 2022 को बेंगलुरू में हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने कही। वे देश के प्रथम वातानुकूलित रेलवे स्टेशन सर एम. विश्वेश्वरय्या टर्मिनल के उद्घाटन तथा अन्य परियोजनाओं के शिलान्यास कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस अंक के कवर पेज पर छपी तसवीर से आप सहज ही अनुमान लगा सकते हैं कि सर एम. विश्वेश्वरय्या टर्मिनल हर प्रकार की अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है।

पिछले कुछ सालों से इस रेलवे स्टेशन की विकास योजना पर कार्य चल रहा था। ₹116.01 करोड़ की लागत से यह नया टर्मिनल रेलवे बोर्ड की पिंक बुक में वित्त वर्ष 2015-16 में स्वीकृत किया गया था। बेंगलुरू मंडल ने दो प्लेटफॉर्म, दो सब-वे बैयप्पनहल्ली-चनानासान्द्रा संपर्क जैसी कुछ अतिरिक्त सुविधाओं की आवश्यकता जताई थी, जिन्हें शामिल करने के बाद संशोधित अनुमानित लागत ₹152.58 करोड़ हो गई थी, जिसे 6 फरवरी, 2017 को मंजूरी दी गई। यह टर्मिनल ₹314 करोड़ की लागत से बनकर तैयार हुआ है। इसका नाम विख्यात इंजीनियर भारतरत्न सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरय्या (एम. विश्वेश्वरय्या) के नाम पर रखा गया है।

पिछले 11 महीनों में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने तीन विश्वस्तरीय स्टेशन-गांधीनगर कैपिटल रेलवे स्टेशन (गांधीनगर, गुजरात), रानी कमलापति रेलवे स्टेशन (भोपाल, मध्य प्रदेश) तथा सर एम विश्वेश्वरय्या रेलवे टर्मिनल, (बेंगलुरू, कर्नाटक) राष्ट्र को समर्पित किए हैं। ये तीनों रेलवे स्टेशन अपने-अपने स्तर पर अत्याधुनिक सुविधाएँ प्रदान करने वाले स्टेशन हैं। भारतीय रेल की टीम अन्य रेलवे स्टेशनों को भी विश्वस्तरीय बनाने की परियोजनाओं पर तेजी से कार्य कर रही है।

प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में आगे कहा कि भारतीय रेल अब तेज, स्वच्छ, आधुनिक, सुरक्षित तथा सिटीजन फ्रेंडली भी बन रही है। प्रधानमंत्री के कहे इस कथन का प्रत्यक्ष अनुभव हमारे सम्मानीय यात्रीगण भी कर रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने जून के तीसरे सप्ताह में दो अलग-अलग कार्यक्रमों में गुजरात तथा कर्नाटक राज्यों से संबंधित ₹43,000 करोड़ से अधिक की रेल परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया है।

भारतीय रेल के रेलकर्मी खिलाड़ी अपने दम पर देश-विदेश की स्पर्धाओं में अपना परचम लहरा रहे हैं। दक्षिण पश्चिम रेलवे के निर्माण विभाग में उप वित्तीय सहायक तथा मुख्य लेखा अधिकारी श्री श्रेयस होसुर ने कठिन 'आयरनमैन' ट्रायथलॉन को पूरा करके पहले रेलवे अधिकारी और बिना वर्दी वाली सिविल सेवाओं के पहले अधिकारी बनकर भारतीय रेल को गौरवान्वित किया है। इस स्पर्धा में 3.8 किमी की तैराकी, 180 किमी की साइक्लिंग और 42.2 किमी की दौड़ शामिल थी। श्रेयस ने इसे जर्मनी के हैम्बर्ग में 5 जून, 2022 को 13 घंटे 26 मिनट में पूरा किया।

आपको हमारा यह अंक कैसा लगा, हमें जरूर बताएँ।



भारतीय रेल अब तेज, स्वच्छ, आधुनिक, सुरक्षित और सिटीजन फ्रेंडली भी बन रही है : प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री ने बेंगलुरू में ₹27,000 करोड़ से अधिक की विभिन्न रेल और सड़क बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया



बेंगलुरू में भारत के प्रथम वातानुकूलित रेलवे स्टेशन सर एम. विश्वेश्वरय्या टर्मिनल तथा अन्य रेल परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 20 जून, 2022 को बेंगलुरू में ₹27,000 करोड़ से अधिक की विभिन्न रेल और सड़क बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस अवसर पर कर्नाटक के राज्यपाल श्री थावरचंद गहलोत, मुख्यमंत्री श्री बसवराज बोम्मई, केंद्रीय मंत्री श्री प्रह्लाद जोशी भी उपस्थित थे। सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि कर्नाटक में 5 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं और 7 रेलवे परियोजनाएं रखी गई हैं। कोंकण रेलवे के शत-प्रतिशत बिजलीकरण के महत्त्वपूर्ण पड़ाव के हम साक्षी बने हैं। ये सभी प्रोजेक्ट कर्नाटक के युवाओं, मध्यम वर्ग,

परियोजनाओं का विवरण

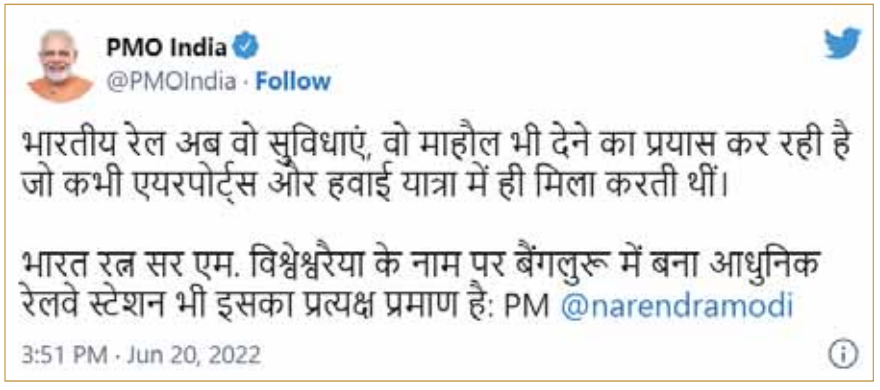
- बेंगलुरू उपनगरीय रेल परियोजना (बीएसआरपी) बेंगलुरू शहर को उसके उपनगरों और सैटेलाइट टाउनशिप से जोड़ेगी। इस परियोजना को ₹15,700 करोड़ से अधिक की लागत से बनाया जाना है। परियोजना में 4 गलियारों की परिकल्पना की गई है जिनकी कुल लंबाई 148 किमी से अधिक है।
- प्रधानमंत्री ने बेंगलुरू कैंट और यशवंतपुर जंक्शन रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास की आधारशिला भी रखी, जिन्हें क्रमशः ₹500 करोड़ और ₹375 करोड़ की लागत से पूरा किया जाएगा।
- कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने बैयप्पनहल्ली में भारत के प्रथम वातानुकूलित रेलवे स्टेशन-सर एम. विश्वेश्वरय्या रेलवे स्टेशन को राष्ट्र को समर्पित किया, जिसे लगभग ₹315 करोड़ की कुल लागत से आधुनिक हवाई अड्डे की तर्ज पर विकसित किया गया है।
- प्रधानमंत्री ने उडुपी, मडागांव और रत्नागिरि से इलेक्ट्रिक ट्रेनों को झंडी दिखाकर रोहा (महाराष्ट्र) से ठोकुर (कर्नाटक) तक शत-प्रतिशत विद्युतीकृत कोंकण रेलवे लाइन (लगभग 740 किमी) को राष्ट्र को समर्पित किया।
- कोंकण रेलवे लाइन का विद्युतीकरण ₹1,280 करोड़ से अधिक की लागत से किया गया है।
- प्रधानमंत्री ने अर्सीकेरे से तुमकुरु (लगभग 96 किमी) और येलहंका से पेनुकोंडा (लगभग 120 किमी) क्रमशः यात्री ट्रेनों और एमईएमयू सेवा को हरी झंडी दिखाकर दो रेलवे लाइनों के दोहरीकरण की परियोजनाओं को भी राष्ट्र को समर्पित किया। इन दो रेलवे लाइन दोहरीकरण परियोजनाओं को क्रमशः ₹750 करोड़ और ₹1,100 करोड़ से अधिक की लागत से विकसित किया गया है।

किसानों, श्रमिकों, उद्यमियों को नई सुविधाएं और नए अवसर प्रदान करेंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि बेंगलुरू उपनगरीय रेल परियोजना से कनेक्टिविटी बेंगलुरू शहर को उसके उपनगरों और सैटेलाइट टाउनशिप से जोड़ेगी और इसका कई गुना प्रभाव होगा। इसी तरह, बेंगलुरू रिंग रोड परियोजना से शहर की भीड़भाड़ कम होगी।

श्री मोदी ने कहा कि भारतीय रेल अब तेज भी हो रही है, स्वच्छ भी हो रही है, आधुनिक भी हो रही है, सुरक्षित भी हो रही है और सिटिजन फ्रेंडली भी बन रही है। उन्होंने कहा, ''हमने देश के उन हिस्सों में भी रेल को पहुंचाया है, जहां इसके बारे में कभी सोचना भी मुश्किल था। भारतीय रेल अब वो सुविधाएं वो माहौल भी देने का प्रयास कर रही है जो कभी हवाई अड्डो और हवाई यात्रा पर ही उपलब्ध थी। भारत रत्न सर एम. विश्वेश्वरय्या के नाम पर बेंगलुरू में बना आधुनिक रेलवे स्टेशन भी इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है।" प्रधानमंत्री ने एकीकृत मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी के महत्त्व पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इस मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी को पीएम गतिशक्ति नेशनल मास्टर प्लान से नई गति मिल रही है। उन्होंने कहा कि आगामी मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क इसी विजन का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि गतिशक्ति की भावना से चलाई जा रही इस तरह की परियोजनाओं से युवाओं को रोजगार मिलेगा और 'आत्मनिर्भर' 'भारत अभियान' को भी मजबूती मिलेगी।









सर एम. विश्वेश्वरय्या टर्मिनल की अधिक जानकारी के लिए देखें पृष्ठ संख्या: 28

प्रधानमंत्री द्वारा गुजरात में
विभिन्न रेल परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास

₹16,369 करोड़ से अधिक की रेल परियोजनाओं के माध्यम से क्षेत्र में रेलवे कनेक्टिविटी को मिलेगा बढ़ावा



वडोदरा में 'गुजरात गौरव अभियान' कार्यक्रम में विभिन्न रेल परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी साथ में रेल राज्य मंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 18 जून, 2022 को वडोदरा में आयोजित 'गुजरात गौरव अभियान' कार्यक्रम में ₹16,369 करोड़ से अधिक की विभिन्न रेल परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित किया एवं आधारशिला रखी। उन्होंने राज्य में कुल ₹21,000 करोड़ की अन्य विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस अवसर पर गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्रभाई पटेल, केंद्रीय और राज्य के मंत्री, जनप्रतिनिधि और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

रेलवे की परियोजनाओं में डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के 357 किमी लम्बे न्यू पालनपुर-मदार खंड, 166 किमी लम्बे अहमदाबाद-बोटाद खंड के आमान परिवर्तन, 81 किमी लम्बे पालनपुर-मीठा खंड के विद्युतीकरण एवं 114 किमी लम्बे पालनपुर-राधनपुर खंड के दोहरीकरण आदि का राष्ट्र को समर्पण शामिल है। उन्होंने लोकोमोटिव मेंटेनेंस डिपो, गांधीधाम को भी राष्ट्र को समर्पित किया जहाँ नवीनतम 4500hp और 6000hp इंजनों का रख-रखाव किया जाता है। इससे ट्रेन संचालन के लिए उनकी उपलब्धता में वृद्धि होगी।

माननीय प्रधानमंत्री ने रेलवे क्षेत्र में अन्य पहलों के साथ गुजरात के चार स्टेशनों के पुनर्विकास की आधारशिला रखी। महेसाना-पालनपुर खंड के दोहरीकरण कार्य के शिलान्यास के साथ ही उन्होंने गुजरात में विजापुर-आम्बलियासन, नडियाद-पेटलाड, कलोल-कड़ी-कटोसन, आदरज मोटी-विजापुर, जंबूसर-सामनी, पेटलाद-भादरण, हिम्मतनगर-खेड़ब्रम्हा खंडों के गेज परिवर्तन के कार्य का भी शिलान्यास किया। इन परियोजनाओं से लॉजिस्टिक कम करने और क्षेत्र में उद्योग और कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। ये परियोजनाएँ क्षेत्र में कनेक्टिविटी में भी सुधार करेंगी और यात्री सुविधाओं को बढ़ाएंगी। माननीय प्रधानमंत्री ने एनएआईआर परिसर, वडोदरा में गति शक्ति विश्वविद्यालय भवन की आधारशिला भी रखी। यह अत्याधुनिक भवन आधुनिक सुविधाओं से युक्त होगा।

माननीय प्रधानमंत्री ने कहा कि गुजरात में पर्यटन विकास के उपायों से वडोदरा को काफी फायदा होगा। पावागढ़, केवड़िया को पर्यटन हब के रूप में विकसित किया गया है। वडोदरा रेलवे और विमानन बुनियादी ढांचे में बड़े पैमाने पर सुधार दिख रहा है।

रेल मंत्री ने भारतीय रेल नवाचार नीति- 'रेलवे के लिए स्टार्टअप्स' लॉन्च की

- *इस पॉलिसी का उद्देश्य भारतीय स्टार्टअप्स/एमएसएमई/अन्वेषक/उद्यमियों द्वारा भारतीय रेल की परिचालन दक्षता और सुरक्षा में सुधार के लिए विकसित नवीन तकनीकों का लाभ उठाना है*
- *नवोन्मेषकों को रेलवे में तकनीकी समाधान के लिए ₹1.5 करोड़ तक की अनुदान राशि समान बंटवारे के आधार पर मुहैया कराई जाएगी*



'रेलवे के लिए स्टार्टअप्स' पॉलिसी को लॉन्च करते हुए रेल, संचार और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव साथ में हैं अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड श्री विनय कुमार त्रिपाठी

भारतीय रेल, राष्ट्रीय ट्रांसपोर्टर ने स्टार्टअप्स और अन्य कंपनियों के साथ भागीदारी के माध्यम से नवाचार के क्षेत्र में एक महत्त्वपूर्ण पहल के तहत रेल, संचार और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, श्री अश्विनी वैष्णव ने 13 जून को रेल भवन, नई दिल्ली में 'रेलवे के लिए स्टार्टअप्स' पॉलिसी को लॉन्च किया।

यह पॉलिसी बहुत व्यापक और इस्तेमाल नहीं किए गए स्टार्टअप इकोसिस्टम की भागीदारी के माध्यम से रेलवे के संचालन, रखरखाव और बुनियादी ढांचे के निर्माण के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर दक्षता लाने में मदद करेगी।

इस कार्यक्रम में बोलते हुए रेल मंत्री ने कहा कि भारतीय रेल में प्रौद्योगिकी के एकीकरण पर लंबे समय से चर्चा चल रही थी। अब इस शुरुआत के साथ ही प्रौद्योगिकी के एकीकरण के लिए इसने स्थायी रूप ले लिया है।

इस पहल के शुरू होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए रेल मंत्री ने कहा कि इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से स्टार्टअप्स को रेलवे से जुड़ने का अच्छा अवसर मिलेगा। इस कार्यक्रम के चरण-1 के लिए रेलवे

भारतीय रेल नवाचार नीति

- नवोन्मेषकों को रेलवे में तकनीकी समाधान के लिए ₹1.5 करोड़ तक की अनुदान राशि समान बंटवारे के आधार पर मुहैया कराई जाएगी
- समस्याओं के समाधान के लिए अस्थायी से लेकर प्रोटोटाइप के विकास तक की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और उद्देश्यपूर्ण बनाने के लिए परिभाषित समय रेखा के साथ ऑनलाइन की जाएगी।
- रेलवे में प्रोटोटाइप का ट्रायल किया जाएगा। प्रोटोटाइप के सफल प्रदर्शन पर उसे आगे बढ़ाने के लिए आगे की धनराशि प्रदान की जाएगी।
- नवोन्मेषकों का चयन एक पारदर्शी और निष्पक्ष प्रणाली द्वारा किया जाएगा।
- विकसित बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) नवोन्मेषकों के पास ही रहेगा।
- नवोन्मेषकों को विकासात्मक प्रणाली का आश्वासन दिया गया।
- विलम्ब से बचने के लिए संभागीय स्तर पर संपूर्ण उत्पाद विकास प्रक्रिया का विकेंद्रीकरण किया जाएगा।

के विभिन्न मंडलों, क्षेत्रीय कार्यालयों से प्राप्त 100 से अधिक समस्याओं में से 11 समस्याओं, जैसे रेल फ्रैक्चर, हेडवे रिडक्शन आदि को लिया गया है। इन दिक्कतों या समस्याओं का नवीन समाधान खोजने के लिए स्टार्टअप्स के समक्ष प्रस्तुत किए जाएंगे।

- ब्रोकेन रेल डिटेक्शन सिस्टम
- रेल स्ट्रेस निगरानी प्रणाली
- भारतीय रेल राष्ट्रीय एटीपी प्रणाली के साथ उपनगरीय खंड इंटरऑपरेबल के लिए हेडवे सुधार प्रणाली
- ट्रैक निरीक्षण गतिविधियों का स्वचालन
- भारी सामान ढोने वाले डब्बों के लिए बेहतर इलास्टोमेरिक पैड (ईएम पैड) का डिजाइन
- 3-फेज इलेक्ट्रिक इंजनों के ट्रैक्शन मोटर्स के लिए ऑनलाइन कंडीशन मॉनिटरिंग सिस्टम का विकास
- नमक जैसी वस्तुओं के परिवहन के लिए हल्के वैगन
- यात्री सेवाओं में सुधार के लिए डिजिटल डेटा का उपयोग करके विश्लेषणात्मक उपकरण का विकास
- रेलवे ट्रैक सफाई मशीन
- प्रशिक्षण के बाद के संशोधन और रिफ्रेशन कोर्स के लिए ऐप
- पुल निरीक्षण के लिए रिमोट सेंसिंग, जियोमैटिक्स और जीआईएस का उपयोग

रेल मंत्री ने स्टार्टअप्स से इस अवसर का उपयोग करने का अनुरोध किया और उन्हें 50 प्रतिशत पूंजी अनुदान, सुनिश्चित बाजार, मदद और इकोसिस्टम के रूप में भारतीय रेल से समर्थन सुनिश्चित किया।

क्षेत्रीय इकाइयों को मई महीने में समस्या वाले क्षेत्र को बताने के लिए कहा गया था। इसके जवाब में अब तक लगभग 160 समस्याओं का विवरण प्राप्त हो चुका है। प्रारंभ में नई नवाचार नीति के माध्यम से निपटने के लिए 11 समस्याओं की पहचान की गई है और उन्हें पोर्टल पर अपलोड किया गया है।

विभिन्न क्षेत्रीय रेलों से बहुत सारी समस्याओं का विवरण एकत्र किया गया है, जो जांच के अधीन हैं और जिन्हें चरणबद्ध तरीके से अपलोड किया जाएगा।

इंडियन रेलवे इनोवेशन पोर्टल:
www.innovation.indianrailways.gov.in

रेल मंत्री ने चर्चगेट स्टेशन का निरीक्षण कर उपनगरीय खंड पर चल रही विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति का जायजा लिया

रेल, संचार और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने 10 जून, 2022 को चर्चगेट स्टेशन का निरीक्षण किया और मुंबई उपनगरीय खंड पर चल रही विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री सुमित ठाकुर के अनुसार, श्री वैष्णव ने चर्चगेट रेलवे स्टेशन का दौरा किया और चर्चगेट स्टेशन पर विभिन्न सुविधाओं का निरीक्षण किया। श्री वैष्णव ने मुंबई उपनगरीय खंड पर चल रही विभिन्न इन्फ्रास्ट्रक्चरल परियोजनाओं की प्रगति का जायजा लिया और खंड के कार्य संचालन और इसकी विभिन्न विशेषताओं के संबंध में चर्चा की। इसके बाद रेल मंत्री ने एक लोकल ट्रेन के मोटरमैन से बातचीत की और ट्रेन संचालन के विभिन्न पहलुओं के बारे में जानकारी ली। तत्पश्चात् श्री वैष्णव ने चर्चगेट स्टेशन के कॉनकोर्स क्षेत्र का निरीक्षण किया और स्टेशन पर यात्री सुख-सुविधाओं की समीक्षा की।



मुंबई उपनगरीय खंड में चल रही परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए रेल, संचार और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव

रेल मंत्री ने मुंबई सेंट्रल स्थित यूनिफाइड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर की कार्यप्रणाली की समीक्षा की



मुंबई सेंट्रल स्थित यूनिफाइड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर की कार्यप्रणाली की समीक्षा करते हुए रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव

रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने 5 जून, 2022 को मुंबई सेंट्रल स्टेशन का दौरा किया। श्री वैष्णव ने मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, मुंबई सेंट्रल स्थित यूनिफाइड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर (यूसीसीसी) का भी दौरा कर इसकी कार्यप्रणाली की समीक्षा की। इस दौरान उनके साथ मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री अनिल कुमार लाहोटी, पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक (प्रभारी) श्री प्रकाश बुटानी, मुंबई सेंट्रल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक तथा पश्चिम रेलवे के अन्य वरिष्ठ रेलवे अधिकारी थे।

रेल मंत्री श्री वैष्णव ने ट्रेन प्रबंधन प्रणाली (टीएमएस) के साथ-साथ एकीकृत कमान और नियंत्रण केंद्र (यूसीसीसी) का ध्यानपूर्वक निरीक्षण किया और इस उन्नत तकनीक की सराहना की जो आसान डेटा संग्रह, डेटा निगरानी को सक्षम बनाता है और वास्तविक समय में निर्णय लेने में मदद करता है, साथ ही सुरक्षा और संसाधन अनुकूलन को बेहतर बनाता है। इसके बाद, श्री वैष्णव ने युवा रेलवे अधिकारियों के साथ संवाद किया तथा उन्हें चुनौतियों का सामना करने और रेलवे के उज्जवल भविष्य की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। श्री वैष्णव ने रेलवे अधिकारियों के साथ 'मंडलों के सशक्तिकरण' के अपने दृष्टिकोण को साझा किया और उनसे गति शक्ति के बारे में अपने विचार साझा करने के लिए कहा। उन्होंने उन्हें भारतीय रेल को नए शिखर पर ले जाने और भारतीय रेल को विश्व स्तरीय रेलवे में रूपांतरित करने के लिए प्रोत्साहित किया।

बाद में रेल मंत्री ने मुंबई सेंट्रल स्टेशन का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रतीक्षा कक्ष का दौरा किया और यात्रियों से बातचीत की तथा उनसे स्वच्छता, समयपालन, ट्रेन सेवाओं आदि के बारे में फीडबैक लिया। श्री वैष्णव उनसे सकारात्मक प्रतिक्रिया पाकर प्रसन्न हुए। रेलमंत्री ने स्टेशन पर स्थित एक वेंडर स्टॉल का दौरा कर डिजिटल भुगतान सुविधा के बारे में जानकारी ली। श्री वैष्णव ने मुंबई सेंट्रल स्टेशन पर सहायकों (कुलियों) से भी बातचीत की। तत्पश्चात उन्होंने मुंबई सेंट्रल स्थित पीओडी कॉन्सेप्ट आधारित रिटायरिंग रूम का निरीक्षण किया। इसके अलावा, श्री वैष्णव ने टिकट चेकिंग स्टाफ के कार्यालय का दौरा भी किया, जहां मंडल रेल प्रबंधक ने उन्हें अवगत कराया कि मुंबई सेंट्रल मंडल ने मई महीने में ₹12.24 करोड़ जुर्माना से प्राप्त किये, जो टिकट चेकिंग से प्राप्त रुपयों में अब तक का सबसे ज्यादा है और भारतीय रेल पर सर्वाधिक है। इसके बाद, रेल मंत्री सूरत तक विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण करने के लिए निरीक्षण कार से रवाना हुए।

रेल मंत्री ने छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस का निरीक्षण किया



छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस पर निरीक्षण के दौरान महिला यात्रियों से उनके अनुभव जानते हुए रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव

श्री अश्विनी वैष्णव, रेल, संचार और इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री ने दिनांक 9 मई, 2022 को छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी), मध्य रेल का निरीक्षण किया।

श्री वैष्णव जी ने सीएसएमटी भवन के बरामदे, ग्रांड स्टेयरकेस, सेंट्रल डोम का निरीक्षण किया जहां उन्होंने छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा को साष्टांग प्रणाम किया और स्टार चैंबर के सामने उन्हें सीएसएमटी विरासत भवन के संरक्षण और नवीनीकरण के बारे में बताया गया।

उन्होंने बुकिंग विंडो (स्टार चैंबर), उपनगरीय कॉनकोर्स, उपनगरीय प्लेटफॉर्म और ट्रेन में यात्रियों से बातचीत की। उन्होंने महिला यात्रियों से बातचीत की और महिला यात्रियों की सुरक्षा के बारे में पूछताछ की, जिसका उन्होंने सकारात्मक जवाब दिया और कहा कि वह सुरक्षा और स्वच्छता से बहुत संतुष्ट हैं। उन्होंने हाउसकीपिंग स्टाफ के साथ उनके कामकाज के बारे में भी बातचीत की। उन्होंने पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन से आए लंबी दूरी के यात्री के परिवार के साथ भी बातचीत की और स्टेशन और ट्रेन में यात्रा के अनुभव और साफ-सफाई के बारे में पूछा।

मेनलाइन कॉनकोर्स में, उन्हें यात्री सुविधाओं की जानकारी प्रदर्शित करने के बारे में बताया गया। उन्होंने 'एक स्टेशन एक उत्पाद' स्टाल का निरीक्षण किया। बाद में, श्री वैष्णव जी ने सीएसएमटी में 26/11 के शहीद स्मारक पर माल्यार्पण किया। उन्होंने ट्रेन सहायकों (लाइसेंस प्राप्त पोर्टर),लंबी दूरी के यात्रियों के साथ उनके यात्रा अनुभव के बारे में बातचीत की। उन्होंने स्टेशन पर सार्वजनिक शौचालय और प्लेटफॉर्म संख्या 18 की ओर जाने वाली गैलरी का भी निरीक्षण किया। वापस जाते समय, उन्होंने सीएसएमटी में लॉबी में मोटरमैन और गार्ड के साथ बातचीत की। उन्होंने उपनगरीय ट्रेनों के कामकाज, मुंबई की जीवन रेखा, सिग्नल और उपनगरीय ट्रेनों के कामकाज से जुड़े अन्य पहलुओं के बारे में विस्तार से जानकारी ली।

श्री राहुल नार्वेकर, विधायक, श्री अनिल कुमार लाहोटी, महाप्रबंधक, मध्य रेल, श्री प्रकाश बुटानी, प्रभारी महाप्रबंधक, पश्चिम रेलवे, श्री सुभाष चंद गुप्ता, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एमआरवीसी और प्रमुख विभागाध्यक्ष और मुंबई मंडल के अधिकारी निरीक्षण के दौरान उपस्थित थे।

रेल मंत्री ने सूरत में
हाई स्पीड रेल स्टेशन का निरीक्षण और समीक्षा की

- *रेल मंत्री ने सूरत और नवसारी में कास्टिंग यार्ड का दौरा किया*
- *लॉन्चिंग गौंट्री का उपयोग करते हुए पियर्स के ऊपर फुल स्पैन बॉक्स गर्डर के लॉन्चिंग का भी निरीक्षण किया*



रेल राज्य मंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश के साथ मुंबई–अहमदाबाद हाई स्पीड रेल परियोजना का जायजा लेते हुए रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव

रेल, संचार और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने 6 जून, 2022 को सूरत हाई स्पीड रेल (HSR) स्टेशन का दौरा किया और मुंबई–अहमदाबाद हाई स्पीड रेल परियोजना की प्रगति की समीक्षा की। श्री वैष्णव ने सूरत और नवसारी में स्थित कास्टिंग यार्ड का भी दौरा किया और लॉन्चिंग गौंट्री का उपयोग करके पियर्स पर फुल स्पैन बॉक्स गर्डर के सेगमेंटल लिफ्टिंग की लॉन्चिंग का निरीक्षण किया। उनके साथ रेल और कपड़ा राज्य मंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश तथा पश्चिम रेलवे और नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (NHSRCL) के वरिष्ठ अधिकारी भी थे।

रेल मंत्री ने परियोजना स्थलों पर श्रमिकों और कामगारों से बातचीत की और उनका हालचाल जाना। उन्होंने उनके प्रयासों की सराहना की और उन्हें राष्ट्र निर्माण प्रक्रिया की दिशा में काम करने के लिए प्रेरित किया। बाद में श्री वैष्णव ने मीडिया के प्रतिनिधियों से बातचीत की और उन्हें बुलेट ट्रेन परियोजना की स्थिति से अवगत कराया। रेल मंत्री ने कहा कि कास्टिंग के लिए इनर केसिंग कास्टिंग के क्षेत्र में तकनीकी जानकारी के विस्तृत अध्ययन के लिए उन्हें विदेश से खरीदा गया था, किन्तु अब रेलवे ने इसकी बेहतर एवं उन्नत तकनीक देश में ही विकसित कर ली है जिसका उपयोग सूरत में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं और एक लाख से अधिक रोजगार सृजित हुए हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि भारतीय रेल प्रधानमंत्री के पूंजी निवेश आधारित ग्रोथ स्ट्रेटेजी के दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ रही है। उन्होंने परियोजना की जानकारी देते हुए बताया कि अब तक 61 किमी से अधिक में पीयर्स का निर्माण किया जा चुका है। साथ ही 160/170 किमी के स्ट्रेच पर एक साथ काम किया जा रहा है। हर महीने नदियों पर पुलों समेत 10 से 12 किमी से अधिक के पीयर्स का निर्माण किया जा रहा है। शुरुआत में वर्ष 2026 तक सूरत और बिलिमोरा के बीच बुलेट ट्रेन संचालन शुरू करने की योजना है और लक्ष्य तारीख तक पूरा करने के लिए काम तेजी से चल रहा है। उन्होंने कहा कि स्टेशन पुनर्विकास कार्य, वंदे भारत ट्रेन, बुलेट ट्रेन और कवच प्रौद्योगिकी जैसी विभिन्न ऐतिहासिक पहल हमारे यात्रियों को उन्नत सेवाएं प्रदान करने और भारतीय रेल को विश्व स्तरीय रेलवे में बदलने के लिए शुरू की जा रही हैं।

मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर की मुख्य विशेषताएं

- कॉरिडोर की कुल लंबाई: 508.17 किमी
- अधिकतम परिचालन गति: 320 किमी/घंटा
- लिया जाने वाला समय:
  - ➔ 2.07 घंटे (सीमित स्टॉप)
  - ➔ 2.58 घंटे (सभी स्टॉप)
- स्टेशनों की कुल संख्या: 12
  - ➔ गुजरात: 8
  - ➔ महाराष्ट्र: 4
- गुजरात में स्टेशन: वापी, बिलिमोरा, सूरत, भरूच, वडोदरा, आणंद/नडियाद, अहमदाबाद और साबरमती
- महाराष्ट्र में स्टेशन: मुंबई (बीकेसी), ठाणे, विरार और बोइसर
- डिपो की संख्या: 3
  - ➔ गुजरात: 2 (सूरत और साबरमती)
  - ➔ महाराष्ट्र: 1 (ठाणे)
- पारिचालनिक नियंत्रण केंद्र: साबरमती

भूमि अधिग्रहण की स्थिति:

- गुजरात: 98.8% का अधिग्रहण किया जा चुका है।
- दादरा और नगर हवेली: 100%
- महाराष्ट्र: पहले से ही अधिग्रहित-71.5% (निजी-91.7%; सरकारी-92%; वन-शून्य)

गुजरात राज्य और डीएनएच में परियोजना अद्यतन

- गुजरात तथा दादरा और नगर हवेली में मार्ग के निर्माण अर्थात् 352 किमी के लिए 100% सिविल और ट्रैक संविदाएं भारतीय ठेकेदारों को दी गई हैं।
- गुजरात के 8 जिलों से गुजरने वाले एलाइनमेंट के साथ-साथ पाइल्स, फाउंडेशन, पियर, पियर कैप्स, वायडक्ट और स्टेशनों के लिए गर्डरों की कास्टिंग और इरेक्शन का कार्य तेजी से चल रहा है।
- डिजाइन और जीटीआई: 352 किमी में से, विस्तृत भू-तकनीकी जांच (जीटीआई) कार्य (100 मीटर अंतराल) 350 किमी लंबाई में पूरा कर लिया गया है। विस्तृत जीटीआई के आधार पर निर्माण ड्रॉइंग के लिए गुड 200 किमी लंबाई के लिए विकसित किया गया है।
- 170 किमी में पाइल्स, पाइल कैप्स, ओपन फाउंडेशन, वेल फाउंडेशन, पियर्स, पियर कैप्स का निर्माण कार्य प्रगति पर है।
- वायाडक्ट-सबस्ट्रक्चर: मई 2022 तक 139.6 किमी पाइलिंग, 72.4 किमी फाउंडेशन और 61.6 किमी पियर्स का कार्य पूरा हो चुका है।
- 81 पाइलिंग रिग लगाए गए हैं। पाइल का निर्माण तय समय से पहले हो रहा है।
- पीयर प्रगति-
  फरवरी, 2022-9.5 किमी
  मार्च, 2022-12.3 किमी
  अप्रैल, 2022-13 किमी
  मई, 2022-11.4 किमी
- 31 मई, 2022 तक, 61.6 किमी में पियर्स का निर्माण किया गया है।
- वायाडक्ट-सबस्ट्रक्चर:
  - ➔ गर्डर कास्टिंग (पूर्ण स्पान)-अब तक 76 गर्डर कास्ट किए जा चुके हैं और 14 को खड़ा किया जा चुका है और आगे के लिए गर्डरों की कास्टिंग और इरेक्शन का कार्य प्रगति पर है।
  - ➔ सेग्मेंटल गर्डरों की कास्टिंग का कार्य प्रगति पर है और 417 सेग्मेंट की कास्ट की गई है।

विशेष पुल:

- राष्ट्रीय और राज्य राजमार्गों, सिंचाई नहरों और रेलवे पर क्रॉसिंग लॉन्च स्पैन स्टील संरचनाओं द्वारा ब्रिज किए जाएंगे। 4 वर्कशॉपों में टेस्ट फैब्रिकेशन पूरा कर लिया गया है और वास्तविक फैब्रिकेशन प्रगति पर है।
- नर्मदा, ताप्ती, माही और साबरमती जैसी महत्त्वपूर्ण नदियों पर पुलों का कार्य प्रगति पर है। स्थिति निम्नानुसार है:

नर्मदा पुल	22 में से 15 वेल फाउंडेशनों का कार्य प्रगति पर है
माही पुल	सभी 12 वेल फाउंडेशनों का कार्य प्रगति पर है
ताप्ती पुल	13 में से 7 वेल फाउंडेशनों का कार्य प्रगति पर है
साबरमती पुल	भू-तकनीकी कार्य पूर्ण। टेस्ट पाइल कार्य प्रगति पर है!

स्टेशन और डिपो:

- वापी से साबरमती तक सभी 8 एचएसआर स्टेशनों पर कार्य निर्माण के विभिन्न चरणों में है।
- सूरत डिपो-सभी 128 फाउंडेशन पूरे हो चुके हैं
- साबरमती डिपो-4 फरवरी, 2022 को कार्य अवॉर्ड किया गया है। भू-कार्य प्रगति पर है।
- साबरमती में पैसेंजर टर्मिनल हब को एचएसआर, मेट्रो, बीआरटी और भारतीय रेल के दो स्टेशनों से एकीकृत करते हुए कार्य अगस्त, 2022 तक पूरा होने की उम्मीद है।



रेल मंत्री ने वाणिज्यिक आय, गैर-किराया राजस्व अनुबंधों के लिए ई-नीलामी की नीति और पोर्टल का शुभारंभ किया

- *इस पोर्टल के माध्यम से भारत में कहीं भी स्थित बोलीदाता केवल एक बार पंजीकरण कर भारतीय रेल की किसी भी फील्ड यूनिट की नीलामी में भाग ले सकता है*
- *पिछले एक महीने के दौरान प्रायोगिक तौर पर रेलवे द्वारा समग्र रूप से ₹128 करोड़ की आय अर्जित करते हुए 80 अनुबंधों को अंतिम रूप दिया गया*
- *अखिल भारतीय पात्रता संबंधी शर्तों का मानकीकरण किया गया*



रेल भवन से ई-नीलामी का शुभारंभ करते हुए रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव साथ में हैं अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड श्री विनय कुमार त्रिपाठी

भारतीय रेल ने स्क्रैप बिक्री की प्रचलित ई-नीलामी के अनुरूप भारतीय रेल ई-प्रोक्योरमेंट सिस्टम (आईआरईपीएस) के माध्यम से वाणिज्यिक आय और गैर-किराया राजस्व अनुबंधों को इलेक्ट्रॉनिक नीलामी के दायरे में लाने के लिए कदम उठाए हैं। रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने 24 जून, 2022 को नई दिल्ली के रेल भवन में वाणिज्यिक आय, गैर-किराया राजस्व (एनएफआर) अनुबंधों के लिए ई-नीलामी का शुभारंभ किया। इससे न केवल रेलवे की कमाई बढ़ेगी बल्कि कारोबार सुगमता के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों को भी बल मिलेगा।

इस अवसर पर रेल मंत्री ने कहा, "यह नीति प्रौद्योगिकी के उपयोग से आम आदमी के अनुभव को बदलने हेतु माननीय प्रधानमंत्री की परिकल्पना के अनुरूप है। इस नीति के साथ, निविदा की कठिन प्रक्रिया को सरल बनाया जाएगा। साथ ही, यह युवाओं को ई-नीलामी प्रक्रिया में शामिल होने का अवसर प्रदान करेगा। यह नीति जीवन की सुगमता को बढ़ाती है, पारदर्शिता को बढ़ावा देती है और रेलवे में डिजिटल इंडिया की पहल को शामिल करती है।"

अर्निंग एसेट्स: पार्सल वैन, पे एंड यूज टॉयलेट, स्टेशन सर्कुलेटिंग एरिया और कोचों पर विज्ञापन संबंधी अधिकार, एसी वेटिंग रूम, क्लॉक रूम, पार्किंग लॉट, प्लास्टिक बॉटल क्रशर, एटीएम, स्टेशन को-ब्रांडिंग, मांग पर आधारित कंटेंट के लिए वीडियो स्क्रीन आदि परिसंपत्तियों को पोर्टल में स्थान अनुसार मैप किया जाएगा और सिस्टम हमेशा खयाल रखेगा कि यह कमाई के लिए शामिल किया गया है या नहीं। इससे रियल टाइम आधार पर परिसंपत्तियों की निगरानी में सुधार होगा और परिसंपत्ति संबंधी व्यर्थता कम होगी।

वर्तमान प्रणाली: वर्तमान ई-निविदा में भाग लेने हेतु संबंधित फील्ड यूनिट के साथ भौतिक रूप से पंजीकरण की आवश्यकता होती है। इससे शेष भारत के संभावित बोलीदाताओं हेतु प्रतिस्पर्धा करना मुश्किल हो जाता है। निविदा समिति के सदस्यों की वास्तविक बैठक की आवश्यकता के कारण इसे अंतिम रूप देने में समय लगता है।

ई-नीलामी: इस पोर्टल के माध्यम से भारत में कहीं भी स्थित बोलीदाता केवल एक बार पंजीकरण कर भारतीय रेल की किसी भी फील्ड यूनिट की नीलामी में भाग ले सकता है। इलेक्ट्रॉनिक रूप से बयाना राशि (ईएमडी) जमा करने के बाद किसी परिसंपत्ति के प्रबंधन अधिकारों के लिए दूर से बोली लगाई जा सकती है। सफल बोलीदाता बहुत कम समय में ऑनलाइन और ई-मेल के जरिए स्वीकृति प्राप्त करने में सक्षम होंगे। वित्तीय कारोबार की आवश्यकता को छोड़कर पात्रता संबंधी सभी मानदंड हटा दिए गए हैं। इसके अलावा, वित्तीय आवश्यकता को काफी हद तक सरल कर दिया गया है। ₹40 लाख तक के वार्षिक अनुबंधों के लिए कोई वित्तीय कारोबार की आवश्यकता नहीं है।

पायलट रन: 9 जोनों के 11 डिविजनों में पायलट लॉन्च किया गया था: पायलट लॉन्च के दौरान ₹128 करोड़ के कुल मूल्य के कुल 80 अनुबंधों को अंतिम रूप दिया गया था।

पायलट रन के दौरान सफलता की गाथाएं:

- अहमदाबाद मंडल ने 04 जून, 2022 को 2 लॉट गांधीधाम जंक्शन और हिम्मतनगर (जीआईएमबी और एचएमटी) पार्किंग के लिए ई-नीलामी आयोजित की थी। गांधीधाम जंक्शन (जीआईएमबी) के लिए 24 बोलियां प्राप्त हुई थीं, जिनमें से उच्चतम ₹12,60,000 (प्रति वर्ष) थी। पारंपरिक बोली मूल्य से 38 प्रतिशत अधिक है। एचएमटी के लिए 26 बोलियां प्राप्त हुई थीं, जिनमें से सबसे अधिक ₹62,500

(प्रति वर्ष) थी जो पारंपरिक बोली की कीमत से 72 प्रतिशत अधिक है।

- दिनांक 06 जून, 2022 को गोरखपुर हवाई अड्डे के निकट विविध पार्किंग के लिए ई-नीलामी आयोजित की गई, जिसमें ₹5,31,000 के अनुमान के मुकाबले ₹8,47,458 की उच्चतम बोली प्राप्त हुई, जो पारंपरिक बोली की कीमत से 59.60 प्रतिशत अधिक है।
- पार्किंग स्थल-आनंद विहार टर्मिनल, अनुबंध अवधि-3 वर्ष, प्राप्त कुल बोलियां-74, प्रस्ताव मूल्य प्रति वर्ष-₹75 लाख। कुल आय-₹2.25 करोड़। प्राप्त प्रस्ताव पारंपरिक बोली मूल्य से 127.33 प्रतिशत अधिक थे।

नई प्रणाली की मुख्य विशेषताएं

- नीलामी आईआरईपीएस के 'ई-नीलामी लीजिंग' मॉड्यूल www.ireps.gov.in के माध्यम से ऑनलाइन आयोजित की जाएगी।
- रेलवे बोर्ड द्वारा जारी ई-नीलामी और नीलामी की मानक शर्तों के लिए नीति
- इससे पहले चल रही मंडल नीति के अनुसार ठेकेदारों के व्यक्तिगत पंजीकरण की प्रणाली को समाप्त कर दिया गया है,
- केवल वित्तीय मानदंड-ठेकेदारों द्वारा पिछले टर्नओवर की स्वत: घोषणा के आधार पर।
- वित्तीय कारोबार मानदंड को युक्तिसंगत और मानकीकृत किया गया। ₹40 लाख तक के वार्षिक अनुबंध अनुमान तक किसी टर्नओवर की आवश्यकता नहीं है।
- ठेकेदारों का एकमुश्त ऑनलाइन स्वत: पंजीकरण।
- किसी भी प्रभाग की किसी नीलामी में भाग लेने के लिए कोई भौगोलिक प्रतिबंध नहीं।
- बेहतर निगरानी और पहले से अनुबंध जारी करने को सुनिश्चित करने के लिए सभी परिसंपत्तियों को सिस्टम में फीड किया जाएगा। इससे परिसंपत्ति संबंधी व्यर्थता को कम किया जा सकेगा।
- परिसंपत्ति के सभी विवरणों के साथ नीलामी सूची आईआरईपीएस पोर्टल पर न्यूनतम 15 दिन पहले ऑनलाइन प्रकाशित की जाएगी।
- नीलामी ऑनलाइन आयोजित की जाएगी। बोलीदाता भारत में कहीं से भी इसमें भाग ले सकेंगे।
- नीलामी के लिए न्यूनतम 30 मिनट का समय दिया जाएगा ताकि सभी इच्छुक ठेकेदार अपनी बोलियां जमा कर सकें।
- किसी भी कैटलॉग में लगातार लॉट की नीलामी 10 मिनट के अंतराल के बाद बंद कर दी जाएगी।
- यदि नीलामी बंद होने के समय के अंतिम 2 मिनट के भीतर कोई बोली प्राप्त होती है, तो लॉट के समापन समय को स्वचालित रूप से 2 मिनट के लिए बढ़ा दिया जाएगा। सभी बोलीदाताओं को अपनी बोलियां जमा करने के लिए पर्याप्त समय सुनिश्चित करने के लिए ऐसे 10 स्वत: विस्तारों की अनुमति दी जाएगी।
- लॉट के आरक्षित मूल्य का खुलासा नहीं किया जाएगा और बोलीदाता अपने आकलन के अनुसार परिसंपत्ति की वास्तविक वाणिज्यिक क्षमता के अनुसार कोई भी बोली लगाने के लिए स्वतंत्र होंगे।
- बोलियां स्वत: तय होंगी।
- यदि उच्चतम बोली (एच 1) आरक्षित मूल्य के बराबर या उससे अधिक है तो नीलामी बंद होने के बाद उसी दिन अनुबंध को अंतिम रूप दिया जाएगा।
- बिड शीट और अनुबंध समझौते पर डिजिटल रूप से हस्ताक्षर किए जाएंगे।
- अनुबंध के लिए भुगतान अनुसूची तुरंत तैयार की जाएगी।
- ठेकेदार द्वारा सभी भुगतान ऑनलाइन किए जाएंगे।
- पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन और कागज रहित होगी।

लाभ

- ऑनलाइन माध्यम देश भर के दूर-दराज के संभावित बोलीदाताओं को बोली प्रक्रिया में भाग लेने के लिए सक्षम बनाता है।
- ठेका देने के बाद रेलवे को ऑनलाइन भुगतान। अभी तक पार्सल लीजिंग अनुबंध में दैनिक मैन्युअल भुगतान का प्रावधान है, जो एक थकाऊ प्रक्रिया है। अब इसे ऑनलाइन कर दिया गया है।
- बेहतर निगरानी: मानचित्रण के बाद जब किसी विशेष परिसंपत्ति की आय संबंधी अनुबंध पूरा होने वाला होता है तो पोर्टल संकेत देता है और नई नीलामी शुरू करने के लिए बाध्य करता है। इस प्रकार परिसंपत्ति का निष्क्रिय समय कम हो जाता है।
- अखिल भारतीय पात्रता संबंधी शर्तों का मानकीकरण।
- प्रक्रियाओं का सरलीकरण।
- निविदाओं को अंतिम रूप देने में लगने वाले समय को काफी कम कर देता है और इस कारण राजस्व हानि को रोकेगा।
- किसी भी ठेकेदार की विफलता के मामले में अनुबंध को किसी अन्य को तुरंत प्रदान किया जाएगा।
- बोलीदाताओं के बीच कार्टेल को तोड़ता है। बोलीदाताओं की पहचान एक दूसरे से और भारतीय रेल से छिपाई जाएगी।
- बोलीदाताओं के बीच उच्च प्रतिस्पर्धा के कारण परिसंपत्ति की वास्तविक वाणिज्यिक क्षमता प्राप्त करके राजस्व आय में वृद्धि होगी।
- परिसंपत्तियों की निष्क्रियता में कमी आने के परिणामस्वरूप परिसंपत्तियों की क्षमता का अधिकतम उपयोग होगा।
- पात्रता संबंधी मानदंड के लिए ₹40 लाख तक की कोई सीमा ना होने से स्टार्ट-अप को बढ़ावा देने में मदद करेगा।

रेल मंत्री ने बेहाला, पश्चिम बंगाल में अंतरराष्ट्रीय स्तर के पूर्ण सुसज्जित इंडोर स्टेडियम का उद्घाटन किया



श्री अरुण अरोड़ा, महाप्रबंधक, पूर्व रेलवे, श्रीमती सोमा बिस्वास, सुप्रसिद्ध एथलीट और श्रीमती डोला बनर्जी, सुप्रसिद्ध तीरंदाज की उपस्थिति में बेहाला में अंतरराष्ट्रीय स्तर के पूर्ण वातानुकूलित मल्टिपरपस इंडोर स्टेडियम का उद्घाटन करते हुए रेल, संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव

श्री अश्विनी वैष्णव, रेल, संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, ने 30 मई, 2022 को श्री अरुण अरोड़ा, महाप्रबंधक, पूर्व रेलवे, श्रीमती सोमा बिस्वास, सुप्रसिद्ध एथलीट और श्रीमती डोला बनर्जी, सुप्रसिद्ध तीरंदाज की उपस्थिति में एक संक्षिप्त कार्यक्रम में बेहाला में अंतरराष्ट्रीय स्तर के पूर्ण वातानुकूलित मल्टिपर्पज इंडोर स्टेडियम का उद्घाटन किया। अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त इस पूर्णतः वातानुकूलित मल्टिपर्पज इनडोर स्टेडियम में लगभग 1,100 लोगों के बैठने की क्षमता के साथ दो स्तरीय व्यूवर गैलरी विकसित की गई है। पूरे परिसर को 22 मीटर ऊँचाई की एक अनूठी संरचना से बनाया गया है जिसमें अर्ध-गोलाकार गुंबद फ्रेम छत है और आयाम 60 मीटर x 45 मीटर है। यहाँ सर्विस लिफ्ट और कैफेटेरिया के अलावा भवन के बेसमेंट में एक समर्पित पॉवर बैकअप व्यवस्था और पार्किंग है। कोलकाता में रेलवे परिसर में बास्केट बॉल, वॉलीबॉल, कबड्डी, हैंडबॉल, टेबल टेनिस, बैडमिंटन, भारोत्तोलन, ब्रिज, पॉवर लिफ्टिंग और शतरंज इत्यादि जैसे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय इंडोर इवेंट आयोजित करने हेतु यह अच्छी तरह से सुसज्जित है।

इंडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में ऑडियो स्पीकर और साउंड कंट्रोलिंग बूथ के साथ विश्वस्तरीय साउंड सिस्टम है, 360^0 व्यूअरशिप के लिए दो बड़े इलेक्ट्रॉनिक्स डिस्प्ले हैं और इसमें आधुनिक फायर एंड स्मोक डिटेक्शन एंड सप्रेशन सिस्टम है। खेल स्टेडियम के अलावा विशेष ऑफिस रूम, सम्मेलन हॉल, वीआईपी लाउंज, मीडिया कक्ष आदि भी इस परिसर में हैं। साथ ही, यहाँ सीसीटीवी सहित पर्याप्त सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं।





5, मई 2022 को रेल भवन, नई दिल्ली में आयोजित रेलवे हिंदी सलाहकार समिति की 61वीं बैठक रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव की अध्यक्षता में आयोजित हुई, जिसमें रेल राज्य मंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश एवं माननीय सांसदों के अलावा अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड श्री विनय कुमार त्रिपाठी ने भी भाग लिया। बैठक में रेलवे प्रणाली में हिंदी के प्रयोग को लेकर कई सुझावों पर अहम चर्चा की गई।

रेल राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य एवं संस्कृति राज्य मंत्री द्वारा विभिन्न रेल सेवाओं का शुभारंभ



विभिन्न रेल सेवाओं का शुभारंभ करते हुए रेल राज्य मंत्री श्री रावसाहेब पाटिल दानवे तथा संसदीय कार्य एवं संस्कृति राज्य मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल

श्री रावसाहेब पाटिल दानवे रेल, कोयला एवं खान राज्य मंत्री एवं श्री अर्जुन राम मेघवाल, संसदीय कार्य एवं संस्कृति राज्य मंत्री ने 08 जून, 2022 को अनूपगढ-बठिण्डा स्पेशल रेल सेवा का पुन: संचालन एवं बठिण्डा-सिरसा स्पेशल नई रेल सेवा को नई दिल्ली से वीडियो कॉन्फेसिंग के माध्यम से हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया।

इस अवसर पर श्री दानवे, ने कहा कि कोरोना संक्रमण के कारण बन्द अनूपगढ-बठिण्डा रेलसेवा के प्रारम्भ होने से इस क्षेत्र के निवासियों को लाभ होने के साथ-साथ सैनिकों एवं किसानों को भी लाभ पहुंचेगा और इस क्षेत्र के विकास के अवसर बढ़ने के साथ-साथ रोजगार भी मिलेगा। श्री दानवे, ने अनूपगढ-बीकानेर नई रेल लाईन के बारे में आश्वस्त करते हुए कहा कि जल्द से जल्द इस लाइन का सर्वे किया जाएगा तथा 2023 तक सभी ब्रॉडगेज लाइनों का विद्युतीकरण कार्य पूरा किया जाएगा।

रेल राज्य मंत्री ने कूचबिहार में खेल के लिए पहले एसएआई राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र की आधारशिला रखी

रेल और कपड़ा राज्य मंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश ने 21 मई, 2022 को पूर्वोत्तर सीमा रेल का दौरा किया था। इस दौरान खेल के लिए राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (एनसीओई) की आधारशिला रेल और कपड़ा राज्य मंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश, युवा मामले एवं खेल और गृह राज्य मंत्री श्री निसिथ प्रमाणिक और अल्पसंख्यक मामलों के राज्य मंत्री श्री जॉन बरला की उपस्थिति में न्यू कूचबिहार में रखी गई। इस अवसर पर रेल एवं खेल मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

ऐतिहासिक शहर कूचबिहार में खेल के लिए भारत में अब तक के पहले राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (एनसीओई) की स्थापना के लिए रेल और खेल मंत्रालय के बीच 20 मई को उनकी उपस्थिति में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया। रेल मंत्रालय, भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) के सहयोग से इसका निर्माण करने को तैयार है। इस एनसीओई की स्थापना के साथ, कूचबिहार खेलों का



युवा मामले एवं खेल राज्य मंत्री श्री निसिथ प्रामाणिक के साथ एसएआई-एनसीओई की आधारशिला रखती हुई रेल राज्य मंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश

राष्ट्रीय केंद्र बन जाएगा। यह नया केंद्र न केवल कूचबिहार, बल्कि पूर्वोत्तर क्षेत्र के भी इच्छुक एथलीटों को विश्वस्तरीय खेल और कोचिंग की सुविधाएं प्रदान करेगा।

रेल राज्य मंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश ने न्यू जलपाईगुड़ी से न्यू कूचबिहार अनुभाग का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण भी किया। निरीक्षण के दौरान पूर्वोत्तर सीमा रेल के महाप्रबंधक श्री अंशुल गुप्ता और रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। उन्होंने न्यू कूचबिहार स्टेशन पर एकीकृत वीडियो निगरानी प्रणाली का भी उद्घाटन किया एवं 'वन स्टेशन, वन प्रोडक्ट' योजना के तहत न्यू कूचबिहार स्टेशन पर स्थानीय उत्पादों के एक स्टॉल का भी मुआयना किया। 22 मई, 2022 को न्यू कूचबिहार में वरिष्ठ रेलवे अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक भी आयोजित की गई, जहां रेल राज्य मंत्री ने लामडिंग-बदरपुर पहाड़ी खंड में भू-खलन प्रभावित रेलवे क्षेत्रों की जानकारी ली। श्रीमती जरदोश ने रेलवे अधिकारियों को पहाड़ी खंड में जल्द से जल्द ट्रेन कनेक्टिविटी को सामान्य करने के लिए बहाली कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया।

रेल राज्य मंत्री ने किया बइरबी-सैरांग न्यू बीजी रेल लाइन परियोजना का निरीक्षण

28 मई, 2022 को रेल और कपड़ा राज्य मंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश ने मिजोरम के राज्यपाल श्री डॉ. हरि बाबू कंभमपति से भेंटवार्ता की और उन्हें पूर्वोत्तर सीमा रेलवे द्वारा निर्माणाधीन 51 किमी की महत्त्वपूर्ण परियोजना बइरबी–सैरांग रेल लाइन के बारे में जानकारी दी। यह रेलवे लाइन न केवल मिजोरम बल्कि पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र की अद्वितीय आर्थिक समृद्धि का वादा करती है।

रेल राज्य मंत्री ने परियोजना स्थल पर काम कर रहे श्रमिकों और टीम के साथ बातचीत की और बेहद चुनौतीपूर्ण भौगोलिक इलाके में कार्य करने के उनके प्रयासों की सराहना की। यह नई रेलवे लाइन आइजोल (मिजोरम) और सिलचर (असम) के बीच यात्रा समय को 7 घंटे से घटाकर 3 घंटे करेगी।



बइरबी–सैरांग लाइन परियोजना का निरीक्षण करती हुईं रेल राज्य मंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश

उन्होंने भारतीय रेल द्वारा निर्माणाधीन बइरबी–सैरांग न्यू बीजी रेल लाइन परियोजना स्थल का निरीक्षण किया। इसके साथ ही इतिहास में पहली बार भारतीय रेल राज्य में रेल सेवाएं लाएगी और माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की मिजोरम तक रेल मार्ग लाने की प्रतिबद्धता को पूरा करेगी।

भोपाल स्टेशन हुआ 'मध्य प्रदेश वार्षिक पर्यावरण पुरस्कार 2020-21' से सम्मानित



भोपाल स्टेशन को 'मध्य प्रदेश वार्षिक पर्यावरण पुरस्कार–2020–21' प्रदान करते हुए मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान

मध्य प्रदेश सरकार द्वारा 'मध्य प्रदेश वार्षिक पर्यावरण पुरस्कार–2020–21' के लिए सामान्य उद्योग की श्रेणी में भोपाल स्टेशन को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ है। यह पुरस्कार पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भोपाल स्टेशन पर किये गए विभिन्न सराहनीय कार्यों के लिए दिनांक 05 जून, 2022 को भोपाल में आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा प्रदान किया गया।

उल्लेखनीय है कि भोपाल स्टेशन परिसर से निकलने वाले अपशिष्ट जल का परिशोधन 10.00 लाख लीटर प्रतिदिन क्षमता वाले सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट से किया जा रहा है। इसके अलावा भोपाल स्टेशन पर 700 सौर ऊर्जा पैनलों से प्रतिदिन 240 किलोवाट की सोलर विद्युत ऊर्जा उत्पन्न की जाती है। भोपाल स्टेशन स्थित पूर्वी रेलवे कॉलोनी में वर्मी कम्पोस्ट जनरेशन यूनिट का निर्माण किया गया है, जिससे हर पखवाड़े में लगभग 3 घन मी. कम्पोस्ट खाद का निर्माण किया जा रहा है, जिसका उपयोग रेलवे परिक्षेत्र में विकसित किये गये बगीचों में किया जाता है। भोपाल स्टेशन पर सघन वृक्षारोपण भी किया गया है।

वर्षा जल के संरक्षण हेतु भोपाल स्टेशन पर जहां 100 वर्ग मी. से ज्यादा रूफ टॉप उपलब्ध है, को पाइप लाइन नेटवर्क के माध्यम से जोड़कर रेनवॉटर हार्वेस्टिंग पिट का निर्माण किया गया है, जिससे भू-जल स्तर में वृद्धि हुई है। भोपाल स्टेशन पर गीले एवं सूखे कचरे के डस्टबिन निर्धारित दूरी पर लगाए गए हैं, 180 जिन्हें रिसाइकल किया जाता है।

नवद्वीप धाम और बालुरघाट के बीच नई रेल सेवाओं का शुभारंभ



नवद्वीप धाम और बालुरघाट के बीच ट्रेन सेवाओं को झंडी दिखाकर रवाना करते हुए सांसद डॉ. सुकांत मजूमदार

उत्तर बंगाल वासियों के लिए रेल कनेक्टिविटी बढ़ाने हेतु नवद्वीप धाम-मालदा टाउन (ट्रेन संख्या 13421/13422) के बीच चलने वाली रेल सेवाओं का बालुरघाट तक विस्तार किया गया है। इस ट्रेन का शुभारंभ 30 मई, 2022 को पश्चिम बंगाल के सांसद डॉ. सुकांत मजूमदार द्वारा पश्चिम बंगाल के विधायकों डॉ अशोक लाहिड़ी (वीडियो लिंक के माध्यम से), श्री बुधराय टुडु और श्री सत्येंद्रनाथ रॉय की उपस्थिति में बालुरघाट स्टेशन से हरी झंडी दिखाकर किया गया। उसी दिन एक अन्य समारोह में सांसद डॉ. सुकांत मजूमदार ने बालुरघाट स्टेशन पर एक नई कोचिंग पिट लाइन की आधारशिला भी रखी।

31 मई, 2022 से नयी ट्रेन संख्या के साथ 13431/13432 नवद्वीप धाम-बालुरघाट-नवद्वीप धाम एक्सप्रेस सप्ताह में पांच दिन -मंगलवार, बुधवार, शुक्रवार, शनिवार और रविवार को परिचालन के लिए निर्धारित की गई है।

बालुरघाट-नवद्वीप धाम के बीच नई ट्रेन सेवा पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर और दक्षिण दिनाजपुर जिलों के लोगों को परिवहन के एक किफायती साधन का लाभ उठाने और पवित्र स्थान नवद्वीप धाम एवं मायापुर की यात्रा करने की सुविधा प्रदान करेगी।

कोटा-इटावा-कोटा एक्सप्रेस का शुभारंभ

रेल प्रशासन द्वारा दिनांक 21 मई, 2022 से ट्रेन संख्या 19811/19812 कोटा-इटावा-कोटा एक्सप्रेस ट्रेन की सेवाएँ बहाल की गई। यह ट्रेन 21 मई से चलना प्रारंभ हो गई है।

21 मई को ट्रेन संख्या 19811 कोटा इटावा एक्सप्रेस कोटा स्टेशन से प्रस्थान करके जब 22 मई को मध्यरात्रि में बारां स्टेशन पर पहुंची तो वहां इसका स्वागत सांसद श्री दुष्यंत सिंह ने किया और वहां से इस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर गंतव्य के लिए रवाना की गई। इस अवसर पर बारां शहर के गणमान्यजन तथा रेल प्रशासन की ओर से मंडल रेल प्रबन्धक, कोटा श्री पंकज शर्मा, अपर मंडल रेल प्रबंधक कोटा, श्री राघवेन्द्र सारस्वत, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक कोटा, श्री रोहित मालवीय एवं स्टेशन प्रबंधक सहित अन्य अधिकारी/पर्यवेक्षक कर्मचारी उपस्थित थे।

इसी प्रकार जब ट्रेन संख्या 19811 गुना स्टेशन पर पहुंची तो वहां इसका स्वागत सांसद, गुना श्री कृष्णपाल सिंह यादव ने किया एवं हरी झंडी दिखाकर ट्रेन को गंतव्य के लिए रवाना किया गया। इस अवसर पर रेल प्रशासन की ओर से मंडल वाणिज्य प्रबन्धक श्री संजय कुमार गुप्ता, सहायक मंडल इंजीनियर गुना, स्टेशन प्रबंधक सहित अन्य अधिकारी/पर्यवेक्षक कर्मचारी उपस्थित थे।



बारां स्टेशन पर ट्रेन संख्या 19811 को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए सांसद श्री दुष्यंत सिंह

इस ट्रेन के पुनः शुरू हो जाने से कोटा-इटावा के मध्य यात्रा करने वालों को सुविधा होगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में अंता, बारां, अटरू, सालपुरा, छाबड़ा गूगोर, भूलोन, मोतीपुरा चौकी, धरनावदा, रुठियाई, गुना, म्याना, रायसेर, बदरवास, लुकवासा, कोलारस, खोंकर, शिवपुरी, खजरी, पाराखेड़ा, रेहट, ग्वालियर, सनीचरा, मालनपुर, गोहद रोड, सोनी एवं भिंड स्टेशनों पर रुकेगी।

सांसद द्वारा लिफ्ट एवं एकीकृत जन सूचना प्रणाली का लोकार्पण

दिनांक 19 जून, 2022 को झाँसी स्टेशन पर प्लेटफॉर्म सं 4/5 पर लिफ्ट एवं स्टेशन पर एकीकृत जन सूचना प्रणाली का लोकार्पण सांसद झाँसी-ललितपुर श्री अनुराग शर्मा द्वारा मंडल रेल प्रबंधक श्री आशुतोष की उपस्थिति में किया गया। इस दौरान मंडल रेल प्रबंधक ने झाँसी मंडल से जुड़ी परियोजनाओं के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी। इसके साथ ही स्टेशन और सर्कुलेटिंग क्षेत्र के विकास पर विस्तृत चर्चा की। इसके फलस्वरूप झाँसी स्टेशन के सभी प्लेटफॉर्म लिफ्ट युक्त हो गये हैं। इसके अतिरिक्त एक नया फुट ओवर ब्रिज का निर्माण कार्य प्रगति पर है। ₹22 लाख की लागत से लगाई गई लिफ्ट, की क्षमता 15 व्यक्ति या 1,020 किलोग्राम वजन है।

इसके अतिरिक्त एकीकृत जन सूचना प्रणाली ₹85 लाख की लागत से संस्थापित की गई है। जिसके अन्तर्गत कोच इंडिकेशन बोर्ड तथा ट्रेन इंडिकेशन बोर्ड



की एकीकृत ऐसी प्रणाली है जिसमें स्टेशन पर ट्रेनों के आवागमन की सूचना के साथ-साथ उनके कोचों की वास्तविक स्थिति को दर्शाया जाता है।

प्रयागराज मण्डल पर नई यात्री सुविधाओं का लोकार्पण



प्रयागराज जंक्शन रेलवे स्टेशन पर दिनांक 28 मई, 2022 को नवस्थापित ई-चार्टिंग, नवस्थापित स्वचालित सीढ़ी, एवं नवस्थापित लिफ्ट का सांसद लोकसभा, प्रयागराज प्रोफेसर रीता बहुगुणा जोशी एवं सांसद लोकसभा, फूलपुर श्रीमती केशरी देवी पटेल द्वारा लोकार्पण किया गया।

इसी अवसर पर सांसद फूलपुर श्रीमती केसरी देवी पटेल ने अपने संबोधन में रेल प्रशासन को धन्यवाद देते हुए कहा कि प्रयागराज जंक्शन पर यात्री सुविधाओं का निरंतर विकास हो रहा है। इसी क्रम में सांसद लोकसभा प्रोफेसर रीता बहुगुणा जोशी ने अपने संबोधन में रेलवे अधिकारियों और कर्मचारियों को इस कार्य के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि आने वाले 2 सालों में भारतीय रेल के स्टेशन विश्व स्तर के होंगे। आगे उन्होंने कहा कि आज दिव्यागंजनों के लिए हर प्रकार की सुविधाएं स्टेशनों पर उपलब्ध हैं। प्रयागराज मंडल द्वारा मुख्य रूट वाले गाजियाबाद-पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन सेक्शन में ट्रेनों की अधिकतम गति को 130 किमी प्रति घंटा कर दिया गया है। साथ ही, गाजियाबाद-पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन सेक्शन में नई दिल्ली हावड़ा रेल मार्ग पर ट्रेनों को 160 किमी प्रति घंटा की अधिकतम गति से चलाने के लिए अपग्रेडेशन कार्य किए जा रहे हैं।

बिलासपुर रेलवे स्टेशन पर विभिन्न यात्री सुविधाओं का लोकार्पण

बिलासपुर स्टेशन पर 20 फीट चौड़े फुटओवर ब्रिज का विस्तार करने के साथ ही साथ द्वितीय प्रवेश द्वार, बुकिंग कार्यालय एवं पार्किंग की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इस सुविधा का लोकार्पण दिनांक 10 मई, 2022 को नेता (प्रतिपक्ष) श्री धरम लाल कौशिक एवं सांसद श्री अरुण साव द्वारा तथा विधायक श्री शैलेष पाण्डेय एवं महापौर श्री रामशरण यादव की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों के अलावा मंडल रेल



प्रबंधक श्री आलोक सहाय, वरिष्ठ मंडल अभियंता श्री राजधारी यादव, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ ए.के.दास, वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त श्री ऋषि कुमार शुक्ला सहित रेलवे के अन्य अधिकारीगण तथा कर्मचारीगण उपस्थित थे। मंडल रेल प्रबंधक श्री आलोक सहाय ने स्वागत भाषण के दौरान सुविधाओं के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/मालभाड़ा श्री सुस्कर विपुल विलासराव तथा आभार व्यक्त सहायक वाणिज्य प्रबंधक श्री एस.भारतीयन ने किया।

वित्त एवं कॉर्पोरेट कार्य मंत्री ने 'राष्ट्र निर्माण एवं सीपीएसई' प्रदर्शनी में डीएफसीसीआईएल के स्टॉल का दौरा किया



'राष्ट्र निर्माण एवं सीपीएसई' प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए वित्त एवं कॉर्पोरेट कार्य मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण और गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र पटेल

वित्त एवं कॉर्पोरेट कार्य मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण और गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र पटेल ने सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई) द्वारा 'आइकॉनिक डे' समारोह के दौरान लगाए गए 'राष्ट्र निर्माण एवं सीपीएसई' प्रदर्शनी में डीएफसीसीआईएल के स्टॉल का दौरा किया और डीएफसी के परिचालित और निर्माणाधीन खंडों और साथ ही भावी कॉरिडोरों के प्रति गहरी रुचि दिखाई। यह प्रदर्शनी डीपीई, जो केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के लिए नोडल मंत्रालय है, द्वारा गांधीनगर, गुजरात में महात्मा मंदिर एग्जीबीशन एंड कनवेंशन सेंटर में आयोजित की गई थी। डीएफसीसीआईएल स्टॉल में पूर्वी और पश्चिमी डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के संरेखण को प्रदर्शित किया गया था। इसमें पहले ही चालू कर लिए गए खंड, पूर्ण खंड और वे खंड जिनमें तेजी से कार्य प्रगति पर है, को दर्शाया गया था। इस प्रदर्शनी में विभिन्न प्रौद्योगिकी, इंजीनियरी, परिचालनिक एवं व्यवसाय विकास की विशिष्ट उपलब्धियां भी दर्शाई गई थीं।

बांग्लादेश के रेल मंत्री ने किया सवारी डिब्बा कारखाने का दौरा

बांग्लादेश के रेल मंत्री श्री मो. नुरुल इस्लाम सुजान ने 02 जून, 2022 को सवारी डिब्बा कारखाने का संदर्शन किया। गया उनके साथ बांग्लादेश रेलवे के अपर महानिदेशक (परिचालन) श्री सरदार शहादत अली भी आए थे। मंत्री ने सवारी डिब्बा कारखाने के एलएचबी शेड में कोच-उत्पादन के लिए की गई सुविधाओं को देखा और सवारी डिब्बा कारखाना द्वारा विनिर्मित किए जानेवाले विशेष कोचों जैसे एलएचबी (लिंके हॉफमैन बुश) विस्टाडोम कोच, एलएचबी एसी 2 टियर, एलएचबी 3 टियर कोच और वातानुकूलित सेल्फ प्रोपेल्ड निरीक्षण कॉर का निरीक्षण भी किया।

यहाँ यह उल्लेख करना प्रासंगिक होगा कि सवारी डिब्बा कारखाना बांग्लादेश रेलवे को विगत वर्षों में विभिन्न प्रकार के कोचों यथा-एमजी फर्स्ट क्लास, एमजी डाइनिंग कार, एमजी सेकेंड क्लास, एमजी पावर कार, एमजी पोस्टल और पार्सल वैन इत्यादि कोचों का निर्यात कर चुका है, जिनका मूल्य लगभग ₹100 करोड़ है।



सवारी डिब्बा कारखाने के महाप्रबंधक श्री ए.के. अग्रवाल और अन्य अधिकारियों से चर्चा करते समय श्री मो. नुरुल इस्लाम सुजान ने कहा कि बांग्लादेश अपने मीटर गेज ट्रैक को ब्रॉड गेज में बदलने की परियोजना अब शुरू करने वाला है। बांग्लादेश रेलवे के आधुनिकीकरण में सवारी डिब्बा कारखाने के एलएचबी कोचों का महत्त्वपूर्ण स्थान होगा। उन्होंने आशा व्यक्त की कि बड़े पैमाने पर आवागमन के लिए हाल ही में सवारी डिब्बा कारखाना द्वारा श्रीलंका और नेपाल को निर्यात किए गए डेमू जैसे ट्रेन सेटों के आयात करने की संभावना पर बांग्लादेश रेलवे विचार कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि सवारी डिब्बा कारखाने से बांग्लादेश को कोचों का निर्यात करने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए बांग्लादेश रेलवे के अधिकारियों की एक टीम जल्द ही सवारी डिब्बा कारखाने का दौरा करेगी। बांग्लादेश के रेल मंत्री ने कहा कि भारतीय रेल और बांग्लादेश रेलवे के बीच के सहयोग का लंबा इतिहास है। बांग्लादेश में रेलवे का विकास करने में सवारी डिब्बा कारखाने का महत्त्वपूर्ण योगदान रहा है। वे सवारी डिब्बा कारखाने के 'वंदे भारत कोच' तथा अन्य कोचों से काफी प्रभावित हुए और उनकी भूरि-भूरि प्रशंसा की।

इस चर्चा से पहले सवारी डिब्बा कारखाने के प्रधान मुख्य यांत्रिक इंजीनियर श्री एस. श्रीनिवास ने बांग्लादेश के रेल मंत्री को सवारी डिब्बा कारखाने के इतिहास और उत्पादन संबंधी गतिविधियों के बारे में प्रेजेंटेशन दिया।

सदस्य, ट्रैक्शन एवं रोलिंग स्टॉक, रेलवे बोर्ड ने किया रेल कोच फैक्ट्री का दौरा

श्री डी सी शर्मा, सदस्य ट्रैक्शन एवं रोलिंग स्टॉक, रेलवे बोर्ड ने 24 जून, 2022 को रेल कोच फैक्ट्री (आरसीएफ), कपूरथला का दौरा किया।

श्री शर्मा ने आरसीएफ वर्कशॉप में कोच निर्माण प्रक्रियाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने आरसीएफ द्वारा बनाए जा रहे विभिन्न प्रकार के डिब्बों, जैसे ए सी थ्री टियर इकोनॉमी क्लास, थ्री फेज मेमू डिब्बों, एसी टू टियर कोचों आदि की जांच की। इस अवसर पर श्री शर्मा ने आरसीएफ निर्मित वंदे भारत ट्रेन सेट के शेल निर्माण जिग का भी उद्घाटन किया।

उन्होंने थ्री फेज मेमू कोचों के तीसरे रेक को भी झंडी दिखाकर रवाना किया। श्री शर्मा ने वन्दे भारत ट्रेन सेट और मेमू डिब्बों के निर्माण के लिए बनाई जा रहे शेडों का भी निरीक्षण किया।

उन्होंने कोच उत्पादन और नए प्रकार के कोचों के निर्माण से संबंधित मुख्य मुद्दों पर महाप्रबंधक और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक बैठक की। श्री शर्मा ने वित्तीय वर्ष 2021-22 के 1862 कोचों के रिकॉर्ड निर्माण के लिए आरसीएफ की सराहना की। इस शानदार रिकॉर्ड प्रोडक्शन की



उपलब्धि और उच्च स्तरीय गुणवत्ता के लिए श्री शर्मा ने आरसीएफ के लिए ₹2 लाख के नकद पुरस्कार की घोषणा की।

अतिरिक्त सदस्य, रेलवे बोर्ड ने किया चिरेका का दौरा

कार्य प्रगति को लेकर की समीक्षा बैठक



श्री आर.के मंगला, अपर सदस्य, उत्पादन इकाइयां, रेलवे बोर्ड ने चितरंजन रेलइंजन कारखाना (चिरेका) का 7 जून 2022 को दौरा किया। इस दौरान श्री मंगला ने चिरेका स्थित कारखाना लोको एसेम्बली, टी.एम,शेल, बोगी शॉप, व्हील शॉप का निरीक्षण और परिभ्रमण किया। इस मौके पर श्री आर. यादव, पीसीईई, श्री टी. के साइन, पीसीएमई सहित चिरेका के वरीष्ठ अधिकारीगण मौजूद थे। इसके बाद श्री मंगला ने महाप्रबंधक, चितरंजन रेलइंजन कारखाना श्री सतीश कुमार कश्यप के साथ एक बैठक की तथा विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की और वर्तमान और अगले वित्त वर्ष के उत्पादन कार्यक्रम की समीक्षा की। इसके बाद लोकोमोटिव के निर्माण के विभिन्न पहलुओं पर वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा प्रस्तुतियाँ दी गईं।

श्री मंगला ने विद्युत इंजनों के उत्पादन में चिरेका के कुशल कार्यबल को प्रेरित करने और प्रोत्साहित करने के लिए महाप्रबंधक के प्रयासों की सराहना की।

भारतीय रेल

पत्रिका की सदस्यता एवं प्राप्ति हेतु

संपर्क करें 011-47845381

सोमवार से शुक्रवार (सुबह 10 से 1 एवं दोपहर 2 से 5 बजे तक) editorbhartiyarailrb@gmail.com bmpr310rb@gmail.com

रेलवे सुरक्षा बल ने चलाया 'ऑपरेशन महिला सुरक्षा' अभियान

- *महिलाओं के लिए आरक्षित कोचों में अनधिकृत रूप से यात्रा करने के आरोप में 7,000 से अधिक व्यक्ति गिरफ्तार*
- *रेल उपयोगकर्ताओं को उनकी सुरक्षा और क्या करें और क्या न करें के बारे में शिक्षित करने के लिए 5,742 जागरूकता अभियान आयोजित किए गए*

महिलाओं की सुरक्षा हमेशा भारतीय रेल के लिए सर्वोपरि रही है। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और रेलवे के अग्रिम पंक्ति कर्मचारी भारतीय रेल में महिलाओं की सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। महिला सुरक्षा के इस उद्देश्य को समर्पित एक अखिल भारतीय अभियान 'ऑपरेशन महिला सुरक्षा' 3 से 31 मई, 2022 तक चलाया गया था।

इस अभियान के दौरान आरपीएफ ने महिलाओं के लिए आरक्षित कोचों में अनाधिकृत रूप से यात्रा करने वाले 7,000 से अधिक व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। आरपीएफ ने 150 लड़कियों/महिलाओं को मानव तस्करी का शिकार होने से भी बचाया।

ट्रेनों से यात्रा करने वाली महिला यात्रियों को उनकी पूरी यात्रा के दौरान बढ़ी हुई और बेहतर सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से एक अखिल भारतीय पहल 'मेरी सहेली' पहले से भी जारी है। प्रशिक्षित महिला अधिकारियों और कर्मियों की 283 टीमें (223 स्टेशनों को समाहित करते हुए) प्रतिदिन औसतन कुल 1,125 महिला आरपीएफ कर्मियों की तैनाती के साथ, भारतीय रेल में कार्यरत हैं और जिन्होंने इस अवधि के दौरान 2 लाख 25 हजार से अधिक महिलाओं के साथ बातचीत की और उन्हें अंत तक सुरक्षा प्रदान की।

इस अवधि के दौरान पुरुष और महिला आरपीएफ कर्मियों की मिश्रित संरचना के साथ ट्रेन एस्कॉर्ट ड्यूटी भी व्यापक रूप से लगाई गई थी। मिश्रित एस्कॉर्ट ड्यूटी कुछ महीने पहले शुरू हुई है और इसे सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है।

रेल उपयोगकर्ताओं को उनकी यात्रा के दौरान उनकी सुरक्षा और 'क्या करें और क्या न करें' के बारे में शिक्षित करने के लिए 5,742 जागरूकता अभियान भी चलाए गए। महीनेभर की अवधि वाले इस लंबे अभियान के दौरान आरपीएफ कर्मियों ने अपनी जान जोखिम में डालते हुए ऐसी 10 महिलाओं की जान बचाई जो ट्रेन में चढ़ते/उतरते समय फिसल गई थीं और जिनके चलती ट्रेन के पहियों के नीचे आ जाने की पूरी आशंका थी।



भारतीय रेल अपने रेलवे नेटवर्क पर महिला सुरक्षा आवरण को बढ़ाने के लिए तत्पर और दृढ़प्रतिज्ञ है।

'ऑपरेशन जीवन रक्षा'

रेल सुरक्षा बल के जवान की सतर्कता से यात्री की जान बची



रेल सुरक्षा बल आरक्षक की सराहना करते हुए उसे पुरस्कार प्रदान करने की घोषणा की गई। 14 जून, 2022 को 09.32 बजे भोपाल स्टेशन प्लेटफॉर्म नंबर-1 पर ट्रेन संख्या 22130 तुलसी एक्सप्रेस (प्रयागराज-लोकमान्य तिलक) के रवाना होते समय एक वृद्ध यात्री उम्र 50 वर्ष जो कि प्रयागराज से लोकमान्य तिलक टर्मिनस के लिए यात्रा टिकट लिए था, कोच एस 5 के गेट से लटकता हुआ दिखाई दिए जाने पर प्लेटफॉर्म नंबर-1 में ड्यूटी पर तैनात आरक्षक रविन्द्र सिंह द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए प्लेटफॉर्म से दौड़कर उक्त यात्री को ट्रेन व प्लेटफॉर्म के बीच में से उसको सुरक्षित बाहर निकाला। उक्त यात्री से प्राथमिक उपचार हेतु पूछने पर यात्री द्वारा पुनः यात्रा करने हेतु आग्रह किया गया। यात्री सकुशल उक्त ट्रेन से रवाना हुआ।

मध्य रेल : रेल यात्रियों के सच्चे रक्षक के रेलवे सुरक्षा बल ने गत 5 माह में 31 लोगों की जान बचाई

रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के जवान 24 घंटे सतर्कता से न केवल रेलवे संपत्तियों की सुरक्षा करते हैं बल्कि ड्यूटी पर तैनात अन्य रेल कर्मचारियों की मदद से रेल यात्रियों की जान भी बचाने में सदैव अग्रणी रहते हैं।

मध्य रेल के आरपीएफ कर्मियों ने 'मिशन जीवन रक्षक' के तहत जनवरी से मई 2022 के दौरान मध्य रेल पर 31 लोगों की जानें बचाई हैं। कई मौके पर इस कार्य में उन्होंने अपनी जान जोखिम में डालकर इस प्रकार के साहसिक कार्यों को अंजाम दिया है। जीवन रक्षा करने वाली इन घटनाओं के कुछ दृश्य प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में बहुत चर्चित हुए हैं और ये सोशल मीडिया पर खूब वायरल भी हुए हैं। इन 31 घटनाओं में से अकेले मुंबई मंडल में जीवन रक्षक घटनाओं के 16 मामले दर्ज किए गए। भुसावल और नागपुर मंडल में जीवन रक्षक घटनाओं के प्रत्येक में 6-6 मामले, पुणे मंडल पर 2 जीवन रक्षक घटना के मामले और सोलापुर मंडल में जीवन रक्षक घटना का एक मामला दर्ज किया गया है। वर्ष 2021 के दौरान भी मध्य रेल के आरपीएफ कर्मियों ने 52 यात्रियों की जान बचाई, जिनमें से 35 मामले अकेले मुंबई मंडल पर ही दर्ज किए गए।



रेलवे सुरक्षा बल के इन जवानों को विभिन्न सुरक्षा चुनौतियों का सामना करना पड़ता है जैसे यात्रियों और रेलवे संपत्तियों के विरुद्ध होने वाले अपराध, चरमपंथी हिंसा, ट्रेन की आवाजाही में बाधा, लापता बच्चों को छुड़ाना और ट्रेनों और रेलवे परिसर में नशीले पदार्थ जब्त करना, यात्रियों के सामान की बरामदगी आदि। वे यात्रियों की सुरक्षा पर भी कड़ी नजर रखते हैं।

ज्यादातर मामलों में सतर्क आरपीएफ ने उन यात्रियों की जान बचाई है, जो कभी-कभी लापरवाही करते हैं और चलती ट्रेनों में चढ़ते या उतरते समय खतरे का सामना करते हैं। कई बार व्यक्तिगत कारणों से आत्महत्या का प्रयास करते हुए लोगों की जान बचाई गई है, लेकिन अंत में जीवन रक्षकों के इस कार्य का परिणाम आरपीएफ कर्मियों के प्रति आभार और कृतज्ञता जो शब्दों से परे होती है, द्वारा प्रकट किया जाता है।

भारतीय रेल ने आईआरसीटीसी की वेबसाइट/ऐप के माध्यम से ऑनलाइन बुकिंग होने वाली टिकटों की सीमा बढ़ाई



भारतीय रेल ने यात्रियों की सुविधा के लिए ऐसी यूजर आईडी से जो आधार से लिंक नहीं है, एक महीने में अधिकतम 6 टिकट बुक करने की सीमा को बढ़ाकर 12 टिकट करने का तथा आधार से लिंक यूजर आईडी द्वारा एक महीने में अधिकतम 12 टिकटों की सीमा बढ़ाकर 24 टिकट करने का निर्णय लिया है। इसके लिए बुक किए जाने वाले टिकट के एक यात्री का आधार के माध्यम से सत्यापन होना अपेक्षित है। अब तक भारतीय रेल खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) की वेबसाइट/ऐप पर ऐसी यूजर आईडी से जो आधार से लिंक नहीं है, एक महीने में अधिकतम 6 टिकट ऑनलाइन बुक किए जा सकते थे, जबकि आधार से लिंक आईडी द्वारा आईआरसीटीसी की वेबसाइट/ऐप पर एक महीने में एक यूजर आईडी द्वारा अधिकतम ऑनलाइन 12 टिकट बुक किए जा सकते थे। बुक किए जाने वाले टिकट में एक यात्री का आधार के माध्यम से सत्यापन होना अपेक्षित है।

पर्यावरण हितैषी भारतीय रेल

'विश्व पर्यावरण दिवस' पर पर्यावरण में सुधार हेतु वृक्षारोपण समेत अनेक उपाय अपनाए

- ***पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव के साथ भारतीय रेल लगातार बड़ी पहल कर रही है***
- ***भारतीय रेल को हाल ही में 25 केवी एसी ट्रैक्शन सिस्टम को सीधे सौर ऊर्जा प्रदान करने के लिए 'जीरो-कार्बन टेक्नोलॉजी का सर्वश्रेष्ठ उपयोग' की श्रेणी में यूआईसी इंटरनेशनल सस्टेनेबल रेलवे अवॉर्ड्स (आईएसआरए) से सम्मानित किया गया है***

पर्यावरण संबंधित मुद्दों पर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से हर साल 5 जून को 'विश्व पर्यावरण दिवस' मनाया जाता है।

इस वर्ष के पर्यावरण दिवस के लिए अभियान का नारा है-'केवल एक धरती' जिसमें 'प्रकृति के साथ सद्भाव से रहने' पर ध्यान केंद्रित किया गया है क्योंकि ब्रह्मांड में अरबों आकाशगंगाएँ हैं और हमारी आकाशगंगा में अरबों ग्रह हैं, लेकिन केवल एक धरती है। धरती माता हमारा निवास है और अनुकूल वातावरण को बनाए रखने के लिए इसे बढ़ते प्रदूषण से बचाने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए।

हर साल की तरह भारतीय रेल ने इस वर्ष के विश्व पर्यावरण दिवस की थीम के अनुरूप उपयुक्त तरीके से 5 जून, 2022 को 'विश्व पर्यावरण दिवस' मनाया।

भारतीय रेल विशाल परिवहन का पर्यावरण-अनुकूल साधन है। पर्यावरण संरक्षण के लिए, रेलवे प्रदूषण/जीएचजी उत्सर्जन को कम करने, संसाधनों और ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देने और सस्टेनेबिलिटी पाने में योगदान के माध्यम से पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव डालने वाली प्रमुख पहल की जा रही है। इनमें से कुछ पहलें निम्नलिखित हैं:-

- नेटवर्क को मजबूत करके और डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (डीएफसी) की स्थापना के माध्यम से समग्र भूमि आधारित माल परिवहन में रेलवे के बढ़ते मॉडल शेयर।
- ऊर्जा कुशल प्रौद्योगिकियों और एलईडी के उपयोग जैसे ऊर्जा कुशल उपायों के माध्यम से ऊर्जा दक्षता में सुधार।
- ऊर्जा मिश्रण में अक्षय ऊर्जा की हिस्सेदारी बढ़ाना।
- सीएनजी जैसे वैकल्पिक ईंधन का उपयोग।
- जल पुनर्चक्रण और वर्षा जल संचयन जैसे उपायों के माध्यम से जल उपयोग दक्षता में सुधार करना।
- कार्बन सिंक बढ़ाने के लिए रेलवे भूमि पर वनरोपण।
- बीजी कोचों के पूरे बेड़े में जैव शौचालय की स्थापना।
- औद्योगिक इकाइयों, रेलवे स्टेशनों और अन्य रेलवे प्रतिष्ठानों का ग्रीन सर्टिफिकेशन।
- पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली (ईएमएस): रेलवे स्टेशनों का आईएसओ 14001 प्रमाणन।
- सीपीसीबी से रेलवे स्टेशनों के लिए संचालन की सहमति (सीटीओ)/स्थापना की सहमति (सीटीई)।
- ठोस अपशिष्ट प्रबंधन।

बर्लिन में 1 जून 2022 को एक भव्य समारोह में भारतीय रेल को 'जीरो-कार्बन टेक्नोलॉजी के सर्वश्रेष्ठ उपयोग' की श्रेणी में सीधे 25 केवी एसी ट्रैक्शन सिस्टम को सौर ऊर्जा प्रदान करने के लिए यूआईसी इंटरनेशनल सस्टेनेबल रेलवे अवॉर्ड्स (आईएसआरए) से सम्मानित किया गया है।



भारत गौरव ट्रेन की पहली सेवा
कोयंबटूर उत्तर से साईंनगर शिर्डी तक शुरू

- *भारत गौरव ट्रेन घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 'देखो अपना देश' के तहत केंद्र सरकार की पहल हैं।*
- *यह सेवा पंजीकृत सेवा प्रदाता द्वारा 5 दिन के यात्रा कार्यक्रम के लिए पेश की गई है, जिसमें कोयंबटूर से शिर्डी तक आने-जाने की पूरी यात्रा शामिल है।*
- *इसमें पंजीकृत सेवा प्रदाता पर्यटकों को वातानुकूलित आवास, बस परिवहन, विशेष दर्शन व्यवस्था और पर्यटक गाइड सहित सभी सुविधाओं वाले पैकेज की पेशकश करता है।*
- *दक्षिण रेलवे को ₹3.34 करोड़ का वार्षिक निर्धारित राजस्व प्राप्त होगा।*



थीम आधारित भारत गौरव ट्रेन की पहली सेवा ने 14 जून, 2022 को कोयंबटूर उत्तर से साईंनगर शिर्डी तक अपनी यात्रा की शुरुआत की। इस अवसर पर श्री गौतम श्रीनिवास, डीआरएम, सेलम डिविजन, श्री आर सेंथिल कुमार, मुख्य वाणिज्यिक प्रबंधक/यात्री सेवा दक्षिण रेलवे, श्री हरि कृष्णन, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, सेलम मंडल, साउथ स्टार रेल परियोजना के विभिन्न वरिष्ठ अधिकारी, दक्षिण रेलवे और सेलम डिविजन के अन्य अधिकारी भी शामिल थे। इससे दक्षिण रेलवे भारतीय रेल का ऐसा पहला मंडल बन गया है, जिसने 'भारत गौरव' योजना के तहत पहला पंजीकृत सेवा प्रदाता प्राप्त किया है और उसने कोयंबटूर उत्तर से साईंनगर शिर्डी तक पहली सेवा का संचालन शुरू किया है। इस पहली राउंड ट्रिप सेवा में 14 जून, 2022 को कोयंबटूर से शिर्डी के लिए 1100 यात्री सवार हुए।

कोयंबटूर उत्तर-साईंनगर शिर्डी-कोयंबटूर उत्तर भारत गौरव ट्रेन

भारत गौरव ट्रेन कोयंबटूर उत्तर से साईंनगर शिर्डी के लिए (14 जून, 2022 मंगलवार) को 18:00 बजे शुरू हुई और 16 जून, 2022 (गुरुवार) को 07:25 बजे साईंनगर शिर्डी पहुंची। इसके तिरुपुर, इरोड, सेलम, येलहंका, धर्मावरम, मंत्रालयम रोड और वाडी स्टॉपेज होंगे। कोयंबटूर से आगे की यात्रा के दौरान यह भारत गौरव ट्रेन मंत्रालयम रोड स्टेशन पर 5 घंटे रुकी, ताकि यात्री मंत्रालयम मंदिर में दर्शन कर सकें।

वापसी में यह ट्रेन साईंनगर शिर्डी से कोयंबटूर उत्तर के लिए 17 जून, 2022 (शुक्रवार) को सुबह 07:25 बजे चली और 18 जून, 2022 (शनिवार) को दोपहर 12:00 बजे कोयंबटूर उत्तर पहुंची। इसके वाडी, धर्मावरम, येलहंका, सेलम, इरोड और तिरुपुर में स्टॉपेज था।

संरचना: फर्स्ट एसी कोच-1, 2-टियर एसी कोच-3, 3-टियर एसी कोच-8, स्लीपर क्लास कोचेज-5, पेंट्री कार-1 और लगेज-कम-ब्रेक वैन-2. (कुल-20 कोच)

पंजीकृत सेवा प्रदाता

साउथ स्टार रेल पंजीकृत सेवा प्रदाता है, जो इस भारत गौरव ट्रेन को कोयंबटूर से शिर्डी और वापसी यात्रा का संचालन करता है। यह कोयंबटूर स्थित कंपनी पंजीकृत कंपनी है और यह कोंगलोमिरेट

समूह-फ्यूचर गेमिंग एंड होटल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड का हिस्सा है। सेवा प्रदाता कंपनी ने दक्षिण रेलवे को 20 कोचों की संरचना वाले रेक के लिए सुरक्षा राशि के रूप में ₹1 करोड़ का भुगतान किया है। इसके अलावा, कंपनी ने वार्षिक अधिकार शुल्क के लिए ₹27.79 लाख और त्रैमासिक निश्चित ढुलाई शुल्क के लिए ₹76.77 लाख का भुगतान किया है। इसके अलावा, परिवर्तनीय ढुलाई प्रभारों के लिए मौजूदा राउंड ट्रिप के लिए ₹38.22 लाख भी जमा किए गए हैं। ये सभी प्रभार जीएसटी के अलावा हैं।

इस भारत गौरव ट्रेन के संचालन से दक्षिण रेलवे को कुल ₹3.34 करोड़ प्रतिवर्ष का राजस्व प्राप्त होगा अर्थात् वार्षिक उपयोग का अधिकार शुल्क 27.79 लाख रूप (जीएसटी के अलावा) और ₹3.07 करोड़ निर्धारित ढुलाई के रूप में प्रतिवर्ष प्राप्त होंगे। इसके अलावा परिवर्तनीय कंपनी ने ढुलाई प्रभार के ₹38.22 लाख (जीएसटी को छोड़कर) कोयंबटूर से साईनगर, शिर्डी और वापसी की 5 दिन की यात्रा के लिए दक्षिण रेलवे को प्राप्त होंगे। इसी प्रकार यात्रा कार्यक्रम के आधार पर प्रत्येक यात्रा के लिए परिवर्तनीय शुल्क भी लिया जाएगा।

पंजीकृत सेवा प्रदाता ने डिब्बों की आंतरिक सजा का नवीनीकरण किया है और सारे डिब्बों में चौबीसों घंटे सफाई कर्मचारियों और सेवा प्रदान करने वाले पेशेवरों की पूरी टीम यात्रियों को अच्छा अनुभव प्रदान करने के लिए तैनात की जाएगी। नियमित संचार, भक्ति गीत और मंत्रों के वादन के लिए सभी डिब्बों में सार्वजिक संबोधन प्रणाली उपलब्ध कराई गई है। इसके अलावा सेवाओं के विकल्प के रूप में परिवहन सेवाओं का विकल्प का प्रस्ताव रहेगा। पंजीकृत सेवा प्रदाता पैकेज किराए का भी प्रस्ताव करता है, जिसमें कोयंबटूर से शिर्डी आने और वापस जाने के लिए परिवहन वीआईपी दर्शन बस व्यवस्था वातानुकूलित आवास, टूर गाइड आदि की सुविधा शामिल है।

ट्रेन सेवा की अन्य विशेषताएं इस प्रकार हैं :

- किसी भी आपात स्थिति में देखभाल के लिए ट्रेन में एक डॉक्टर उपलब्ध होगा।
- ट्रेन यात्रियों की किसी भी प्रकार के नुकसान से बचाने के लिए रेलवे पुलिस बल के साथ निजी सुरक्षाकर्मी भी शामिल हैं।
- ट्रेन में इलेक्ट्रीशियन और एसी मैकेनिक और अग्नि और सुरक्षा कर्मचारी भी होंगे।
- ट्रेन का रखरखाव प्रतिष्ठित हाउसकीपिंग सेवा प्रदाताओं द्वारा किया जाता है, जो नियमित अंतराल पर उपयोग किए जाने वाले स्थानों की नियमित सफाई करेंगे और ट्रेन के कैटरर्स पारंपरिक शाकाहारी भोजन बनाने में अनुभवी और कुशल हैं।
- इन रेल के डिब्बों में हाई बास साउंडिंग स्पीकर और ऑन-रेल रेडियो जौकी लगे हैं। यात्रा को सुखद बनाए रखने के लिए भक्ति गीत, आध्यात्मिक कहानियां और लाइव इंटरव्यू होंगे। यह ट्रेन पूरी तरह टॉक्सिक और स्मॉक फ्री होगी।

भारत गौरव ट्रेन





भारतीय रेल ने नवंबर 2021 के महीने में थीम पर आधारित भारत गौरव ट्रेन का परिचालन शुरू किया था। इस थीम का उद्देश्य भारत गौरव ट्रेन के माध्यम से भारत और दुनिया के लोगों के लिए भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और शानदार ऐतिहासिक स्थानों का प्रदर्शन करना है। इस योजना का उद्देश्य भारत की विशाल पर्यटक क्षमता का पता लगाने के लिए थीम-आधारित ट्रेनें चलाने के लिए पर्यटन क्षेत्र के पेशेवरों की व्यापक पर्यटन क्षमता का लाभ उठाना भी है। वर्तमान में आईआरसीटीसी पहले से ही रेलवे में कई टूरिस्ट सर्किट ट्रेनें चला रहा है। इस नीति के लागू होने से दिनांक 01 अप्रैल, 2022 से सभी पर्यटक सर्किट ट्रेनों का संचालन इस नीति के तहत जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार किया जाएगा। यह भारत गौरव योजना अब पेशेवर अनुभव वाले और अधिक टूर ऑपरेटरों को जोड़ने में मदद करेगी और देश में पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा।

सर एम. विश्वेश्वरय्या टर्मिनल

वर्ष भर स्वास्थ्यप्रद जलवायु तथा अपनी सार्वदेशिक शहरी प्रकृति के चलते बेंगलुरू देश के कोने-कोने से नागरिकों का स्वागत करता है। भारत का यह 'सिलिकॉन नगर' विश्व के तीव्रतम विकासोन्मुख नगरों में एक है। नगर के दो वर्तमान जंक्शन स्टेशन (1) क्रांतिवीर सगोली रामान्ना स्टेशन (बेंगलुरू सिटी) तथा (2) यशवंत पुर स्टेशन यहाँ की रेल यातायात की आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। ये दोनों स्टेशन प्रतिदिन औसतन 164 एक्सप्रेस ट्रेनों के जोड़े तथा 100 सामान्य यात्री ट्रेनों के जोड़ों का संचालन करते हैं। तथा ये अधिक भीड़भाड़ वाले हो गए हैं। रेलगाड़ियों की संख्या अधिक बढ़ाए जाने पर इन दोनों स्टेशनों पर भीड़भाड़ बढ़ जाने के कारण यहाँ विलम्ब और रुकावटों जैसी सम्स्याएँ जन्म लेंगी।

बेंगलुरू/कर्नाटक की संपर्क संयोजन व यातायात की भावी आवश्यकताओं को पूरा करने की दृष्टि से यहाँ एक आधुनिक उच्च-तकनीक वाले रेलवे टर्मिनल की योजना बनाना अनिवार्य हो गया था। नगर में तीसरा रेलवे टर्मिनल बनाने के लिए भूमि की उपलब्धता तथा भविष्य में विस्तार की संभावनाओं के मद्देनज़र, पूर्वी बेंगलुरू में बैयाप्पनाहल्ली को उपयुक्त और आदर्श स्थान समझा गया।

आने वाले समय में यातायात सम्बन्धी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए क्षमता के विस्तार की वचनबद्धता को पूरा करने के अतिरिक्त सर विश्वेशरय्या टर्मिनल यात्रियों को दी जाने वाली सुविधाओं और साधनों का भी तल-चिन्ह (मानक) स्थापित करता है। हवाई अड्डे जैसा आधुनिक वास्तु-शिल्प, दिव्यांगजन हितैषी, पर्यावरण-अनुकूल खूबियाँ भारतीय रेल के इतिहास में सामान्यतया तथा विशेष रूप से स्टेशनों के विकास को परिभाषित करती हैं। ग्राहक के अनुभव, संतुष्टि व आनंद को नई ऊँचाइयों तक ले जाने के अतिरिक्त रेलवे स्टेशन को मात्र रेलगाड़ियों के आवागमन व नियंत्रण के स्थान से नगर में एक ऐसे नव काल्पनिक क्षेत्र के रूप में विकसित करना जहाँ यातायात वाणिज्य-व्यवसाय एक जगह मिल कर आर्थिक-सामाजिक विकास के क्रिया-कलापो की धुरी बन कर उभरें, निश्चित ही एक कालजयी परिवर्तन है।

इस स्टेशन की स्थापना वर्ष 2015-16 की रेलवे की 'पिंक बुक' में अनुमोदित दूरगामी रेलगाड़ियों के संचालन को सुगम करने के कर्नाटक की जनता की लंबित माँग के प्रस्ताव को पूरा करने तथा क्रांतिवीर साँगोली रायन स्टेशन व यशवंतपुर रेलवे स्टेशन को भीड़-भाड़ मुक्त करने के उद्देश्य से की गई है। यह टर्मिनल अब ₹314 करोड़ की पुनर्संशोधित लागत पर संचालन के लिए तैयार है। इस टर्मिनल की क्षमता 30 जोड़े रेलगाड़ियों के संचालन तथा एक लाख यांत्रियों की व्यवस्था संभालने की है।

इस स्टेशन का नामकरण सर एम. विश्वेश्वरय्या, एक ऐसे अभियन्ता-राजनेता-राष्ट्र निर्माता के नाम पर किया गया है, जिन्होंने देश के विकास और उन्नति में विशेषकर कर्नाटक के लिए अपना अमूल्य योगदान दिया है।



बैयप्पनहल्ली, बेंगलुरु

अत्याधुनिक सुविधाएँ तथा अन्य सुभीते

- स्टेशन भवन के 4,200 वर्ग मीटर के सामूहिक स्थान के ऊपर हवाई अड्डे जैसा भव्य छत (कैनोपी)।
- बेहतर रख-रखाव व सफाई के प्रावधानों सहित पूरी तरह से ढके हुए 600 मीटर लम्बे सीमेंट कंक्रीट के सात प्लेटफॉर्म।
- सभी प्लेटफॉर्म फुट ओवर ब्रिज तथा दो भूमिगत मार्गों से जुड़े हुए हैं। यात्रियों की सुविधा के लिए सीढ़ियों के अतिरिक्त लिफ्ट व विद्युत चालित सीढ़ियाँ। यह एक दिव्यांग मित्रवत् स्टेशन है।
- रिजर्व लॉन्ज, फूड-कोर्ट परिसर तथा महिला व पुरुष यात्रियों के लिए उच्च श्रेणी प्रतीक्षालय।
- 250 चार पहिया वाहनों, 900 दुपहियों, 50 ऑटो रिक्शा तथा 20 टैक्सी कैब के लिए पूर्णतः चिन्हित पार्किंग स्थान।
- नगर के महत्त्वपूर्ण स्थानों तक निर्बाध बहुविधि यातायात संपर्क प्रदान करने के लिए निर्दिष्ट 'बस बे'
- विस्तृत परिसंचारी क्षेत्र में सरुचिपूर्ण परिदृश्य।
- दक्ष जल प्रबंधन के लिए 'स्काडा प्रणाली द्वारा चार लाख लीटर क्षमता का जल पुनर्चक्रण संयत्र तथा वर्षा जल संचयन व्यवस्था।
- अत्याधुनिक स्टेशन रेल ऑपरेशन पैनल, तीन पिट लाइनें, 120 मीटर लम्बी पार्सल साइडिंग तथा आठ पार्किंग लाइनें (स्टेबल लाइनें)
- यार्ड में कुल 21 ट्रैक स्ट्रक्चर की लम्बाई 21टी.के.एम. के बराबर है
- 1,750 केवीए कॉमर्शियल लोड एवं 3,000 केवीए इंडस्ट्रियल लोड का विद्युत सब स्टेशन

हरित विशेषताएँ

- भारत की हरित भवन मूल्यांकन प्रणाली द्वारा 'गोल्ड' रेटिंग
- चार लाख लीटर प्रतिदन की जल पुनर्चक्रण क्षमता
- जल वितरण के लिए स्काडा प्रणाली
- वर्षा जल संचयन
- 100% एल.ई.डी. लाईटें
- पर्यावरण अनुकूल प्रशीतकों का उपयोग
- राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद् संस्था तथा कनाडा सुरक्षा परिषद् द्वारा 5/5 सुरक्षा अनुपालन मूल्यांकन



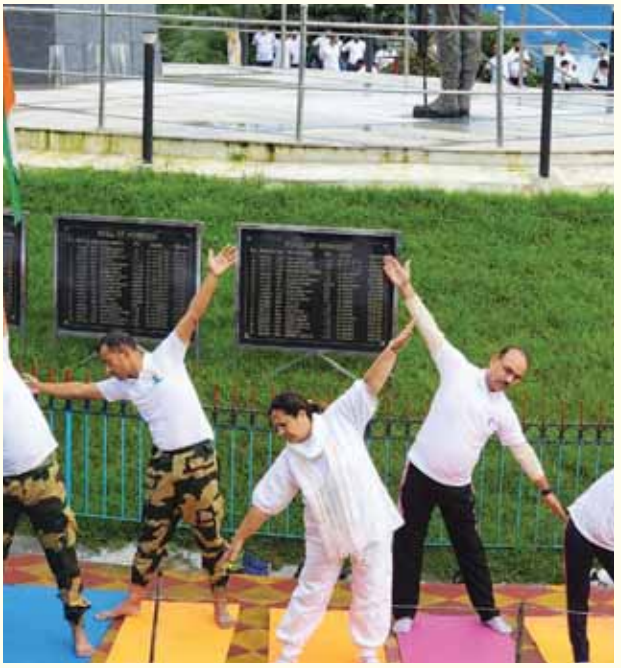
भारतीय रेल में मनाया गया
विश्व योग दिवस



आठवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर 21 जून को वैश्विक धरोहर के रूप में प्रसिद्ध कोणार्क के सूर्य मंदिर में इस वर्ष की थीम 'मानवता के लिए योग' को अपना कर योगाभ्यास करते हुए रेल, संचार और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव



स्वास्थ्य के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए गुजरात के दीव द्वीप में योग दिवस पर युवाओं के साथ योग करते हुए श्री रावसाहेब पाटिल दानवे रेल, कोयला एवं खान राज्य मंत्री



दार्जिलिंग रेलवे के विश्व प्रसिद्ध बतसिया लूप पर महाप्रबंधक पूर्वोत्तर सीमा रेलवे, स्कूली बच्चों, सीआईएसएफ, सीआरपीएफ, के जवानों एवं रेलकर्मियों के साथ योगाभ्यास करती हुईं रेल और कपड़ा राज्य मंत्री श्रीमती दर्शना जरदोश

मध्य रेल



विश्व धरोहर छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस पर मध्य रेल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ 'योग दिवस' पर योगाभ्यास करते हुए मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री अनिल कुमार लाहोटी

उत्तर रेलवे

'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' पर रेलवे के करनैल सिंह स्टेडियम, नई दिल्ली में योग सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड श्री वी.के. त्रिपाठी, बोर्ड के अन्य सदस्य एवं महाप्रबंधक, उत्तर रेलवे समेत बड़ी संख्या में अधिकारियों, खिलाड़ियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर अन्य मंडल भी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े



उत्तर मध्य रेलवे



उत्तर मध्य रेलवे में 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' का आयोजन सभी कार्यालयों, रनिंग रूमों, क्लबों और स्टेशनों पर किया गया। इस अवसर पर उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय प्रांगण में आयोजित योग शिविर में महाप्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे श्री प्रमोद कुमार, अध्यक्षा उत्तर मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन श्रीमती पूनम कुमार, अपर महाप्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे श्री रंजन यादव सहित अनेक अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने योगाभ्यास किया

दक्षिण रेलवे

'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' पर दक्षिण रेलवे मुख्यालय, मंडलों एवं अन्य रेल इकाइयों में योग सत्र आयोजित किया गया। मुख्यालय में आयोजित योग सत्र में वृक्षासन करते हुए महाप्रबंधक दक्षिण रेलवे श्री बी.जी. माल्लया एवं अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी



दक्षिण मध्य रेलवे



दक्षिण मध्य रेलवे के इंडोर स्टेडियम रेलवे खेलकूद परिसर, सिकंदराबाद में आयोजित 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' सत्र में दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक श्री अरुण कुमार जैन ने भाग लेकर रेलकर्मियों को प्रोत्साहित किया

दक्षिण पूर्व रेलवे

दक्षिण पूर्व रेलवे पर 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस-2022' 'मानवता के लिए योग' थीम पर आयोजित किया गया, जिसमें सुश्री अर्चना जोशी, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व रेलवे ने श्री अतुल्य सिन्हा, अपर महाप्रबंधक, डॉ. महुआ वर्मा, प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों तथा कर्मचारियों के साथ योगाभ्यास किया



रेल कोच फैक्ट्री



रेल कोच फैक्टरी,कपूरथला में 8वां 'अर्न्तराष्ट्रीय योग दिवस' बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर महाप्रबन्धक आर सी एफ, श्री अशेष अग्रवाल, अध्यक्षा आरसीएफ महिला कल्याण संगठन, श्रीमती सुरभि अग्रवाल एवं अन्य अधिकारियों ने योग आचार्य श्री करण सिंह के नेतृत्व में योगाभ्यास किया

डीएफसीसीआईएल

डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कार्पोरेशन ऑफ इंडिया लि. के मुख्यालय एवं क्षेत्रीय इकाइयों में 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस-2022' बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मुख्यालय में योगाभ्यास करते हुए प्रबंध निदेशक श्री रविन्द्र कुमार जैन एवं अन्य अधिकारी एवं रेल कर्मचारी



आप सबका **भारतीय रेल** के साथ अटूट रिश्ता है

भारतीय रेल के साथ आप अपने संस्मरण, यात्रा वृत्तांत, गीत, लेख आदि हिन्दी में हमें भेज सकते हैं। पसंद आने पर रचनाओं को हम रेल मंत्रालय की आधिकारिक मासिक पत्रिका

भारतीय रेल

में प्रकाशित करेंगे

ईमेल editorbhartiyarailrb@gmail.com

चयनित सामग्री लेख की जानकारी ईमेल से दी जाएगी,
प्रकाशित रचनाओं के लिए रेल मंत्रालय द्वारा निर्धारित मानदेय भी दिया जाएगा

शर्तें लागू

रेल मंत्री की पहल : मरुप्रदेश में जलापूर्ति के लिए
रेलवे द्वारा वॉटर स्पेशल ट्रेन की 100वीं ट्रिप का संचालन

राजस्थान राज्य में बहुत-से क्षेत्र ऐसे है जहाँ पर गर्मियों के दौरान पानी की किल्लत प्रारम्भ हो जाती है, राजस्थान का पाली जिला विगत कई दशकों से पानी की समस्या से जूझ रहा है। इसका प्रमुख कारण इस क्षेत्र में भूमि जल स्तर का बहुत अधिक नीचे चला जाना अथवा बिल्कुल खत्म हो जाना है।

रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव की पहल एवं प्रयास से पाली के लिए भारतीय रेल ने वॉटर स्पेशल ट्रेन का संचालन प्रारंभ किया है। उन्होंने पानी की समस्या खत्म होने तक इस तरह की वॉटर स्पेशल गाड़ियाँ चलाने के निर्देश भी प्रदान किए हैं। पानी की कमी के कारण इस क्षेत्र के निवासियों तथा औद्योगिक इकाइयों के सामने संकट उत्पन्न हो गया था। पश्चिम राजस्थान में इस वर्ष अप्रैल माह से ही 45 डिग्री से अधिक तापमान होने के कारण पानी की किल्लत होने लग गई तथा इस तपती गर्मी में पानी की समस्या ने जनजीवन को बहुत अधिक प्रभावित किया। राजस्थान में मानसून का आगमन जून माह के अन्त में होता है। तब तक इस क्षेत्र में पानी की आपूर्ति करना चुनौतीपूर्ण कार्य है। परिस्थितियों को ध्यान में रखकर उत्तर पश्चिम रेलवे ने अपने ओर से उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग कर जल परिवहन के लिए वॉटर ट्रेन का संचालन किया ताकि पेयजल की समस्या के कारण लोगों को इधर-उधर पलायन न करना पड़े। इन क्षेत्रों में जल परिवहन पर विशेष ध्यान केन्द्रित कर वॉटर ट्रेनों के माध्यम से जलापूर्ति की जा रही है। राजस्थान के किसी भी क्षेत्र में पेयजल की समस्या होने पर रेलवे ने आगे बढ़कर उन क्षेत्रों के लिए जलापूर्ति में सहयोग प्रदान किया गया है। इसी कड़ी में इस वर्ष पाली जिले में पेयजल संकट को देखते हुए जोधपुर के उपनगरीय स्टेशन भगत की कोठी से पाली के लिए वॉटर स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है।

वर्तमान में रेलवे द्वारा भगत की कोठी से पाली के लिए वॉटर स्पेशल ट्रेन के 2 रैक उपलब्ध करवाए गए हैं, जिनके प्रतिदिन औसतन 3 फेरे हो रहे हैं तथा प्रत्येक फेरे में 20 लाख लीटर पानी का परिवहन किया जा रहा है। वॉटर ट्रेन के संचालन के लिए राज्य सरकार द्वारा रेलवे को ₹3.24 लाख प्रति फेरा राजस्व प्रदान किया जा रहा है।

वॉटर स्पेशल ट्रेन के सुचारू संचालन के लिए रैक का अनुरक्षण व सफाई सम्बन्धी कार्य कोटा वर्कशॉप में करवाया गया। भगत की कोठी स्टेशन पर हाईड्रेट की रिपेयर सम्बन्धी कार्य पीएचईडी द्वारा किया गया। इसके साथ ही पानी भरने की क्षमता 40 वैगन तक की गई।

27 मई, 2022 से अब तक रेलवे द्वारा पाली के लिए लगभग 20 करोड़ लीटर पेयजल परिवहन किया गया है। वॉटर ट्रेन की 100 वीं ट्रिप का संचालन किया गया।



अखिल रेल हिंदी निबंध, वाक्, टिप्पण एवं प्रारूप लेखन प्रतियोगिता 2021 संपन्न



श्री वरुण कुमार, निदेशक, एवं श्रीमती नीरू पटनी, संयुक्त निदेशक, राजभाषा की उपस्थिति में दीप प्रज्ज्वलित कर अखिल रेल हिंदी निबंध, हिंदी वाक् तथा हिंदी टिप्पण एवं प्रारूप लेखन प्रतियोगिताओं का शुभारंभ करती हुईं क्षेत्रीय रेल प्रशिक्षण संस्थान, उदयपुर की प्राचार्या श्रीमती मैत्रेयी चारण

रेल कार्यालयों में हिंदी के प्रयोग-प्रसार को बढ़ावा देने तथा कर्मचारियों में हिंदी में काम करने की रूचि उत्पन्न करने हेतु रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) प्रतिवर्ष अखिल रेल स्तर पर हिंदी निबंध, हिंदी वाक् तथा हिंदी टिप्पण एवं प्रारूप लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन करता है।

उल्लेखनीय है कि क्षेत्रीय रेल स्तर पर भी ऐसी ही प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। उन प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान पाने वाले प्रतियोगियों को अखिल रेल स्तर पर आयोजित इस प्रतियोगितामें भाग लेने का अवसर मिलता है। जाहिर है, इससे अखिल रेल स्तर पर हिंदी निबंध, हिंदी वाक् तथा हिंदी टिप्पण एवं प्रारूप लेखन प्रतियोगिताओं का स्तर काफी उच्च हो जाता है।

वर्ष 2021 की इन प्रतियोगिताओं का आयोजन 25 से 27 मई, 2022 तक क्षेत्रीय रेल प्रशिक्षण संस्थान, उदयपुर, उत्तर पश्चिम रेलवे में किया गया।

प्रतियोगिताओं का उद्घाटन क्षेत्रीय रेल प्रशिक्षण संस्थान, उदयपुर की प्राचार्या श्रीमती मैत्रेयी चारण ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर निदेशक (राजभाषा), संयुक्त निदेशक (राजभाषा), उप निदेशक (राजभाषा) तथा उत्तर पश्चिम रेलवे के वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी के साथ-साथ अन्य अधिकारी एवं कर्मचारीगण तथा विभिन्न रेल अंचलों से आए प्रतिभागीगण भी उपस्थिति थे।

हिंदी निबंध प्रतियोगिता के लिए प्रतिभागियों को दो विषय 'आजादी का अमृत महोत्सव: भारतीय रेल की भूमिका' तथा 'राष्ट्रीय एकता में हिंदी भाषा और भारतीय रेल की भूमिका' दिए गए, जिसमें से प्रतिभागियों ने अपनी इच्छानुसार किसी एक विषय पर अपने विचारों को कलमबद्ध किया। इस प्रतियोगिता में कुल 24 रेलकर्मियों ने भाग लिया।

25 मई को हिंदी टिप्पण एवं प्रारूप लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 22 रेलकर्मियों ने भाग लिया। 26 मई, 2022 को वाक् प्रतियोगिता के लिए प्रतिभागियों को दो विषय-'बदलता भारत: नई आशाएं, नई चुनौतियां' और 'हिंदी: कल आज और कल' दिए गए थे। इसमें कुल 23 कर्मचारियों ने भाग लिया।

27 मई, 2022 को पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उत्तर पश्चिम रेलवे के प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबंधक एवं मुख्य राजभाषा अधिकारी श्री प्रणय प्रभाकर मुख्य अतिथि के रूप में, क्षेत्रीय रेल प्रशिक्षण संस्थान, उदयपुर की प्राचार्या श्रीमती मैत्रेयी चारण सम्माननीय अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता निदेशक (राजभाषा) डॉ बरुण कुमार ने की। मुख्य अतिथि द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं के पुरस्कार विजेताओं को नकद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।



प्रतियोगिता में भाग लेते हुए रेलकर्मी

पूर्व रेलवे ने हासिल किया शत-प्रतिशत विद्युतीकरण का दर्जा



पूर्व रेलवे ने रेलवे संरक्षा आयुक्त द्वारा हँसडीहा-गोड्डा सेक्शन के सफल निरीक्षण के पूरा करने के साथ-साथ दिनांक 25 मई, 2022 को 100% विद्युतीकरण पूरा करने की असाधारण उपलब्धि हासिल की है। हँसडीहा-गोड्डा सेक्शन में 41 ट्रैक किमी एवं 32 रूट किमी है। रेलवे संरक्षा आयुक्त द्वारा 103 किमी प्रति घंटे की गति से परीक्षण किया गया जबकि इस सेक्शन की अनुभागीय गति 90 किमी प्रति घंटे की है।

हावड़ा, सियालदह, आसनसोल और मालदा मंडलों में विस्तृत, पूर्व रेलवे का कुल विस्तार 2,848 रूट किमी है, जिसमें हावड़ा मंडल में 889 रूट किमी, सियालदह में 719 रूट किमी, आसनसोल में 690 रूट किमी और मालदा में 550 रूट किमी शामिल है।

तीसरी लाइन को जोड़ते हुए बर्द्धमान की ओर से बैण्डेल जंक्शन पर अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग की शुरुआत

बैण्डेल-मगरा तीसरी लाइन सह बैण्डेल में इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग को चालू करने के लिए इंटरलॉकिंग खोलने का काम 30 मई, 2022 को पूरा हुआ। यह कार्य 27 मई, 2022 को 15 बजे से आरंभ हुआ और 30 मई, 2022 को 15:00 घण्टे के निर्धारित समय से बहुत पहले उसी दिन 1.20 बजे पूरा हो गया। 699 किमी विस्तृत बैण्डेल-मगरा तीसरी लाइन एक अत्यधिक जटिल परियोजना है। बैण्डेल-मगरा के बीच तीसरी लाइन का काम पूरा



हो जाने से हावड़ा-बर्द्धमान मेन लाइन पर गतिशीलता में वृद्धि के साथ-साथ बैण्डेल से बैंची तक निर्बाध आवाजाही का प्रावधान भी होगा।

महाप्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे ने संरक्षा जागरूकता के लिए रवाना की मोबाइल वीडियो वैन

'अंतरराष्ट्रीय रेल समपार जागरूकता दिवस' (ILCAD) के अवसर पर महाप्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे श्री प्रमोद कुमार ने अपर महाप्रबंधक श्री रंजन यादव और अन्य अधिकारियों के साथ समपारों के बारे में संरक्षा जागरूकता प्रसारित करने के लिए एक मोबाइल वीडियो वैन को हरी झंडी दिखाकर उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय से रवाना किया। अगले 35 दिनों के दौरान यह मोबाइल वैन सड़क उपयोगकर्ताओं को समपार संबंधी सुरक्षा सावधानियों के बारे में शिक्षित करने के लिए उत्तर मध्य रेलवे के 3 मंडलों में विभिन्न महत्त्वपूर्ण स्थानों को कवर करेगी। टीवी और ऑडिया-विजुअल सिस्टम वाली यह मोबाइल वैन स्कूलों, लेवल क्रॉसिंगों, गांवों, पंचायतों, तहसीलों, आसपास के बाजारों आदि को कवर करेगी। वैन में जागरूकता प्रसारण के लिए कई लघु फिल्में बनाई गई हैं, जिनमें 'लेवल क्रॉसिंगों को



सावधानी से कैसे पास करें' एवं अन्य सावधानियों के बारे में जानकारी दी गई है।



पूर्वोत्तर में रेलवे की बुनियादी ढांचे को बढ़ावा प्रदान करने वाली आधुनिक परियोजनाएं

सरकार ने पूर्वोत्तर में रेल संपर्क को बेहतर बनाने के लिए अपना भरपूर प्रयास किया है। देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र को पिछले आठ वर्षों (2014-2022) में रेलवे क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को महत्त्वपूर्ण बढ़ावा मिला है। वर्ष 2014 और 2022 के बीच, कुल 893.82 किमी ट्रैक को ब्रॉड गेज में परिवर्तित किया गया है, 386.84 किमी नई लाइनें बिछाई गईं, 356.41 किमी लाइन का दोहरीकरण हुआ और 1,578 किमी नई लाइनों का सर्वेक्षण पूरा किया गया। असम, त्रिपुरा और अरुणाचल प्रदेश की राजधानियों से पहले से ही ब्रॉड गेज लाइनों से जुड़ा है। शेष राज्यों की राजधानियों को जोड़ने और क्षेत्र में रेल लाइन क्षमता बढ़ाने की दृष्टि से, पूर्वोत्तर राज्यों में ₹51,787 करोड़ की राशि का आवंटन किया गया है। पिछले आठ वर्षों में क्षेत्र के लिए प्रति वर्ष औसत निधि आवंटन 2009-14 की वार्षिक औसत निधि आवंटन से 254% अधिक है।

ब्रॉड गेज रेल लाइन बिछाने का कार्य उर्ध्वमुखी वक्र की तरह दिखा है। 1,641 किमी की 21 नई लाइन परियोजनाएं, 1,209 किमी की 10 दोहरीकरण लाइन परियोजनाएं और 419.37 किमी की 06 नई लाइनों की राष्ट्रीय परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं। इन परियोजनाओं को पूरा करने के लिए क्षेत्र में ₹95,261.65 करोड़ के निवेश की उम्मीद है। इन परियोजनाओं ने स्थानीय लोगों के लाभकारी रोजगार के लिए इस क्षेत्र में बड़ी संख्या में नौकरी पेशा का सृजन किया है और इस क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य को भी बदला है।

2018 में बोगीबील ब्रिज का चालू होना इस क्षेत्र के लिए गर्व का क्षण था। इस सबसे लंबे रेल-सह-सड़क पुल ने ऊपरी असम से दिल्ली यात्रा की दूरी को 170 किमी कम कर दिया और ऊपरी असम में विशाल ब्रह्मपुत्र पर रेल संपर्क के लिए लंबे समय से रणनीतिक आवश्यकता को पूरा किया। मणिपुर, मिजोरम और मेघालय की राज्य राजधानियाँ 2023 तक ब्रॉड गेज से जुड़ने की उम्मीद है और नागालैंड की राज्य राजधानी कोहिमा के 2026 तक जुड़ने की उम्मीद है।

नई लाइन और दोहरीकरण कार्यों के अलावा क्षेत्र में रेल संरक्षा में भी वृद्धि के प्रयास किए गए हैं। पू. सी. रेल ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में सभी मानव रहित समपार फाटकों को समाप्त कर दिया है। पूर्वोत्तर की 40 जोड़ी ट्रेनों में सुरक्षित, अधिक विश्वसनीय और अधिक आरामदायक एलएचबी कोच लगाए गए हैं।

257 स्टेशनों पर दिव्यांग शौचालय, 15 स्टेशनों में लिफ्ट और 9 स्टेशनों में एस्केलेटर उपलब्ध कराकर पिछले आठ वर्षों में रेलवे प्रणाली को यात्री अनुकूल बनाया गया है। इसके अलावा, सभी मनोनीत स्टेशनों पर निःशुल्क हाई स्पीड वाई-फाई की सुविधा प्रदान की गयी है।

सरकार का दृढ़ विश्वास है कि पूर्वोत्तर क्षेत्र भारत का नया विकास इंजन बनेगा और इसे साकार करने की दिशा में अपना कार्य कर रही है।



भारती
पत्रिका की ऑनलाइन सदस्यत

STEP 1

ऑनलाइन सदस्यता हेतु **www.irctc.co.in** पर जाएं।

इस पेज के **विज्ञापन** (Promotions) पर जाएं।

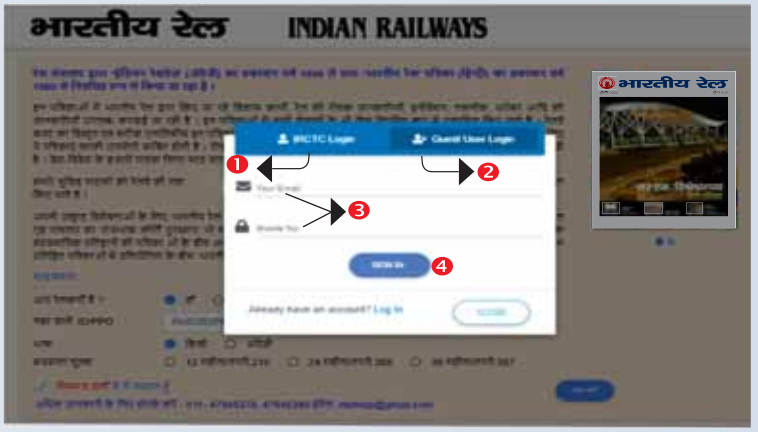
आप सीधे www.irctctourism.com/ IRBRmag/#/home/hn पर भी जा सकते हैं।



❸ **'भारतीय रेल पत्रिका'** पर क्लिक करें।

STEP 3

❶ इस बॉक्स में यदि आप के पास आईआरसीटीसी का लॉग-इन, पासवर्ड है तो उसका उपयोग करें।

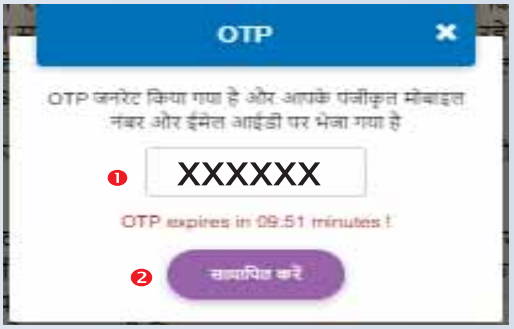


❷ लॉग-इन आईडी नहीं है तो गेस्ट लॉग-इन पर क्लिक करें।

❸ उसमें अपना ई-मेल तथा मोबाइल नंबर दर्ज करें।

❹ सबमिट बटन दबाएँ।

STEP 5



❶ आपके पंजीकृत मोबाइल एवं ई-मेल पर आए ओटीपी को बॉक्स में दर्ज करें एवं

❷ सत्यापित करें

STEP 6



❶ पेमेंट मोड (कार्ड, नेट बैंकिंग, यूपीआई, वॉलेट, इंटरनेशनल कार्ड तथा आईपे) एवं

❷ पेमेंट गेट-वे का ऑप्शन पसंद करें

❸ मेक पेमेंट का बटन दबाएं

ीय रेल
ना प्राप्त करने की सरल प्रक्रिया

STEP 2

❶ यदि आप रेलकर्मी हैं तो 'हां' पर या रेलकर्मी नहीं हैं तो 'नहीं' पर क्लिक करें।

❷ यदी 'हां' तो बॉक्स में अपना आरयूआईडी/ आईडी/पीपीओ नंबर तथा एक आधिकारिक आईडी की स्कैन कॉपी अपलोड करें।

❸ 'भारतीय रेल' पत्रिका के लिए 'हिंदी' को और 'इंडियन रेलवेज' पत्रिका के लिए 'अंग्रेजी' में क्लिक करें।

❹ एक, दो या तीन यानि जितने साल की सदस्यता चाहते हैं, उस बिन्दु पर क्लिक करें।



❺ नियम व शर्तों पर क्लिक करें तथा उसे ध्यान से पढ़ लें। यदि सहमत हों तो बॉक्स में टिक मार्क करें।

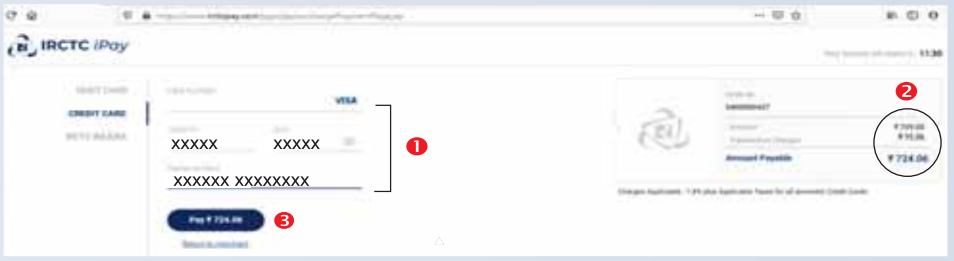
STEP 4

❶ अपना पूरा पता पिन कोड के साथ दर्ज करें



❷ सबमिट बटन दबाएँ।

STEP 7



❶ पेमेंट मोड की डीटेल भरें
❷ पेमेंट एमाउंट की जानकारी देखें।
❸ संतुष्ट होने पर ही 'पे' बटन को दबाएं।
➲ बैंक ओटीपी की प्रक्रिया पूर्ण होने पर पेमेंट सक्सेस फुल का मैसेज स्क्रीन पर दिखाई देगा।

कृपया ध्यान दें

- पेमेंट के समय नियमानुसार ट्रांजेक्शन शुल्क लगते हैं, कृपया पेमेंट करते समय देख लें।
- पेमेंट की प्रक्रिया पूर्ण होने पर आपको सदस्यता संबंधित जानकारी का एस.एम.एस. तथा मेल प्राप्त होगा।
- पेमेंट प्राप्त होते ही निर्धारित माह से आपको पत्रिका प्राप्त होनी शुरू हो जाएगी।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें - 011- 47845378, 47845380 ईमेल: irbrhelp@gmail.com

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे द्वारा पूर्वोत्तर के विभिन्न राज्यों की राजधानियों को जोड़ने वाली और अंतरराष्ट्रीय कनेक्टिविटी परियोजनाएं क्रियान्वित

पूर्वोत्तर में रेल संपर्क का विस्तार वर्तमान केन्द्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। कार्यसूची पर कार्य करते हुए, पू. सी. रेल ने अपने अधिकार क्षेत्र के तहत विभिन्न राज्य की राजधानियों और अंतरराष्ट्रीय कनेक्टिविटी नई लाइन परियोजनाओं को शुरू किया है। बृहत सामाजिक-आर्थिक प्रभाव को केंद्रित कर नई लाइनें औद्योगिक विकास के लिए बुनियादी ढांचे को सहायता प्रदान करेंगी। यह राज्यों की राजधानियों के लिए एक सीधा ब्रॉड गेज मार्ग प्रदान करेगा, जो क्षेत्रों के आर्थिक विकास को बढ़ावा देगी।

कई नई लाइनें और दोहरीकरण परियोजनाएं हैं, जो वर्तमान में कार्यान्वयन के अधीन हैं। मणिपुर में जिरिबाम-इम्फाल नई लाइन परियोजनाओं की लंबाई 110.63 किमी है और अब तक 56.1 किमी पूरी की जा चुकी है। शेष 54.53 किमी को दिसंबर, 2023 तक पूरी करने का लक्ष्य रखा गया है। नागालैंड में डिमापुर-कोहिमा नई लाइन परियोजना की लंबाई 82.5 किमी है और अब तक 16.5 किमी पूरी की जा चुकी है। शेष 66 किमी को मार्च, 2026 तक पूरी करने का लक्ष्य रखा गया है। मेघालय में तेतेलिया-बिरनीहाट नई लाइन परियोजना की लंबाई 21.5 किमी है और अब तक 10.15 किमी पूरी की जा चुकी है। शेष 11.35 किमी को मार्च, 2024 तक पूरी करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अतिरिक्त सिक्किम में सेवक-रंगपो (44.96 किमी) नई लाइन परियोजना, मिजोरम में बइरबी-सैरांग (51.38 किमी) नई लाइन परियोजना और बिहार में अररिया-गलगलिया (110.75 किमी) नई लाइन परियोजना को दिसंबर, 2023 तक पूरी करने का लक्ष्य रखा गया है। अरुणाचल प्रदेश में मुरकंगसेलेक-पासीघाट (26.15 किमी) नई लाइन परियोजना को मार्च, 2025 तक पूरी करने का लक्ष्य है। इसके अतिरिक्त, न्यू बंगाईगाँव-कामाख्या वाया गोवालपारा 176.2 किमी लंबाई के दोहरीकरण कार्य में अब तक 45.63 किमी का पूरी हो चुका है। शेष 130.57 किमी को फरवरी, 2023 तक पूरी करने का लक्ष्य रखा गया है। 142.97 किमी लंबे न्यू बंगाईगाँव-आगियाठरी वाया रंगिया का दोहरीकरण फरवरी, 2023 तक पूरी करने का लक्ष्य रखा गया है।

इसके अलावा, पू. सी. रेल के क्षेत्राधिकार में विभिन्न अंतरराष्ट्रीय रेल कनेक्टिविटी परियोजनाएं हैं। अगरतला को बांग्लादेश से जोड़ने वाली अगरतला-अखौरा नई लाइन की लंबाई 12.03 किमी है और इसे दिसंबर, 2022 तक पूरी करने का लक्ष्य रखा गया है। बिहार में जोगबनी को नेपाल से जोड़ने वाली जोगबनी-विराट्नगर (18.6 किमी) और असम को बांग्लादेश से जोड़ने वाली महिषासन-जीरो प्वाइंट (2.7 किमी) नई लाइन को भी मार्च, 2023 तक पूरी करने का लक्ष्य है। पश्चिम बंगाल को बांग्लादेश से जोड़ने वाली बालुरघाट-हिलि (29 किमी) नई लाइन को मार्च, 2024 तक पूरी करने का लक्ष्य है।

इसके अलावा, लंका से चन्द्रनाथपुर तक नई लाइन के लिए अंतिम स्थान सर्वेक्षण भी स्वीकृत हो चुका है। यह लाइन लामडिंग-बदरपुर पहाड़ी खंड के वैकल्पिक मार्ग के रूप में कार्य करने के साथ एक दोहरीकरण लाइन के रूप में भी कार्य करेगी। इसके अलावा, त्रिपुरा और दक्षिण असम में दोहरीकरण के लिए सर्वेक्षण और भविष्य में क्रियान्वयन की योजना बनायी जा रही है। कोकराझार (असम में) और गेलेफू (भूटान में) के बीच एक नई सीमा पार लिंक का प्रारंभिक सर्वेक्षण भी स्वीकृत हो चुका है।

ये परियोजनाएं संबंधित क्षेत्रों के लोगों को बेहतर कनेक्टिविटी, क्षेत्र में छोटे पैमाने पर उद्योगों को विकसित करने और पर्यटन को बढ़ावा देने में सहयोग प्रदान करेगीं। पूर्वोत्तर में रेलवे अवसंरचना और कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने में पू. सी. रेल निरंतर योगदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।



ट्रेन चालकों ने जंगली हाथियों को बचाया



पू. सी. रेल के विभिन्न स्थानों में रेलवे ट्रैक के पास या इससे गुजरने वाले हाथियों के झुंड को देखते हुए सतर्क ट्रेन चालकों ने हाथियों को दुर्घटना से बचाने के लिए ट्रेन को नियंत्रित किया।

- 15767 अप सिलीगुड़ी जंक्शन-अलीपुरद्वार जंक्शन इंटरसिटी के लोको पायलट श्री आर. आर. कुमार और सहायक लोको पायलट श्री एस. कुंडू ने 11 मई, 2022 को 17:35 बजे गुलमा-सेवक के बीच अचानक एक जंगली हाथी को किमी 23/1 पर ट्रैक पार करते देखा। उन लोगों ने उसे बचाने के लिए ट्रेन की गति नियंत्रित करते हुए ब्रेक लगाया।
- अपने कर्तव्य के प्रति समर्पण के उच्च मानक स्थापित कर ट्रेन संख्या 15670 के लोको पायलट श्री त्रिदीप चेतिया और सहायक लोको पायलट श्री एन. के. शाह ने 18 मई, 2022 को मरियानी जंक्शन और नाकाचारी के बीच ट्रैक पार कर रहे हाथियों के एक झुंड की जान बचाने के लिए तत्पर बुद्धि का परिचय दिया। रेलवे का सौभाग्य है कि उसके पास ऐसा समर्पित कार्यबल है।
- 28 मई, 2022 को 18:00 बजे ट्रेन संख्या 15767 अप (सिलीगुड़ी जंक्शन-अलीपुरद्वार जंक्शन) के तत्पर लोको पायलट श्री जे. कुमार और सहायक लोको पायलट एस. कुंडू ने अचानक एक जंगली हाथी को गुलमा-सेवक के बीच किमी 19/5 पर ट्रैक पार करते देखा। वन्यजीवों को बचाने के लिए गति प्रतिबंध का पालन करते हुए ट्रेन की गति को सफलतापूर्वक नियंत्रित किया।

पू. सी. रेल के महाप्रबंधक ने आईआईटी/गुवाहाटी के निदेशक संग की बैठक



पू. सी. रेल के महाप्रबंधक श्री अंशुल गुप्ता और वरिष्ठ अधिकारियों ने 14 मई, 2022 को आईआईटी गुवाहाटी के निदेशक के साथ एक बैठक की और ट्रेन नियंत्रण, माल ढुलाई, सुरंग और पुल डिजाइन, निर्माण, उपकरणीय और डिजिटल ट्विन सिमुलेशन डिजाइन को अपग्रेड करके पू. सी. रेल की विस्तार योजना में उनकी भूमिका के बारे में चर्चा की।

यात्रियों की सुरक्षा में सुधार के लिए पू. सी. रेल की पहल

यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा में सुधार हेतु पू.सी. रेल मौजूदा पारंपरिक रेकों को एलएचबी डिजाइन रेकों में बदल रही है। वर्ष 2021-22 के दौरान पू. सी. रेल की 07 ट्रेनों के पारंपरिक रेकों को एलएचबी में परिवर्तित किया गया था। अब तक कुल 40 ट्रेनें एलएचबी में परिवर्तित होकर उच्च गति से दौड़ रही हैं एवं यात्रियों को अधिक आराम और सुरक्षा प्रदान कर रही हैं।

एलएचबी कोचों की हाइड्रोलिक शॉक एब्जॉर्वर और बेहतर सस्पेंशन सिस्टम प्रणाली पारंपरिक रेक की तुलना में अधिक आरामदायक होती है। एलएचबी



कोचों की एसी प्रणाली पुराने रेकों की तुलना में बेहतर है और इसे एक माइक्रो प्रोसेसर द्वारा नियंत्रित किया जाता है, जो गर्मियों के दौरान यात्रियों को बेहतर आराम देता है और सर्दियों के मौसम के दौरान सुविधाजनक बनाने के लिए एक हीटिंग यूनिट के साथ सक्षम भी किया गया है।

ट्रेनों में आग की रोकथाम की तकनीक को बढ़ावा देने के क्रम में, 378 गैर एसी कोचों में चोरी-रोधी व्यवस्था के साथ अग्निशमन यंत्र प्रणालियां प्रदान किये जाने के साथ ही ऐसे कोचों की संख्या 1,685 हो गई है। इसके अलावा, 22 एसी कोचों में फायर डिटेक्शन सिस्टम लगाया गया है, जो आग लगने पर अलार्म के साथ-साथ ट्रेन के ऑटो स्टॉपेज को सक्रिय करता है। अब कुल 1,685 गैर एसी कोच, 190 एसी कोच, 98 पॉवर कार और 38 पेंट्री कारों में आग की रोकथाम के लिए संरक्षा प्रावधान प्रदान किए गए हैं।

पू. सी. रेल और सीआईटी/कोकराझार के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

पू. सी. रेल ने 14 मई, 2022 को केंद्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (सीआईटी), कोकराझार के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया। इंजीनियरिंग अनुसंधान और डिजाइन में सहयोग के लिए इस समझौता ज्ञापन पर पू. सी. रेल के महाप्रबंधक श्री अंशुल गुप्ता और निदेशक/ सीआईटी की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए।



पू. सी. रेल ने सभी फंसे हुए यात्रियों को सकुशल निकाल दिखाया मानवीय रूप



लगातार खराब मौसम और लगातार बारिश के कारण लामडिंग मंडल के लामडिंग-बदरपुर पहाड़ी खंड में कई स्थानों पर भू-स्खलन और जल-जमाव हुआ, जो 15 मई, 2022 को बह गए थे। डिटकछड़ा स्टेशन पर फंसे लगभग 1600 रेल यात्रियों को बचाया गया और बदरपुर एवं सिलचर तक भेजा गया। ट्रेन संख्या 15615 के न्यू हाफलांग में फंसे यात्रियों को बसों द्वारा माईबांग स्टेशन ले जाया गया और 373 फंसे यात्रियों को माईबांग स्टेशन से गुवाहाटी के लिए रवाना किया गया। डिटकछड़ा स्टेशन पर फंसे करीब 571 और यात्रियों को भी बचाया गया। अंतिम निकासी स्पेशल किमी 135 पोस्ट से बदरपुर और सिलचर तक चलाई गई।

इसके साथ ही पूर्वोत्तर सीमा रेल ने सभी फंसे हुए यात्रियों को निकालने का काम सफलतापूर्वक पूरा कर लिया। स्थानीय प्रशासन, असम राइफल्स, भारतीय वायु सेना और गैर सरकारी संगठनों के साथ समन्वय और सभी प्रभावित स्टेशनों पर समन्वित प्रयासों से यह काम किया जा सका। इस वीरतापूर्ण प्रदर्शन के लिए विभिन्न विभागों के कर्मचारियों ने दिन-रात अपनी समर्पित सेवाएं प्रदान की हैं। पी-वे निरीक्षकों, स्टेशन मास्टरों, सहायक स्टेशन मास्टरों, ट्रॉलीमेन और सबसे महत्त्वपूर्ण रूप से साइट पर अधिकारियों द्वारा निर्देशित आरपीएफ कर्मियों के ऑन-साइट टीम के प्रयास ने कई यात्रियों की जान बचाई है।

रेलवे ने उनके लिए स्वच्छता और चिकित्सा सुविधा भी सुनिश्चित की। सभी फंसे हुए यात्रियों को नियमित रूप से भोजन और पेय जल उपलब्ध कराया। स्टेशन के कर्मचारियों ने अपनी रसोई से कुछ यात्रियों को भोजन उपलब्ध कराया, यद्यपि खुद उनके घरों में बाढ़ का पानी भर रहा था। दाओतुहाजा स्टेशन पर रेलवे कर्मचारियों ने बाढ़ के कारण स्टेशन परिसर में शरण ली। उन्हें भोजन और पानी उपलब्ध कराए गए। पू. सी. रेल ने प्रभावित यात्रियों के टिकट किराया की राशि वापस करने की भी व्यवस्था की।

इन फंसे हुए यात्रियों के लिए पू. सी. रेल ने रेलटेल के साथ इंटरनेट कनेक्टिविटी की उपलब्धता भी सुनिश्चित की। रेल प्रशासन ने इस कनेक्टिविटी सुविधा का उपयोग राहत और बचाव अभियान को भी प्रभावी ढंग से करने के लिए किया। यह डिमा हासाओ जिले के सभी स्टेशनों डिटकछड़ा, न्यू हारांगाजाओ और न्यू हाफलांग और पू. सी. रेल के लामडिंग मंडल के अधीन दामछड़ा स्टेशन पर प्रदान किया गया था।

पू. सी. रेल के लामडिंग मंडल ने होजाई जिले के बाढ़ प्रभावित लोगों के राहत और बचाव के लिए एक विशेष ट्रेन चलाई। होजाई-जमुनामुख खंड में रेलवे पटरियों के किनारे अस्थायी टेंट में आश्रय लिये बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए भोजन और आवश्यक सामग्री लेकर तीन डिब्बों वाली यह ट्रेन होजाई से जमुनामुख तक चली।

एक हजार से अधिक बाढ़ प्रभावित लोगों को भोजन और आवश्यक सामग्री वितरित करने के अलावा ट्रेन में सवार अधिकारियों की अंतर-विभागीय टीम भी 100 से अधिक लोगों को बचाने में सफल रही, जिनके घर बाढ़ में बह गए।

पूर्व तट रेलवे ने 'अंतरराष्ट्रीय समपार जागरुकता दिवस' मनाया

पूर्व तट रेलवे की ओर से 'अंतरराष्ट्रीय लेवल क्रॉसिंग जागरूकता दिवस' के अवसर पर नुक्कड़ नाटक सहित पोस्टर, पत्रक, विभिन्न लघु अवधि की फिल्मों/ विज्ञापनों आदि के वितरण आदि के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया।

पूर्व तट रेलवे संरक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने भुवनेश्वर में मुख्यालय और खोरधा रोड स्थित मंडल मुख्यालय से श्री रिंकेश रे, मंडल रेल प्रबंधक खोरधा रोड के नेतृत्व में 'अंतरराष्ट्रीय समपार जागरूकता दिवस' पर संरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन अरुगुल के निकट मानवयुक्त समपार फाटक पर किया। रेल मंत्री के निर्देशानुसार पूर्व तट रेलवे के अधिकार क्षेत्र से सभी मानव रहित समपार फाटकों को हटा दिया गया है।

इस अवसर पर खोरधा रोड डिविजन के सिविल डिफेंस स्वयंसेवकों द्वारा एक नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। लेवल क्रॉसिंग पर बातचीत करते समय बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में



सड़क उपयोगकर्ताओं को शिक्षित करने के लिए पत्रक वितरित किए गए तथा तख्तियां और बैनर प्रदर्शित किए गए।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक द्वारा वैगन रिपेयर शॉप का निरीक्षण

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक श्री आलोक कुमार ने 20 मई 2022 को वैगन रिपेयर शॉप (डब्ल्यू.आर.एस.) रायपुर एवं जनरल स्टोर डिपो (जी.एस.डी) का निरीक्षण किया। इस निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने सर्वप्रथम जी.एस.डी रायपुर का निरीक्षण किया। जनरल स्टोर डिपो के मुख्य सामग्री प्रबंधक श्री शिव शंकर लकड़ा द्वारा जनरल स्टोर डिपो के विभिन्न सेक्टरों में रखे सामग्री की व्यवस्थाओं, उनके आदान-प्रदान की व्यवस्था,



रख-रखाव की सावधानियां, अग्निशामक यंत्रों की व्यवस्थाओं के बारे में बताया गया। महाप्रबंधक श्री आलोक कुमार ने संजीवनी वाटिका का उद्घाटन किया।

इसके पश्चात् महाप्रबंधक आलोक कुमार ने वैगन रिपेयर शॉप, रायपुर का निरीक्षण किया और नवनिर्मित डीजल जनरेटर सेट, कंप्रेसर हॉउस, कार्ट्रिज टेपर रोलर बेयरिंग Cartridge Taper roller bearings (CTRB) सेक्शन का शुभारंभ किया। मुख्य कारखाना प्रबंधक, रायपुर श्री सुबोध चौधरी, की अगुआई में पूरे वैगन रिपेयर शॉप में मरम्मत होने वाली कार्यप्रणाली का बारीकी से जायजा लिया।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे एवं ओपीजीसी के मध्य एमओयू पर हस्ताक्षर



मनोहरपुर माइनिंग साइडिंग से ईब थर्मल पॉवर प्लांट तक 51 किमी मैरी गो राउंड के लिए के लिए 20 मई, 2022 को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मुख्यालय, बिलासपुर में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे एवं ओपीजीसी के मध्य रेलवे बोर्ड के फ्रेट सर्कुलर 2016 के तहत एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अपर महाप्रबंधक, प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबन्धक, मुख्य यात्री यातायात प्रबन्धक व अन्य अधिकारीगण तथा ओपीजीसी के अधिकारीगण उपस्थित थे।

इस एमओयू के अंतर्गत सभी आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर व रेल ट्रैक रेलवे मानक के अनुरूप ओपीजीसी के द्वारा उपलब्ध कराई जाएगी तथा रेलवे लोको, वैगन व ब्रेक वैन आदि की उपलब्धता रेलवे द्वारा सुनिश्चित की जाएगी।

सोलर एनर्जी डाइरेक्टली फीडिंग 25 के वी एसी ट्रैक्शन सिस्टम - बीना सोलर प्लांट को बर्लिन में मिला अंतरराष्ट्रीय सस्टेनेबल रेलवे अवॉर्ड

भारतीय रेल की सौर ऊर्जा पहल को अब अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भी सराहना और पुरस्कार भी मिल रहे हैं। 01 जून 2022 को जर्मनी के शहर बर्लिन में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सस्टेनेबल रेलवे अवॉर्ड्स के अंतर्गत भारतीय रेल के बीना सोलर प्लांट को प्लेनेट कैटेगरी की बेस्ट यूज़ ऑफ जीरो कार्बन टेक्नोलॉजी के अंतर्गत पुरस्कार हासिल हुआ है। बीना में सौर ऊर्जा से 25 एसी ट्रैक्शन सिस्टम को सीधे फीड करने के लिए यह पुरस्कार मिला है। यह पुरस्कार मिलना पश्चिम मध्य रेलवे के साथ-साथ सम्पूर्ण भारतीय रेल के लिए गौरव की बात है। पश्चिम मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री सुधीर कुमार गुप्ता ने रेलकर्मियों बधाई दी है।

यूआइसी इंटरनेशनल नाम की संस्था रेलवे सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय स्तर के कई पुरस्कार प्रदान करती है। बीना सोलर प्लांट में 1.7 मेगावॉट सोलर पॉवर प्लांट की क्षमता में 5,800 सोलर मॉड्यूल हैं। 1,015 पाइल फाउंडेशन का उपयोग करके मॉड्यूल माउंटिंग स्ट्रक्चर के 145 सेटों पर माउंट लगाए गए हैं तथा 400 वोल्ट एसी को स्टेपअप कर 25 केवी एसी में दो ट्रैक्शन ट्रांसफॉर्मर्स के द्वारा फीड किया जाता है।



पश्चिम मध्य रेल, महाप्रबंधक ने किया नवनिर्मित सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का उद्घाटन



पश्चिम मध्य रेल पर्यावरण सरंक्षण के लिए ऊर्जा की बचत में अहम भूमिका निभा रहा है। 05 जून, 2022 को 'विश्व पर्यावरण दिवस' के अवसर पर महाप्रबंधक श्री सुधीर कुमार गुप्ता द्वारा जबलपुर कोचिंग डिपो में नवनिर्मित 11 केवी/750 वोल्ट विद्युत सब स्टेशन और नवनिर्मित 600 केएलडी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) लोको तैलया का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक श्री शोभन चौधुरी, प्रमुख मुख्य यांत्रिकी इंजीनियर श्री आर. एस. सक्सेना, प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर श्री आर. के. गुप्ता एवं मण्डल रेल प्रबंधक श्री संजय विश्वास सहित मण्डल के अधिकारी तथा कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

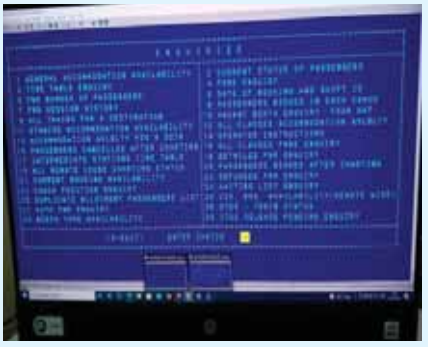
जबलपुर कोचिंग डिपो में नवनिर्मित 11 केवी/750 वोल्ट विद्युत सब स्टेशन के स्थापित होने से पर्यावरण के अनुकूल वातावरण प्रदूषण में प्रतिवर्ष लगभग 876 टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन को कम करने में सहायक सिद्ध होगा। इस सब स्टेशन से 750 वोल्ट विद्युत आपूर्ति मिलने से वॉशिंग पिट लाइन 1, 2, 3 में औसतन प्रतिदिन 06 एलएचबी रैकों की ट्रेन का प्राइमरी तथा सेकेंड्री मेंटेनेंस किया जाएगा, जिससे प्रतिवर्ष लगभग ₹02 करोड़ 17 लाख के डीजल एवं बिजली की बचत होगी।

जबलपुर लोको तैलया में नवनिर्मित 600 केएलडी क्षमता के एसटीपी से पानी को रिसाइक्लिंग किया जाएगा। इस प्लांट से वॉशिंग पिट लाइन 1, 2 और 3 से उत्पन्न अपशिष्ट जल को प्राथमिक संग्रह पिट पर एकत्र किया जाता है और फिर आरसीडी इंडियन ऑयल के बगल में कच्चे पानी के संग्रह के लिए पंप किया जाता है। इस रिसाइकल्ड पानी का उपयोग वॉशिंग पिट लाइन 1, 2, 3, 4, 5 और 6 पर वैगनों की धुलाई और रेल सौरव उद्यान और जीएम कार्यालय के बगीचे की बागवानी के लिए किया जाता है, जिससे पानी के खर्च के लिए प्रतिवर्ष लगभग ₹03 करोड़ 18 लाख की बचत होगी।

पश्चिम मध्य रेलवे में पैसेंजर रिजर्वेशन सिस्टम डेटाबेस

भारतीय रेल में पीआरएस गतिविधियों में वृद्धि और मौजूदा चार डेटाबेस पर कार्य भार को कम करने के लिए ट्रेन फायरिंग गतिविधियों के विकेंद्रीकरण की जरूरत थी, जिसके लिए रेलवे बोर्ड ने नये डेटाबेस शुरुआत करने की स्वीकृति दी।

16 जोनल रेलवे में से रेलवे बोर्ड द्वारा अपने समय के डेटाबेस निर्माण के लिए पश्चिम मध्य रेल का चुनाव किया गया ताकि पश्चिम मध्य रेल से प्रारंभ होने वाली सभी ट्रेनों की ट्रेन फायरिंग गतिविधियों (जैसे नई ट्रेनों की शुरुआत, हॉली-डे स्पेशल की फायरिंग, ट्रेनों का डायवर्जन और अन्य आरक्षण संबंधित गतिविधियों) को समय सीमा के अंदर



सुचारू रूप से क्रियान्वित किया जा सके। पहले यह सभी कार्य मुंबई डेटाबेस द्वारा किया जाता था।

31 मई, 2022 को पमरे (मध्य रेल, उत्तर रेल, दक्षिण रेल, पूर्व रेल को छोड़कर) ने पैसेंजर रिजर्वेशन सिस्टम (पीआरएस) डेटाबेस रखने वाला रेलवे जोन बन गया है। भारतीय रेल के इतिहास में यह उल्लेखनीय कार्य लगभग 20 वर्षों से अधिक समय के अंतराल के बाद हुआ है।

यह उल्लेखनीय कार्य महाप्रबंधक, श्री सुधीर कुमार गुप्ता एवं प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक, मुकुल सरन माथुर के कुशल मार्गदर्शन में संभव हुआ है। पमरे ने स्व संसाधनों और स्टाफ एवं डेटाबेस मुंबई के समस्त अफसरों व स्टाफ के समर्थन के साथ यह कामयाबी हासिल की है।

"ये रेल है.... ये रेल है, ये पश्चिम मध्य रेल है"
थीम सॉन्ग का अनावरण

67वें रेल सप्ताह समारोह 2022 के अवसर पर महाप्रबंधक श्री सुधीर कुमार गुप्ता एवं पमरे महिला कल्याण संगठन अध्यक्षा श्रीमती संध्या गुप्ता द्वारा "ये रेल है.... ये रेल है.....ये पश्चिम मध्य रेल है" पर आधारित थीम सॉन्ग का लोकार्पण किया गया। यह थीम सॉन्ग भोपाल, जबलपुर, कोटा मण्डलों की विभिन्न गतिविधियों का एक आईना है और पमरे की पहचान को प्रस्तुत करता है।

उल्लेखनीय है कि पश्चिम मध्य रेलवे में 'आजादी का अमृत महोत्सव' मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में पमरे की महत्त्वपूर्ण उपलब्धियों को एक थीम सॉन्ग के रूप में दर्शाया गया है। पमरे की स्थापना के बाद पहली बार विकास यात्रा को एकीकृत करके एक थीम सॉन्ग के रूप में दिखाया गया है। इसे तैयार करने में अत्याधुनिक ड्रोन कैमरों का उपयोग किया गया है। इसमें तीनों मंडलों-जबलपुर, भोपाल एवं कोटा के पर्यटक स्थलों को भी प्रमुखता से दिखाया गया है। जबलपुर के अंतर्गत आने वाले पर्यटक स्थलों, जैसे धुआंधार एवं भेड़ाघाट, भोपाल मण्डल के सांची के स्तूप, कोटा मण्डल के रणथम्भौर टाइगर अभयारण्य की आकर्षक छवियां इसके प्रमुख आकर्षण हैं। इसके अलावा पमरे पर चल रही विभिन्न अधोसरंचना कार्य एवं उपलब्धियों की विकास गाथा को बताया गया है। रेलवे के विभिन्न विभागों यांत्रिकी, इंजीनियरिंग, विद्युत, परिचालन, वाणिज्य, लेखा, कार्मिक, भंडार, सुरक्षा एवं संरक्षा आदि से संबंधित कामकाज को भी थीम सॉन्ग में शामिल किया गया है। पहाड़ों के बीच से गुजरती मालगाड़ियां, यात्रियों की मुस्कुराहट भरे चेहरे इस थीम सॉन्ग की सुन्दरता को और भी बढ़ा देते हैं।



पमरे के थीम सॉन्ग का वीडियो लिंक नीचे दिया गया है, जिसे क्लिक करके थीम सॉन्ग को यू-ट्यूब पर देखा जा सकता है-

https://drive.google.com/file/d/1MLzsiBCmjtw0A7eTCUt7dt3kTN4f-es1/view?usp=ksharing

नोआपाड़ा-बारासात वाया बिमानबंदर मेट्रो परियोजना का निर्माण कार्य पूरी गति पर

नोआपाड़ा–बारासात वाया बिमानबंदर मेट्रो परियोजना का निर्माण कार्य पूरी गति पर है। 7 किमी खंड के पहले चरण में वायडक्ट, जेसोर रोड स्टेशन, बिमानबंदर स्टेशन तक पहुंच सुरंग और बिमानबंदर यार्ड का निर्माण कार्य चल रहा है।

30 मई, 2022 को पहुँच सुरंग से बिमानबंदर स्टेशन एवं यार्ड तक के आखिरी बेस स्लैब की ढलाई का काम पूरा कर लिया गया। मेट्रो इंजीनियरों के दृढ़ निश्चय, निरंतर प्रयासों और सतर्कतापूर्ण कार्ययोजना से यह महत्त्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करना संभव हो सका।

बिमानबंदर स्टेशन और पहुँच सुरंग के कुल 641 मीटर (323 मीटर बिमानबंदर स्टेशन क्षेत्र और 318 मीटर एप्रोच टनल) बेस स्लैब का कार्य सभी सुरक्षा मानकों और कार्यों की गुणवत्ता को बनाए रखते हुए सफलतापूर्वक पूरा किया गया। इसके साथ ही 22,238 वर्गमीटर बेस स्लैब की ढलाई का काम पूरा हुआ। इस पूरे हिस्से के निर्माण में 29,250 क्यूबिक मीटर



कंक्रीट और 9,495 मीट्रिक टन स्टील की खपत हुई।

महात्मा गांधी रोड और गिरीश पार्क मेट्रो स्टेशनों पर दो ऊर्जा कुशल स्वाचालित सीढ़ियों का शुभारंभ



मेट्रो रेलवे ने अपने परिसर में सुविधाओं को बढ़ाने हेतु कई पहलें की हैं। उस प्रयास के एक भाग के रूप में मेट्रो रेलवे ने महात्मा गांधी रोड और गिरीश पार्क मेट्रो स्टेशनों पर क्रमशः 06 जून, 2022 और 17 जून, 2022 को पुराने एस्केलेटर की जगह दो नए एस्केलेटर चालू किए हैं।

ये एस्केलेटर ऊर्जा कुशल वीवीवीएफ ड्राइव से लैस हैं जो ऊर्जा की खपत को 50% तक कम करने में मदद करते हैं। इसके अलावा, इन एस्केलेटरों की एक अनूठी विशेषता है कि ये निष्क्रिय रहने के दौरान रुक सकते हैं या धीरे-धीरे चल सकते हैं। दिव्यांगजनों, वृद्ध व्यक्तियों, महिलाओं और बच्चों के लिए इस एस्केलेटर का उपयोग करना ज्यादा सुविधाजनक है क्योंकि इसमें अधिक सपाट सीढ़ियां लगाई गई हैं।

मेट्रो के बेड़े में एक और एसी रेक शामिल

मेट्रो रेलवे के बेड़े में एक और एसी रेक (एमआर-418) को शामिल किया गया है। इस रेक ने अपना पहला वाणिज्यिक परिचालन दमदम से 15:24 बजे प्रारंभ किया और 16:13 बजे कवि सुभाष पहुंचा। इस नए एसी रेक को अपने बेड़े में शामिल करने के साथ ही मेट्रो रेलवे अब यात्रियों के लाभ के लिए अपनी सेवाओं में और सुधार करने में सक्षम है।

मेट्रो रेलवे के उत्तर-दक्षिण गलियारे में अब एसी रेकों की संख्या 31 (18 मेधा +13 आईसीएफ भेल) हो गई है।



आरडीएसओ में सतर्कता संगोष्ठी का आयोजन

'आजादी का अमृत महोत्सव' के तत्वावधान में आरडीएसओ के सतर्कता प्रकोष्ठ ने श्री संजीव भुटानी, महानिदेशक के कुशल मार्गदर्शन में आरडीएसओ के अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए 06 मई, 2022 को एक सार्थक पहल करते हुए सतर्कता संगोष्ठी का आयोजन किया। संगोष्ठी में श्री जे.पी. पाण्डेय, महानिदेशक विशेष (वेंडर विकास), श्री रमेश पिंजानी, अपर महानिदेशक के साथ भारी संख्या में अन्य अधिकारी और पर्यवेक्षक भी उपस्थित थे। वेबेक्स के माध्यम से इस संगोष्ठी का वेबकास्ट भी किया गया, जिससे आरडीएसओ की अन्य इकाइयों, जैसे बैंगलोर, भोपाल, मुंबई, कोलकाता, जयपुर हैदराबाद और नई दिल्ली के कर्मचारियों ने भी संगोष्ठी में भाग लिया।

संगोष्ठी में संवेदनशील मामलों से निपटने के दौरान आरडीएसओ कर्मचारियों द्वारा अपनाए जाने वाले निवारक उपायों के साथ सतर्कता पर विभिन्न पहलुओं को शामिल करते हुए डॉ. विपिन कुमार, सीवीओ/आरडीएसओ द्वारा एक विस्तृत प्रस्तुति दी गई।

श्री संजीव भुटानी, महानिदेशक/आरडीएसओ



ने जमीनी स्तर पर काम कर रहे आरडीएसओ के अधिकारियों और पर्यवेक्षकों को संबोधित किया।

आरडीएसओ में पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन



आरडीएसओ के पुल एवं संरचना निदेशालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा स्वदेशी स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली 'कवच' (TCAS) के विकास में एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की गई है। इस परियोजना में LTE संचार के एंटीना के टॉवर का डिजाइन और ड्राइंग के प्रूफ जांच रिकॉर्ड समय में पूरा कर लिया गया है जोकि इस परियोजना के क्रियान्वन में एक महत्त्वपूर्ण कदम है। कार्य में शामिल आर डी एस ओ के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के समूह द्वारा किए गए इस उत्कृष्ट कार्य के लिए रेलवे बोर्ड द्वारा सामूहिक नगद पुरस्कार (₹50,000) प्रदान कर सम्मानित किया गया है।

इंजन विकास निदेशालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा आरडीएसओ नेशनल एमिनेंस फॉर ग्रीन एनर्जी की परियोजनाओं पर तेजी से काम किया जा रहा है। कई परिवहन अनुप्रयोगों के लिए पॉवर ट्रेन के रूप में हाइड्रोजन ईंधन सेल एक आशाजनक विकल्प है। आरडीएसओ ने 1200 KW DEMU की प्रौद्योगिकी को साबित करने के लिए हाइड्रोजन ईंधन सेल आधारित हाइब्रिड पॉवर ट्रेन प्रणाली के विकास के लिए स्पेसिफिकेशन जारी कर दिया है। इस उत्कृष्ट कार्य के लिए महानिदेशक आरडीएसओ द्वारा सम्बंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को एक विशेष समारोह में प्रशस्ति पत्र एवं सामूहिक नगद पुरस्कार प्रदान किया गया।

अघोरीखास स्टेशन पर नई इलेक्ट्रॉनिक इंटरलाकिंग

चुनार-चोपन रेलखंड पर स्थित अघोरीखास स्टेशन पर हाट स्टैंड बाई के साथ केन्द्रीकृत नई इलेक्ट्रॉनिक इंटरलाकिंग की स्थापना का कार्य 10 जून, 2022 को पूरा कर लिया गया है। बैंकर तथा कैच साइडिंग को भी इलेक्ट्रॉनिक इंटरलाकिंग से युक्त किया गया। साथ ही साथ अघोरीखास स्टेशन पर बटन वाले पैनल को हटाकर विजुअल डिस्प्ले यूनिट पैनल लगाया गया है। बेहतर दृश्यता हेतु 43 इंच के डबल विजुअल डिस्प्ले यूनिट लगाए गए हैं। हाट स्टैण्ड बाई प्रणाली के



लागू होने से यदि सिस्टम में खराबी आती है तो हाट स्टैण्ड में स्थापित दूसरा विजुअल डिस्प्ले यूनिट स्वत: कार्य करना प्रारंभ कर देगा। अघोरीखास-चोपन खण्ड को सिंगल लाइन ब्लाक पैनल के साथ कमीशन किया गया है। कुल 13 पाइंट मशीन 14 मुख्य सिग्नल 4 शंट सिग्नल तथा डबल डिस्टेंट सिग्नल को केन्द्रीकृत इलेक्ट्रॉनिक इंटरलाकिंग से जोड़ा गया है। अघोरीखास के दोनों लूप लाइन में ट्रेनों के आगमन एवं प्रस्थान हेतु प्रत्येक में ओवर रन की सुविधा प्रदान की गई है। इस कार्य के पूर्ण होने से चुनार-चोपन खण्ड (चुर्क यार्ड छोड़कर) में ट्रनों को अधिकतम गति सीमा 50 किमी प्रति घण्टा से बढ़ाकर 100 किमी प्रति घण्टा हो जाने के साथ-साथ समयपालनता और संरक्षा और बेहतर होगी।

पंजाब मेल ने पूर्ण किए गौरवशाली 110 वर्ष



नए एलएचबी रेक के साथ पंजाब मेल

भारतीय रेल की सबसे पुरानी ट्रेन पंजाब मेल ने गौरवशाली 110 वर्ष पूर्ण कर 01 जून, 2022 को 111 वें वर्ष में कदम रखे हैं। 22 मार्च, 2020 से कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान यात्री ट्रेन सेवाओं को निलंबित कर दिया गया था। धीरे-धीरे सेवाओं को 01 मई, 2020 से अनलॉक के बाद स्पेशल ट्रेनों के रूप में फिर से शुरू किया गया। 01 दिसम्बर, 2020 से पंजाब मेल स्पेशल ने एलएचबी कोचों के साथ अपनी यात्रा शुरू की है। इस ट्रेन की नियमित सेवा 15 नवम्बर, 2021 से शुरू हुई।

बॉम्बे से पेशावर पंजाब मेल कब शुरू हुई, यह स्पष्ट नहीं है। वर्ष 1911 के पेपर और लगभग 12 अक्टूबर, 1912 को एक नाराज यात्री की शिकायत के आधार पर, 'दिल्ली में ट्रेन के देर से आगमन' के बारे में कमोबेश यह अनुमान लगाया गया है कि पंजाब मेल ने 01 जून, 1912 को बैलार्ड पियर मोल स्टेशन से यात्रा शुरू की है।

पंजाब मेल प्रसिद्ध फ्रंटियर मेल से 16 वर्ष से अधिक पुरानी है। वास्तव में बैलार्ड पियर मोल स्टेशन जीआईपीआर सेवाओं का केंद्र था। पंजाब मेल या पंजाब लिमिटेड उस समय इस नाम से जानी जाती थी, आखिरकार 01 जून 1912 को आरंभ हुई। भारत में उनकी पहली पोस्टिंग पर पी एंड ओ स्टीमर मेल में राज के अधिकारी उनकी पत्नियों के साथ थे। साउथेम्प्टन और बॉम्बे के बीच स्टीमर यात्रा तेरह दिनों तक चली। चूंकि ब्रिटिश अधिकारियों के पास बंबई की अपनी यात्रा के साथ-साथ अपनी पोस्टिंग के स्थान तक ट्रेन से अपनी अंतर्देशीय यात्रा दोनों के लिए संयुक्त टिकट थे, इसलिए वे उतरने के बाद मद्रास, कलकत्ता या दिल्ली, के लिए जाने वाली ट्रेनों में से एक में सवार हो गए।

पंजाब लिमिटेड बंबई के बैलार्ड पियर मोल स्टेशन से जीआईपी मार्ग के माध्यम से पेशावर तक लगभग 2,496 किमी की दूरी तय करने के लिए 47 घंटे लेती थी। ट्रेन में छह डिब्बे थे। तीन यात्रियों के लिए और तीन डाक सामान और मेल के लिए। तीन यात्री डिब्बों ये केवल 96 यात्रियों को ले जाने की क्षमता थी।

विभाजन के पूर्व की अवधि में पंजाब लिमिटेड ब्रिटिश भारत की सबसे तेज रफ्तार वाली ट्रेन थी। पंजाब लिमिटेड के मार्ग का बडा हिस्सा जीआईपी रेल पथ पर से इटारसी, आगरा, दिल्ली, अमृतसर तथा लाहौर से गुजरता था तथा पेशावर छावनी में समाप्त हो जाता था। इस ट्रेन ने सन् 1914 से बंबई वीटी (अब छत्रपति शिवाजी टर्मिनस मुंबई) से आवागमन प्रारंभ किया। बाद में इसे 'पंजाब लिमिटेड' के स्थान पर 'पंजाब मेल' कहा जाने लगा और इसकी सेवाएं दैनिक कर दी गईं।

1930 के मध्य में 'पंजाब' मेल में तृतीय श्रेणी का डिब्बा लगाया गया। सन् 1914 में बांबे से दिल्ली का जीआईपी रूट 1,541 किमी था, जिसे यह ट्रेन 29 घंटे 30 मिनट में पूरा करती थी। 1920 के प्रारंभ में इसके समय को घटाकर 27 घंटे 10 मिनट किया गया। 1972 में ट्रेन फिर से 29 घंटे लेने लगी। सन् 2011 में पंजाब मेल 55 अन्य स्टेशनों पर रुकने लगी। 1945 में पंजाब मेल में वातानुकूलित शयनयान लगाया गया।

1968 में इस ट्रेन को डीजल इंजन से झाँसी तक चलाया जाने लगा तथा बाद में डीजल इंजन नई दिल्ली तक चलने लगा और 1976 में यह फिरोजपुर तक जाने लगी। 1970 के अंत या 1980 के प्रारंभ में पंजाब मेल भुसावल तक विद्युत कर्षण पर डब्ल्यू सीएम/1 ड्यूल करंट इंजन द्वारा चलाई जाने लगी, जिसमें इगतपुरी में डीसी से एसी कर्षण बदलता था।

पंजाब मेल मुंबई से फिरोजपुर छावनी तक की 1,930 किमी तक की दूरी 32 घंटों 35 मिनट में पूरी करती है। मार्ग में यह 52 स्टेशनों पर रुकती है। अब इसमें रेस्टोरेंट कार के स्थान पर पेंट्रीकार लगाई जाती है।

वर्तमान में इसमें एक फर्स्ट एसी सह वातानुकूलित टू टीयर, 2-एसी टू टियर, 6-एसी थ्री टीयर, 6 शयनयान, एक पैंट्रीकार, 5 सेकेंड क्लास के कोच तथा एक जनरेटर वैन है।



भारतीय रेल में मनाया गया
विश्व पर्यावरण दिवस

भारतीय रेल पर्यावरण को लेकर हमेशा से ही संवेदनशील रही है। इसी क्रम में 'विश्व पर्यावरण दिवस' 5 जून, 2022 के अवसर पर विभिन्न क्षेत्रीय रेलों और उत्पादन इकाइयों में पौधरोपण तथा जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। प्रस्तुत है, इन कार्यक्रमों की एक झलक:

उत्तर मध्य रेलवे

उत्तर मध्य रेलवे में वर्तमान वर्ष की थीम 'ओनली वन अर्थ' को आत्मसात् करते हुए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस उपलक्ष्य में श्री प्रमोद कुमार, महाप्रबंधक, एवं अन्य अधिकारियों द्वारा उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।



रेल कोच फैक्ट्री



रेल कोच फैक्ट्री, कपूरथला में इस अवसर पर आरसीएफ के क्वालिटी, सिविल और इलेक्ट्रिकल विभाग द्वारा पर्यावरण संरक्षण को समर्पित कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। आरसीएफ के महाप्रबंधक श्री अशेष अग्रवाल द्वारा नीम का पौधा रोपित किया गया और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए पर्यावरण रैली को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया गया। कल्चरल सोसायटी द्वारा वायु, जल, भूमि जैसे पर्यावरण प्रदूषकों पर नुक्कड़ नाटक खेला गया।

दक्षिण पूर्व रेलवे

दक्षिण पूर्व रेलवे द्वारा अपने मुख्यालय, गार्डनरीच और चारो मंडलों– खड़गपुर, आद्रा, चक्रधरपुर और रांची में दिनांक 05 जून, 2022 को 'विश्व पर्यावरण दिवस' मनाया गया। सुश्री अर्चना जोशी, महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व रेलवे ने विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में दक्षिण पूर्व रेलवे मुख्यालय गार्डनरीच में पौधारोपण किया। जागरूकता पैदा करने के लिए दक्षिण पूर्व रेलवे भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के सदस्यों द्वारा एक नुक्कड़ नाटक का मंचन भी किया गया।



पश्चिम रेलवे

पश्चिम रेलवे के सभी मंडलों ने पेंटिंग प्रतियोगिता, स्लोगन लेखन प्रतियोगिता, पौधारोपण आदि विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से 'पर्यावरण दिवस' मनाया। सभी मंडल में सभी कर्मचारियों और उनके परिवारों के लिए 'मदर नेचर' थीम पर एक पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। रेलवे अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा विभिन्न स्टेशनों, कार्यशालाओं, रेलवे कॉलोनियों और सभी मंडलों के कार्यालयों में पौधे लगाए गए।



पश्चिम मध्य रेल



पश्चिम मध्य रेल में 'विश्व पर्यावरण दिवस' 5 जून 2022 को तीनों मण्डलों (जबलपुर, भोपाल एवं कोटा) एवं दोनों कारखानों (भोपाल एवं कोटा) में व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर महाप्रबंधक श्री सुधीर कुमार गुप्ता एवं अपर महाप्रबंधक श्री शोभन चौधुरी द्वारा रेलवे कॉलोनी एवं लोको तैलया में वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर जबलपुर स्टेशन पर एक दर्शनी लगाई गई, जिसका लोकार्पण महाप्रबंधक द्वारा किया गया।

चित्तरंजन रेलइंजन कारखाना

चितरंजन रेलइंजन कारखाना (चिरेका) में 5 जून 2022 को पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। श्रीमती नमिता कश्यप, अध्यक्षा, चिरेका महिला कल्याण संगठन के नेतृत्व में एवं श्री सतीश कुमार कश्यप, महाप्रबंधक की उपस्थिति में, गणपति हट के करीब तथा एसपी नॉर्थ डिस्पेंसरी भवन के करीब पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर महाप्रबंधक श्री सतीश कुमार कश्यप एवं अध्यक्षा, चिरेका महिला कल्याण संगठन श्रीमती नमिता कश्यप ने संयुक्त रूप से चिरेका एनवायरमेंट हैंडबुक का विमोचन किया।



मेट्रो रेलवे

मेट्रो रेलवे ने पर्यावरण जागरूकता का संदेश फैलाने के लिए एक 'पर्यावरण एक्सप्रेस' चलाई, जिसमें श्री अरुण अरोरा, महाप्रबंधक और पूर्व रेलवे एवं मेट्रो रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों ने फूलबगान से सेंट्रल पार्क डिपो तक की यात्रा की। महाप्रबंधक, श्री अरुण अरोड़ा एवं श्रीमती मधु अरोरा, अध्यक्ष, एमआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ ने इस अवसर पर सेंट्रल पार्क डिपो प्रांगण में पौधारोपण किया।



पूर्वोत्तर रेलवे



'विश्व पर्यावरण दिवस' के अवसर पर पूर्वोत्तर रेलवे के अपर महाप्रबन्धक श्री अमित कुमार अग्रवाल के मुख्य आतिथ्य में गोरखपुर रेलवे स्टेशन पर पर्यावरण संरक्षण से सम्बन्धित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर पर्यावरण स्थिरता पर यांत्रिक विभाग द्वारा मुद्रित रिपोर्ट 'इन्वायरमेंट सस्टेनबिल्टी रिपोर्ट 2021-22' का विमोचन किया गया तथा रेलवे स्टेशन परिसर में वृक्षारोपण किया गया। यांत्रिक विभाग के ई.एन.एच.एम. विंग द्वारा पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण के स्लोगन लिखे हुए पोस्टर तथा पर्यावरण प्रदर्शनी लगाई गई। इस अवसर पर स्काउट एवं गाइड द्वारा पर्यावरण संरक्षण पर आधारित नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किया गया।



आपको यह **अंक कैसा लगा**
हमें जरूर बताएं

ई-मेल : editorbhartiyarailrb@gmail.com

पत्र लिखें ▶ **संपादक,** भारतीय रेल,
कमरा नं. 411, रेल भवन, नई दिल्ली-110 001

भारतीय रेल के श्री श्रेयस जी. होसुर बने 'आयरनमैन'



भारतीय रेल लेखा सेवा के 2011 बैच के अधिकारी श्री श्रेयश जी. होसूर ने 5 जून 2022 को हैम्बर्ग, जर्मनी में विश्व की कठिनतम खेल स्पर्धा 'आयरन मैन' को सफलतापूर्वक पूरा किया। आयरन मैन ट्रायथलॉन में 3.8 किमी तैराकी तथा 180 किमी साइकिलिंग के साथ 42.2 किमी की दौड़ शामिल होती है। श्री होसूर ने चरम सहनशीलता की यह प्रतियोगिता 13 घंटे 23 मिनट 36 सेकंड में पूरी की। राष्ट्रीय तकनीकी शोध संस्थान (एन.टी.आर.ओ.), दिल्ली में प्रति नियुक्ति से लौटने के बाद वर्तमान में श्री श्रेयश होसूर दक्षिण पश्चिम रेलवे के निर्माण विभाग में उप वित्तीय सहायक तथा मुख्य लेखा अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं। श्री श्रेयश होसूर कठिन तथा बेहद थका देने वाली 'आयरन मैन ट्रायथलॉन' को पूरा करने वाले भारतीय रेल व देश की सिविल सेवाओं के पहले अधिकारी बन गए हैं।

'आयरन मैन' विश्व की कठिनतम एक दिवसीय खेल स्पर्धा मानी जाती है। इस स्पर्धा को पूरा करने के लिए अपेक्षित अत्यधिक शारीरिक व मानसिक शक्ति को मान्यता देने की दृष्टि से इसे पूरा करने वालों को 'आयरन मैन' ही कह कर संबोधित किया जाता है।

श्रेयश ने प्रात: 6.30 बजे हैम्बर्ग में एस्टर झील के ठंडे पानी में 3.8 किमी की तैराकी से प्रतियोगिता आरम्भ की। इसके बाद उन्होंने देहात में 180 किमी साइकिल चलाई और फिर 42.2 किमी की पूर्ण मैराथन के साथ प्रतियोगिता पूरी हुई। समापन रेखा पर अपनी जीत का उत्सव मनाते हुए श्रेयश शान से भारतीय ध्वज उठाए हुए थे। श्रेयश ने अपनी यह ऐतिहासिक जीत भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने पर मनाए जा रहे उत्सव 'आजादी का अमृत महोत्सव' को समर्पित की है।

श्रेयश 2015 में भारतीय रेल के पहले अधिकारी बने, जिन्होंने भारतीय सेना के साथ सियाचिन ग्लेशियर पर 'कुमार पोस्ट' तक ट्रैक करके इतिहास रचा। साहसिक अभियानों के अतिरिक्त भारतीय रेल व एन. टी. आर ओ. में अपने कार्य के लिए भी श्रेयश ने प्रशंसा तथा कई पुरस्कार लेकर प्रसिद्धि पाई है। कर्नाटक से संबंध रखने वाले श्री श्रेयश होसूर भारतीय पुलिस सेवा के सेवा निवृत्त अधिकारी श्री गोपाल बी.होसूर के सुपुत्र हैं जो दुर्दांत चन्दन तस्कर को समाप्त करने के लिए गठित की गई फोर्स का हिस्सा थे और अपने इस कार्य के लिए उन्होंने राष्ट्रीय का वीरता पदक हासिल किया था।



शाबाश मिथु

श्री रणमत सिंह

पद्मश्री मिताली राज आज किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं। सिर्फ भारतीय क्रिकेट ही नहीं बल्कि विश्व क्रिकेट का सर्वाधिक चर्चित नाम है– मिताली! विश्व क्रिकेट में जो दर्जा पुरुषों में डॉन ब्रेड मैन या सचिन तेंदुलकर का है, वही दर्जा महिला क्रिकेट में मिताली का है। शायद इसीलिए उन्हें 'लेडी तेंदुलकर' भी कहा जाता है। हालांकि ऐसा कहना मुझे पसंद नहीं। मैं उन्हें एक दर्जा ऊपर रखता हूं। इसकी वजह उनका तकनीकी रूप से सक्षम होना नहीं है, बल्कि इसकी वजह यह है कि यदि भारत में आज से 25 साल पहले किसी लड़की को क्रिकेट सीखना होता था तो उसे लड़कों के मुकाबले तीन गुनी मेहनत और तानों का सामना करना पड़ता था। और अगर आप किसी छोटे से शहर से आते हों और आपका बार-बार ट्रांसफर होता हो तो समस्या और भी बढ़ जाती है।

तमिल परिवार से आने वाली मिताली का जन्म राजस्थान के जोधपुर जिले में 1982 में हुआ था, लेकिन उन्होंने क्रिकेट खेलना शुरू किया 10 वर्ष की आयु से तेलुगू भाषी हैदराबाद जिले में।

घरेलू क्रिकेट में उन्होंने रेलवे की ओर से खेलना शुरू किया और विश्व क्रिकेट के तीनों प्रारूप यानि टेस्ट, एक दिवसीय और ट्वेंटी-ट्वेंटी में भारत का प्रतिनिधित्व किया।

जब वह मात्र 14 साल की थीं, उनका चयन 1997 विश्व कप के लिए संभावित भारतीय दल में हुआ था, हालांकि उन्हें



प्रतियोगिता	टेस्ट	एक दिवसीय	टी-ट्वेंटी
मैच	12	232	89
रन	699	7805	2364
सर्वाधिक स्कोर	214	125 नाबाद	97 नाबाद

अपना अंतरराष्ट्रीय कॉरियर शुरू करने के लिए दो साल का इंतजार करना पड़ा। इस इंतजार का सूखा खत्म हुआ आयरलैंड के खिलाफ 1999 में एक दिवसीय मैच में, जिसका जश्न उन्होंने नाबाद 114 रन बनाकर मनाया।

इसके बाद तो रिकार्ड उनके लिए मजाक बनकर रह गए। अपने तीसरे ही टेस्ट में मिताली ने इंग्लैंड के खिलाफ खेलते हुए 214 रन बनाकर एक मैच में सर्वाधिक व्यक्तिगत रन बनाने का रिकार्ड तोड़ दिया।

मिताली को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए अनेक अवॉर्ड मिल चुके हैं, जिनमें 2003 में अर्जुन अवॉर्ड, 2015 में पद्मश्री अवॉर्ड, 2017 में 'विजडन लीडिंग क्रिकेटर इन द वर्ल्ड' और 2021 में 'मेजर ध्यानचंद खेल रत्न अवॉर्ड' शामिल हैं।

2005 में वे पहली बार भारतीय टीम की कप्तान बनी थीं। 2006 में पहली बार इंग्लैंड में टेस्ट शृंखला जीतने वाली टीम का उन्होंने प्रतिनिधित्व किया।

वे दो विश्वकप में भारत की ओर से कप्तानी करते हुए फाइनल खेलने वाली इकलौती खिलाड़ी हैं। हालांकि विश्वकप जीतने का सपना अब कभी पूरा नहीं होगा क्योंकि उन्होंने 8 जून, 2022 को खेल के सभी प्रारूप से संन्यास ले लिया है, लेकिन एक सुनहरी किरण अब भी है। उन्होंने आजीवन क्रिकेट से जुड़े रहने की ठानी है। कौन जाने, जो सपने वे बतौर खिलाड़ी पूरे नहीं कर सकीं, बतौर कोच पूरा कर सकें।

'भारतीय रेल' पत्रिका की ओर से उनके सुनहरे भविष्य की हार्दिक शुभकामनाएं!

मिताली को यूं ही लेडी तेंदुलकर नहीं कहा जाता। उनके नाम कुछ ऐसे रिकार्ड भी हैं जो आपको रोमांचित ही नहीं अचंभित भी करते हैं, जैसे:-

- 200 एक दिवसीय खेलने वाली वे दुनिया की पहली महिला क्रिकेटर हैं।
- एक दिवसीय में सर्वाधिक रन बनाने का रिकार्ड भी उन्हीं के नाम है।
- लगातार 7 एक दिवसीय मैचों में पचासा लगाने वाली वे दुनिया की इकलौती खिलाड़ी हैं।
- एकदिवसीय में सर्वाधिक 50 उन्हीं के नाम है।
- टी-ट्वेंटी में 2000 रन पूरे करने वाली वे दुनिया की इकलौती खिलाड़ी हैं।
- 20 साल का अंतरराष्ट्रीय कॉरियर उनके अलावा और दुनिया में किसी और खिलाड़ी के पास नहीं है।

खेलों में भारतीय रेल



बीसीसीआई द्वारा आयोजित महिला सीनियर टी20 चैंपियनशिप 2021-22 भारतीय रेल महिला क्रिकेट टीम द्वारा जीत ली गई है।

उल्लेखनीय है कि यह प्रतियोगिता अब तक 12 बार आयोजित की गई है, जिसमें से 10 बार यह खिताब भारतीय रेल की टीम ने जीता है।

भारतीय रेल की एथलीट सुश्री अन्नू रानी ने जमशेदपुर में आयोजित चौथी इंडियन ओपन भाला फेंक प्रतियोगिता में 63.8 मीटर भाला फेंककर अपने ही पुराने राष्ट्रीय रिकार्ड 63.24 में सुधार किया।





ओलंपिक पदक विजेता भारतीय रेल की पहलवान सुश्री साक्षी मलिक ने कजाकस्तान में आयोजित कुश्ती बोलाट तुर्लीखानोव कप में स्वर्ण पदक जीता। इसके साथ ही उन्होंने कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में भारत का प्रतिनिधित्व करने का हक प्राप्त कर लिया है।

टोक्यो ओलंपिक में पदक जीतने वाले भारतीय रेल के पहलवान श्री बजरंग पूनिया ने कजाकस्तान में आयोजित कुश्ती बोलाट तुर्लीखानोव कप में कांस्य पदक जीतकर कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में भारत का प्रतिनिधित्व करने का हक प्राप्त कर लिया है।





टोक्यो ओलंपिक में सीनियर भारतीय पुरुष हॉकी टीम का प्रतिनिधित्व करने वाले भारतीय रेल के सितारे श्री अमित रोहिदास एवं श्री नीलकंठ शर्मा ने एफआईएच प्रो लीग में भारतीय हॉकी टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए कांस्य पदक जीता।

भारतीय रेल की महिला पहलवान सुश्री सरिता मोर ने 59 किलो भार वर्ग में कजाकस्तान में आयोजित कुश्ती बोलाट तुर्लीखानोव कप में अजरबैजान के खिलाड़ी को हराकर स्वर्ण पदक जीता। इसके साथ ही उन्होंने विश्व नंबर 1 की भी रैंकिग हासिल कर ली है। यह कप यूनाईटेड वर्ल्ड रेसलिंग सीरीज का एक भाग है।



भारतीय रेल के पुणे मंडल, मध्य रेल में कार्यरत के श्री स्वप्निल कुसाले ने बाकू, अजरबैजान में आयोजित आईएसएसएफ विश्व कप 2022 में पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन (3P) स्पर्धा में रजत पदक जीता।





भारतीय रेल के प्रसिद्ध जूडो खिलाड़ी श्री नितिन चौहान ने स्पेन के मैड्रिड शहर में आयोजित यूरोपियन ओपन 2022 में 66 किलो वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए रजत पदक जीता।

भारतीय रेल की सुश्री एथलीट ऐश्वर्या बी. ने चेन्नै में आयोजित 61वीं नेशनल इंटर-स्टेट सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप की तिहरी कूद प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता और कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 के लिए क्वॉलिफाई भी कर लिया।





भारतीय रेल के पहलवान श्री सुनील कुमार ने भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए बिश्केक, कजाकिस्तान में आयोजित सीनियर एशियन रेसलिंग चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर अपने लगातार चमकदार प्रदर्शन का सिलसिला जारी रखा।

भारतीय रेल के अधिकारी को नेशनल मास्टर्स चैम्पियनशिप में 3,000 मीटर स्टीपलचेज में स्वर्ण पदक

भारतीय रेल स्वास्थ्य सेवा के केंद्रीय सेवा अधिकारी डॉ. अमित बालानी ने हाल ही में गुजरात के वडोदरा में एथलेटिक फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय मास्टर्स चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीता। उत्तर रेलवे केंद्रीय अस्पताल, नई दिल्ली में वरिष्ठ मंडल चिकित्सा अधिकारी के रूप में कार्यरत डॉ. बालानी ने 3,000 मीटर स्टीपलचेज स्पर्धा जीतकर पोडियम पर पहला स्थान हासिल किया। इस स्पर्धा में 28 बाधा दौड़ और 5 वॉटर जम्प को पूरा करना होता है। भारतीय रेल पर यह उपलब्धि हासिल करने वाले डॉ. बालानी पहले अधिकारी हैं। डॉ. बालानी पिछले 12 वर्षों से लम्बी दूरी की मैराथन स्पर्धाएं और अल्ट्रा इन में भाग लेते रहे हैं। हाल ही में उन्होंने छोटी दूरी की स्पर्धाओं में भाग लेने की शुरुआत की, जिसका प्रशिक्षण पूरी तरह से अलग होता है। उन्होंने 2018 में हाफ आयरन मैन भी पूरी की है जिसमें 1.9 किमी तैराकी, 90 किमी साइकिलिंग और 21.097 किमी की दौड़ शामिल होती है। भारतीय रेल पर यह उपलब्धि हासिल करने वाले वे पहले चिकित्सा अधिकारी हैं। उनकी उपलब्धियां और अनुशासन उनके मरीजों और सहकर्मियों के लिए एक मिसाल हैं।



श्री जितेंद्र नाथ सिंह
भारतीय पॉवर लिफ्टिंग टीम के कोच बने

उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल में कार्यरत चेकिंग स्टाफ श्री जितेंद्र नाथ सिंह को 17 से 22 जून 2022 तक कोयंबटूर में आयोजित होने वाली एशियन इक्विप्पड सब जूनियर, जूनियर, ओपन और मास्टर्स पॉवर लिफ्टिंग चैंपियनशिप में भारतीय टीम



के कोच के रूप में नामित किया गया है। श्री जीतेंद्र उत्तर मध्य रेलवे की पॉवर लिफ्टिंग एवं वेट लिफ्टिंग टीम के कोच हैं और इनके मार्गदर्शन में उत्तर मध्य रेलवे के खिलाड़ियों ने अनेक उपलब्धियां हासिल की हैं।

पूर्वोत्तर रेलवे ने
65वीं अखिल भारतीय रेल (पुरुष) क्रिकेट चैम्पियनशिप जीती



पूर्वोत्तर रेलवे क्रीड़ा संघ के तत्त्वावधान में 16 से 21 मई, 2022 तक खेली गई अखिल भारतीय रेल (पुरुष) क्रिकेट चैम्पियनशिप का फाइनल मुकाबला 21 मई, 2022 को मेजबान पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर एवं मेट्रो रेलवे, कोलकाता के बीच खेला गया, जिसमें पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर ने मेट्रो रेलवे, कोलकाता को 77 रन से हराकर चैम्पियनशिप जीत ली। अखिल भारतीय रेल (पुरुष) क्रिकेट चैम्पियनशिप के 65 वर्षों के इतिहास में पहली बार पूर्वोत्तर रेलवे ने चैम्पियनशिप जीती। चार अलग-अलग नगरों में आयोजित लीग मैचों के उपरान्त शीर्ष आठ टीमों– मध्य रेल, दक्षिण-पूर्व मध्य रेलवे, उत्तर रेलवे, पश्चिम रेलवे, पूर्वोत्तर सीमान्त रेलवे, कोलकाता मेट्रो रेलवे, पश्चिम मध्य रेलवे एवं मेजबान पूर्वोत्तर रेलवे ने प्रतियोगिता में भाग लिया। पूर्वोत्तर रेलवे के अपर महाप्रबन्धक श्री अमित कुमार अग्रवाल ने प्रतियोगिता की विजेता पूर्वोत्तर रेलवे एवं उपविजेता मेट्रो रेलवे तथा तीसरे स्थान पर रही उत्तर रेलवे के खिलाड़ियों को मेडल, प्रमाण-पत्र, ट्रॉफी एवं नकद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। अपर महाप्रबन्धक श्री अग्रवाल ने टीम के सभी खिलाडियों, कोचों एवं प्रबन्धन से जुड़े लोगों को बधाई दी।

भारतीय रेल की महिला भारोत्तोलन टीम ने हिमाचल प्रदेश में आयोजित पहली खेलो इंडिया सीनियर नेशनल रैंकिंग महिला भारोत्तोलन प्रतियोगिता में पहला स्थान हासिल किया।



एक भारत श्रेष्ठ भारत

जलियांवाला बाग

श्री मनीष बाजपेई
वरिष्ठ पत्रकार, दूरर्शन समाचार

परिमल-हीन पराग दाग-सा बना पड़ा है।
हां! यह प्यारा बाग खून से सना पड़ा है।।
आओ, प्रिय ऋतुराज! किंतु धीरे-से आना।
यह है शोक स्थान, यहां पर शोर मत मचाना।।

ऋतुराज बसंत का स्वागत दर्द भरे अल्फाजों से कोई करे तो समझिए कि दर्द कितना गहरा और उसकी टीस सदियों से आज तक उतनी ही गहरी है, जब वो घटना घटित हुई थी। कवयित्री सुभद्रा कुमारी चौहान के ये शब्द एक एक भाव को बयां कर रहे हैं कि जर्रा-जर्रा जलियांबाला बाग का किस दर्द से आज भी आहें भर रहा है। कवयित्री ने बसंत को संबोधित करते हुए कहा कि हे बसंत...! यह पूरा बाग निर्दोष लोगों के खून से सना हुआ है, जिससे फूलों के पराग सुगंधहीन हो गए हैं। इसलिए हे बसंत...! जब भी तुम यहां पर आना, शांतिपूर्वक आना क्योंकि यहां दुख और वेदना फैली हुई है।

दरअसल 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' का कारवां अतीत और इतिहास के साक्षात् दर्शन करने जलियांवाला बाग पहुंचा और निश्चित रूप से इतिहास का वो कालखंड आंखों के सामने घूम गया जब 13 अप्रैल, 1919 को निर्दोष लोगों पर एक हैवान की हैवानियत सवार हो गई और सैकड़ों लोगों के रक्त से जलियांवाला बाग की जमीं लाल हो गई। यह घटना हर हिन्दुस्तानी को याद रखनी चाहिए क्योंकि ऐसी घटनाओं की कोई मिसाल नहीं होती। मृतकों में महिलाएं और बच्चे शामिल थे जो स्वर्ण मंदिर में मत्था टेक बाद घरों को लौट रहे थे। कुछ विरोधों के मद्देनजर ब्रिटिश सरकार ने जलसा/सार्वजनिक समारोह पर रोक लगा दी थी, लेकिन पंजाब की धरती पर बैसाखी का त्यौहार तो उमंगों की बहार लाता है और इसलिए 13 अप्रैल, 1919 को बैसाखी के मेले के लिए भारी संख्या में लोग इकट्ठा हुए, लेकिन स्थानीय प्रशासन ने क्षेत्र को खाली करा दिया, जिससे आंगतुकों को दूर जाने के लिए मजबूर होना पड़ा। उनमें से कई स्वर्ण मंदिर गए, जबकि अन्य जलियांवाला बाग गए, क्योंकि यह एक मात्र बड़ा मैदान था और बाकी शहर मार्शल लॉ के अधीन था। इस बात ने ब्रिटिश ब्रिगेडियर जनरल रेजिनाल्ड डायर को परेशान कर दिया था, जिसने जलियांवाला बाग के अंदर एकत्रित लोगों पर अंधाधुंध फायरिंग करने का





आदेश दे दिया। एकमात्र मुख्य प्रवेश द्वार जो निकास के रूप में भी काम करता था, उसे जनरल डायर ने घेर दिया था। निकलने का कोई दूसरा रास्ता नहीं था। निहत्थे और बेकसूर लोगों का एक तरह से नरसंहार हुआ था जलियांवाला बाग में। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक 500 से 600 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई और हजारों की संख्या में लोग घायल हुए, कई गंभीर रूप से घायल हुए।

दरअसल, भारत के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में जलियांवाला बाग नरसंहार कांड को कभी भी किसी भी पक्ष ने जायज नहीं ठहराया और खुद ब्रिटिश प्रधानमंत्री थेरेसा ने ब्रिटिश संसद में खड़े होकर इसकी आलोचना की।

दरअसल, जिन परिस्थितियों में यह नरसंहार हुआ था, उसकी तैयारी पिछले तीन चार सालों से चल रही थी, विशेष रूप से पंजाब राज्य में। यह सब 1915 डिफेंस ऑफ इंडिया एक्ट और 1919 रौलेट एक्ट से शुरू हुआ था। दोनों अधिनियमों को ब्रिटिश सरकार द्वारा भारतीयों की नागरिक स्वंतत्रता पर अंकुश लगाने के लिए लागू किया गया था। ऐसा 1857 के विद्रोह के डर से किया गया था क्योंकि एक बार फिर से भारतीय उग्रवादी समूहों और राजनैतिक दलों द्वारा संगठित विद्रोह की तैयारी चल रही थी।

रौलेट एक्ट पारित होने के बाद घटनाओं की बारी आई, जिसके परिणामस्वरूप पंजाब के दो स्वंत्रता सेनानियों, सत्यपाल और सैफुद्दीन किचलू की गिरफ्तारी हुई। 10 अप्रैल, 1919 को अमृतसर में सत्यपाल और किचलू की रिहाई की मांग को लेकर एक बड़ा प्रदर्शन हुआ जिस पर ब्रिटिश प्रशासन द्वारा गोली चलाई गई, जिसमें कई मौतें हुईं। यह घटना पूरे पंजाब में बड़े हिंसक विरोध का कारण बनी थी। हिंसक विद्रोह के मद्देनजर ब्रिटिश सरकार ने पंजाब राज्य में मार्शल लॉ को जबरन लागू किया था। 12 अप्रैल को नरसंहार की पूर्व संध्या पर हंसराज किचलू के एक सहयोगी ने 13 अप्रैल को जलियांवाला बाग में अगले दिन शाम 6.30 बजे सार्वजनिक विरोध की घोषणा की। बैठक शांति पूर्ण तरीके से होनी थी, जिसमें नेताओं की रिहाई के लिए भविष्य की रणनीति पर चर्चा की जानी थी। भाग्य से 13 अप्रैल को बैसाखी भी थी।

बैसाखी पर बड़ा मेला अमृतसर में प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता था और साल 1919 में भी इसका बड़ा आयोजन होना प्रस्तावित था, जिसमें आसपास के क्षेत्रों के छोटे व्यापारी व्यापार करने और काफी संख्या में भीड़ मनोरंजन आदि के लिए मेले में आती है। मार्शल लॉ के अनुसार किसी भी प्रकार की सार्वजनिक सभा निषेध थी, इसलिए मेला आयोजन स्वतः रद्द हो गया। इसकी वजह से भीड़ में मौजूद तमाम छोटे व्यापारियों, महिलाओं, बच्चों और परिवारों को उनके घर की ओर जाने से पहले जलियांवाला बाग की ओर रुख करना पड़ा

और उसके बाद जो कुछ हुआ, वो इतिहास में दर्ज हो गया।

आजादी के लिए देश में कई स्थानों की भूमिका प्रमुख है और उन स्थानों पर हमारा भाव हमारे शहीदों के प्रति जुड़ जाता है। देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने के लिए जो भाव हमारे स्वाधीनता सेनानियों में था, वही भाव आज भी हमारे देश के नागरिकों में बनाए रखने के लिए 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' का मंत्र प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने दिया है क्योंकि अब आजादी के बाद आवश्यक है कि देश के नागरिक वर्ग, भाषा, सीमा, धर्म के भेद को मुलाकर हर कोई अपनी भारतीयता की पहचान को सबसे पहले रख कर देश की एकता, अखंडता और श्रेष्ठता को बरकरार रखे। यह स्मृति हमारी स्मृति पटल पर ताजा रहे, इसलिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारे ऐतिहासिक व सांस्कृतिक प्रतीकों को सहेजने के प्रयास किए जा रहे हैं। भारत सरकार ने पिछले कुछ सालों में विभिन्न राष्ट्रीय धरोहरों तथा ऐतिहासिक स्थलों का निर्माण तथा नवीकरण किया है ताकि हमारी नई और आने वाली पीढ़ियां उनसे प्रेरणा ले सकें। इसी विजन के साथ और 'आजादी के अमृत महोत्सव' के अवसर पर जलियांवाला बाग के राष्ट्रीय स्मारक को एक नई रूपरेखा में पुन: स्थापित किया गया है। जलियांवाला बाग राष्ट्रीय स्मारक का नवीकृत परिसर देश के शहीदों के बलिदान से जुड़े स्थल को सम्मान और संवेदना की अनुभूति के साथ पुन: स्थापित करता है। शहीदों को अर्पित यह स्मारक उन सभी देशवासियों के बलिदान की याद ताजा करता है, जिन्होंने भारत की आजादी के संघर्ष में अपना अप्रतिम महत्त्वपूर्ण योगदान दिया। इस ऐतिहासिक स्मारक की अनुभूति की शुरुआत होती है प्रवेश द्वार पर शहीद ऊधमसिंह की प्रतिमा से। यहां पर इस प्रतिमा का होना यह बताता है कि जलियांवाला बाग नरसंहार कांड के बाद ऊधमसिंह की भूमिका कितनी महत्त्वपूर्ण थी क्योंकि जब ये नरसंहार हुआ था तब ऊधमसिंह की आयु महज उन्नीस या बीस साल की थी और ये उस जलियांवाला बाग मैदान में प्यासे लोगों को पानी पिलाने का काम कर रहे थे। ऊधमसिंह एक ऐसे हीरो के रूप में हमारे सामने आते हैं कि जब तक वो जिन्दा रहे तब तक वो जलियांवाला बाग के मुख्य अभियुक्त जनरल डायर को मौत की नींद सुलाने के लिये बेचैन रहे और आखिरकार 1939 में उन्होंने जनरल डायर की हत्या करके जलियांवाला बाग नरसंहार कांड का बदला ले ही लिया और जब साल 1940 में उन्हें फांसी दी जा रही थी तो उनके अन्तिम शब्द यही थे कि अब मैं आराम से मर सकता हूं क्योंकि मुझे जो करना था, वो कर लिया। शहीद ऊधमसिंह की मूर्ति कुछ इस मुद्रा में लगी है कि उनके हाथों में जलियांवाला बाग की मिट्टी है और उसी मिट्टी को हाथ में लेकर उन्होंने बदला लेने की सौगंध ली थी। शहीद ऊधमसिंह की प्रतिमा से आगे बढ़ते हैं तो 'हैरीटेज वैली' में आप अनुभव करेंगे 1919 के बैसाखी के उत्सव में शामिल हुए लोगों के हर्षोल्लास का। प्रांगण में स्थापित जलकुंड शहीदों को अर्पित श्रद्धांजलि को निरंतर अभिव्यक्त करता है। इसके आगे पहली गैलरी में पंजाब का इतिहास और अंग्रेजों के खिलाफ पंजाब के लोगों द्वारा देश-विदेश में किए गए आंदोलनों का वर्णन है। दूसरी गैलरी प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान अंग्रेजों द्वारा पंजाब का शोषण, रौलेट एक्ट के निष्ठुर काले कानून का विरोध और हत्याकांड के पूर्व हुए घटना-चक्र का उल्लेख करती है। साथ ही, यह गैलरी उस निर्मम नरसंहार की एक जीवंत अनुभूति भी कराती है। जलियांवाला बाग के एक तरफ गोलियों से बचने की आखिरी उम्मीद के रूप में शहीदी कुआं उन चीखों को आज भी अपनी गहराइयों में समेटे हुए है जिन चीखों ने उस समय वातावरण को एक अजीब से डरावने और दर्दनाक मंजर में तब्दील कर दिया था। बेगुनाहों के जिस्मों को भेदकर निकली वे गोलियां आज भी बाग की दीवारों पर निशान रूप में अंकित हैं। चौथी गैलरी जनरल डायर के कत्लेआम से प्रभावित हुए शहीद ऊधमसिंह और शहीद भगत सिंह जैसे अनेक क्रांतिकारियों को समर्पित है, जिन्होंने स्वंतत्रता संग्राम में एक नई आग प्रज्ज्वलित कर दी थी। शहीदी स्मारक, मोक्ष स्थल, अमरजोत और आधुनिक तकनीक से सुसज्जित ध्वनि एवं प्रकाश कार्यक्रम जैसे समावेश यहां हुए शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। गरिमा और पवित्रता के प्रतीक इस बाग का नवीकृत परिसर सभी देशप्रेमी एवं बलिदान की भावनाओं के साथ जोड़ रहा है और प्रेरणा दे रहा है।



देश में मनोरंजन और सैर-सपाटे के लिए एक से बढ़कर एक स्थान हैं, लेकिन जब अपनी अगली पीढ़ी को पिछली पीढ़ी के उन कार्यों से परिचित कराना हो जिसके चलते आज की पीढ़ी खुली हवा और आजाद वतन में सांस ले रही है तो फिर जलियांवाला बाग जैसे पवित्र और ऐतिहासिक स्मारक पर आना चाहिए और श्रद्धा का एक फूल यहां स्मारक पर चढ़ाना चाहिए। 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की बुनियाद में शहादत का यह किस्सा भी है जिसे सबको सुनना और सुनाना भी चाहिए।

शान

डॉ. विरेन्द्र कुमार भारद्वाज

बड़ी ही खुशी और उल्लास से घर से चला था बटेसर अपने बेटे की नौकरी पर उससे भेंट करने। आखिर क्यों नहीं, समाहरणालय के एक बड़े पद पर उसके बेटे रंजन की नई-नई भर्ती जो हुई थी। भगवान ने कितनी बड़ी मनोकामना पूरी कर दी थी उसकी। भले ही इसमें उसके सारे खेत बिक गए थे। भूखे पेट सोना, चीथड़े गाँथ-गाँथकर रहना आदि सब संकटों से गुजरना पड़ा था, पर बेटे की पढ़ाई में तनिक कमी न रहने देता था। आज तो इसके पुराने और थोड़े-बहुत फटे-चिटे धोती-कुरता भी उसे दिव्य-से लग रहे थे। लगता था। उसको देखते ही रंजन के सहयोगी और अन्य कर्मचारी उसे तलहत्थी पर उठा लेंगे। साहब के बाबूजी आए हैं, साहब के बाबूजी आए हैं। इधर बैठिए सर, इधर बैठिए, बाबूजी। सर, बाबूजी के लिए क्या ले आऊँ? लाख कहेंगे लोग, पर मैं रंजन को मना कर दूँगा-बर्तन में जो उसकी माँ ने बनाकर दिया है, उसका सबसे प्रिय भोजन साग, भात, चोखा, चटनी। रंजन के कानो में चुपके-से कहूँगा वहीं कहीं अकेले में चलने को-देखकर तो काफी खुश हो जाएगा। और मैं भी अपार खुशी लिए अपने अफसर बेटे के साथ बिना भूख का ही पर जरूर खाऊँगा। नाना प्रकार के भावों से बटेसर की आँखें भर आई थीं।

''ऐ! ऐ! रुको, ऊपर कहाँ जाते हो? ऊपर साहब का चैम्बर है।'' धड़धड़ाकर जाते एक काले-कलूटे व्यक्ति को सिपाही ने डांटकर रोका। मुड़कर उसी लहजे में बोला बटेसर, 'तनिक तमीज से बातें करो। मैं तुम्हारे साहब का पिता हूँ।'' खुलकर हँस दिया सिपाही ने। जीवन का सबसे बड़ा पगला दिखा उसे बटेसर। अब सीढ़ियों पर उस काले-कलूटे व्यक्ति को चढ़ता देख सिपाही का क्रोध सातवें आसमान पर चढ़ गया। दौड़कर एक जोरदार लाठी दे मारी बटेसर की देह पर। चीख मारकर सीढ़ियों से लुढ़क पड़ा बटेसर। बर्तन में रखी उसके अफसर बेटे की सौगात झोले से निकलकर सीढ़ियों पर फैल गई। उस नासमझ, संवेदनहीन और निष्ठुर सिपाही ने तो अपने बाप के कलेजे के टुकड़े के प्यार को जीर्ण-शीर्ण कर दिया। यह सब देख-सुनकर एक अन्य सिपाही के मन में इस बात को ऊपर तक, और खासकर रंजन तक पहुँचाने का कौतुक जगा।

रंजन अपने सहायक अफसरों के साथ एक हॉल में मीटिंग कर रहा था। दरवाजे पर झाँकी मारते देख एक अफसर ने उसे बुलाकर कारण पूछा। सिपाही उसे किस प्रकार क्या बतलाए, सोच में पड़ गया। अंत में घबराहट में उसने सीधी बात बता दी कि रंजन सर के पिताजी को शामत सिंह नामक एक सिपाही ने एक लाठी मार दी, जिससे वे नीचे गिरे बेहोश पड़े हैं। उस अफसर ने फौरन यह बात रंजन को बताई।

रंजन के पीछे-पीछे लगभग सभी दौड़ पड़े। रंजन ने ऊपर से ही देखा कि सीढ़ियों पर भात, साग आदि बिखरे हैं तथा कुछ बर्तन में भी पड़े हैं और उसका पिता नीचे बेहोश पड़ा है। सहसा कलेजा मुँह को आ गया-क्रोध की एक जबर्दस्त लहर उठी। लगा, वह बगल में खड़े उस सिपाही के टुकड़े-टुकड़े कर दे, पर उसकी शान के नीचे सारे भाव कुचला गए। क्या कहेंगे इतने लोग कि यह काला-कलूटा और फटा-पुराना पहना आदमी उसका बाप है? क्या इससे उसकी 'शान' नहीं कम हो जाएगी? आए थे मेरा नाम हँसवाने। रंजन को इस तरह चुप रहकर देखते देख उस अफसर ने झट से पूछा, 'क्या ये आपके पिताजी नहीं हैं, रंजन बाबू?'' रंजन को लगा कि उसे बिजली छू गई। घबड़ाकर बोल पड़ा, 'पिता नहीं, पर पिता से कम भी नहीं हैं। दरअसल ये हमारे बहुत ही वफादार नौकर हैं। ये मुझे प्यार से बेटा ही कहते हैं। बहुत अच्छे आदमी हैं ये।''

बेहोश पिता के अंत:करण को लगा कि उसमें किसी ने एक विषैला तीर चुभा दिया है-'आह! इसी दिन के लिए उसने इतना कष्ट झेलकर और पेट काटकर अपने बेटे को इस काबिल बनाया था, ताकि अपनी शान के आगे वह अपने बाप को बाप भी कहने में शर्म महसूस करे और उसे नौकर तक कह डाले? यह तुमने मेरी खुशी के साथ कैसा दगा किया, बेटा? मैंने तुम्हें इतना इसलिए नहीं पढ़ाया-लिखाया था कि मुझे ज्यादा-से ज्यादा कमाकर दोगे और मै दौलत के ढेर पर बैठा रहूँगा बल्कि इसलिए कि मैं शान के साथ सबसे कह सकूँगा कि मेरा बेटा सरकार का एक बड़ा अधिकारी है। जिस एक-एक दाने पर पलकर तुम इतना बड़ा और इस काबिल हुए हो, आज उसी को तुम अपनी आँखों के सामने इस प्रकार निष्ठुरतापूर्वक बुहराते देख रहे हो? ठीक है अगर तुम्हें इस प्रकार की शान का खयाल है तो तुम अपनी जगह खुश रहो। मुझे अपनी कृपा का पात्र मत बनाना।

बेहोश, सोया और मरा बराबर होता है। अगर बटेसर जानता कि उसके बेटे ने उसे 'नौकर' कहा है तो वह वहीं मर जाना पसंद करता, पर उसके ऑफिस की गाड़ी से कभी अस्पताल न जाता।

अस्पताल

पहुँचते ही नाना प्रकार के डॉक्टर उसके इलाज में लग गए। पर अब इस रंजन को क्या हो गया कि भूखा-प्यासा रहकर अपनी गोद में अपने बाप का पैर लेकर रोते जा रहा है।

आँसुओं से तो उसके कपड़े से लेकर उसके बाप की धोती तक भीग गई है। बटेसर के पैर तो उसके अफसर बेटे के आँसुओं से नहाए जा रहे थे। उसका बेटा ग्लानि की आग में जलकर उससे माफी माँग रहा था। वह अपने पिता को अपना दागदार चेहरा किस प्रकार दिखलाएगा? किस मुँह से वह उनसे बात कर पाएगा? उसका दिल कर रहा था कि वह आत्महत्या कर ले। वह अपने आँसू अपने कपड़ों में नहीं, अपने बाप की फटी धोती में पोंछता जा रहा था। शायद उसका मूल्य समझ रहा था। आज उसके बाप की वह धोती उसे नाना प्रकार की सादगियों से विभूषित होकर बड़ी ही शानदार दिख रही थी, जिसमें निश्छलता, संयम, उदार, अथक परिश्रम और हर प्रकार के कष्टों से जूझने के भाव जगमगा रहे थे। उसका काला-कलूटा बाप उसे दिव्य रूपों में दिख रहा था, जैसे श्री कृष्ण, जैसे चाणक्य, जैसे अष्टावक्र, जैसे...। इधर वह अपने कपड़ों में अपने को नंगा, बेहया, नालायक, बेहद शर्मिन्दा और न जाने क्या-क्या महसूस कर रहा था। उसे अपनी अफसरी पर जी भर थूकने का मन होता था। क्या तो अफसरी की शान इस प्रकार की और इन्हीं व्यवहारों में है? अरे बड़ी-से बड़ी शान तो व्यक्तित्व, कीर्तित्व और सुन्दर से सुन्दर आदर्शों में निहित होती है। ऐसी शान तो खोखली, थोथी, क्षुद्र और अति निन्दनीय कहलाती है। नहीं, अब वह ऐसी शान पर थूक देगा। उसका पिता तो अपना है ही, औरों को भी भरपूर मान-सम्मान देगा। सभी को नेक नजरों से देखेगा-बूझेगा। अपने विभाग का ईमानदारी और तत्परतापूर्वक काम करने में ही अपनी आदर्श शान समझेगा। उसके पिता का भी तो यही कहना था। पिता के न चाहने पर वह आई. जी. साहब की बेटी से भी शादी न करेगा। चाहे उसका पिता उसका ब्याह किसी भिखमंगी से कर दें, खुशीपूर्वक स्वीकार कर लेगा, पर कैसे...? वह तो आत्महत्या करने जा रहा है। तनिक देर के लिए रंजन हवा हो गया। फिर अपने भावुक क्षणों पर काबू पा कर वास्तविक्ता के धरातल पर आ गया। क्या आत्महत्या करने से उसका पाप धुल जाएगा? इसके लिए तो उसे जीना होगा। अपने पिता के सपनों को साकार करना होगा। आखिर अज्ञानतावश ही तो उसने ऐसा किया है तो माँ-बाप तो अपने बाल-बच्चों को अबोध समझकर माफ कर ही देते हैं। बटेसर जैसे अपना अपमान सहकर अपने बेटे का जमीर जगाने आया था।

बटेसर ने जब होश में आकर आँखें खोलीं और वह दृश्य देखा कि इतने डॉक्टरों और इतने अच्छे-अच्छे लोगों के बीच उसका अफसर बेटा उसके बेड के नीचे बैठकर बड़ी-बड़ी बिवाइयाँ और कालिख से पुते-जैसे पैरों को अपने माथे से लगाए हुए है तो गर्व से उसकी छाती चौगुनी हो गई। साथ ही-साथ यह देखकर उसकी छाती फट गई जब उसने अपने बेटे को रोते और चेहरा सूजा पाया। बटेसर ने लपककर अपने बेटे को छाती से लगा लिया और बरसने लगे दो बादल। एक बादल से तो पहले से ही वहाँ के मौजूद लोग आश्चर्यचकित होकर भीग ही रहे थे, दो बादलों ने तो उन्हें तर-ब-तर नहला दिया और उनकी नयन-तटिनी को उमड़ने पर मजबूर कर दिया।

रेल पर्यटन व साहित्य को साथ संजोए

रेल, मंत्रालय द्वारा विगत 60 सालों से भी अधिक समय से प्रकाशित मासिक पत्रिकाओं



भारतीय रेल
(हिन्दी)

की सदस्यता अब
ऑनलाइन
भी उपलब्ध

विज़िट करें

www.irctctourism.com/IRBRmag/#/home



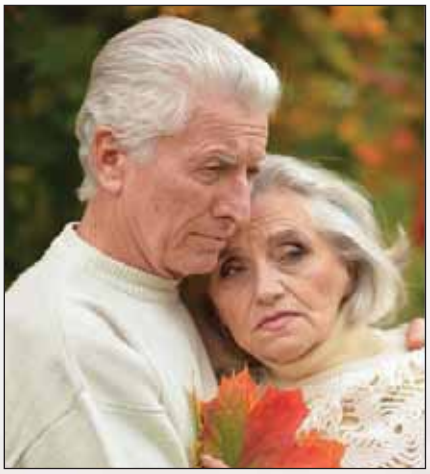
Indian Railways
(English)

शर्तें एवं दरें लागू

From: Vivek Tiwari <cprirjt@gmail.com>

बूढ़े हैं मोहताज नहीं

सुश्री विनीता आर्या



''अरे! लताजी, अब बस भी कीजिए। कितना घर को चमकाएंगी? बेटा घर आ रहा है, कोई मेहमान नहीं,'' दिनेश जी ने अपनी पत्नी लता से कहा। ''आप भी न, अरे! दो साल बाद बेटा-बहू घर आ रहे हैं। घर गंदा रहेगा तो क्या अच्छा लगेगा? बहू क्या सोचेगी कि मैं घर में साफ-सफाई का खयाल नहीं रखती। आखिर बच्चे हम से ही तो सीखते हैं घर की देखभाल करना'' लता जी ने कहा ''करो भई। हमें क्या? लगे रहो'' दिनेश जी ने कहा। ''सुनते हो जी, इस बार पीयूष से हमारे साथ चलने के बारे में बात करेंगे न? अब बच्चों के बगैर मन नहीं लगता।'' लता जी ने आग्रह करते हुए कहा। ''हाँ हाँ! तुम चिंता मत करो। मैं पीयूष से जरूर बात करूंगा और वैसे भी बेटा है हमारा। जाने के लिये पूछने की क्या जरूरत है? मना थोड़े ही करेगा? देखना, मेरे बोलने से पहले ही वो खुद हमें ले जाने की बात छेड़ देगा। वो कौन-सा रह पाता होगा हमारे बगैर?'' दिनेश जी ने कहा। ''फिर भी आजकल के बच्चे हैं। हो सकता है कि बूढ़े माँ-बाप को साथ रखना उन्हें पसंद न आए।'' लता जी ने कहा।

''तुम भी न कुछ भी सोचती हो। बेटा है हमारा। उसकी रगों में हमारा खून बहता है। हमसे मुंह थोड़ी न मोड़ेगा? उसे नहीं पता क्या कि उसे काबिल बनाने के लिए हमने कितना संघर्ष किया है? चलो, अब तुम ये सब काम बंद करो और थोड़ा आराम कर लो, वरना तबीयत खराब हो जाएगी।'' दिनेश जी ने पत्नी लता से कहा। दूसरे दिन पीयूष और बहू संध्या घर आ गए। बेटे-बहू के घर आने से पूरे घर में खुशी का माहौल था। लता जी ने पूरे हफ्ते बेटे-बहू की हर पसंद का खयाल रखा। एक पल का भी चैन नहीं लिया। अब उनके जाने में एक ही दिन बचा था। शाम के वक्त पीयूष ने माँ-पापासे कहा। ''मम्मा-पापा, आप लोग भी अपना सामान पैक कर लीजिएगा। अब आप लोग अकेले रहें, ये अच्छा नहीं लगता। कोई देख-रेख के लिए भी तो होना चाहिए। अच्छा, अब रात बहुत हो गई है, हमें कल निकलना भी होगा। समय कम बचा है।''

पीयूष के मुँह से जाने की बात सुनकर मारे खुशी के माता-पिता की आंखें भर आईं। एक दूसरे की तरफ देखा और मुस्करा दिए। सोचने लगे, हमारे बोलने से पहले ही बेटे ने हमारे मन की बात कैसे जान ली? लता जी और दिनेश जी आज खुद को मन ही मन सबसे धन्य माँ-बाप समझ रहे थे।

उत्साहित होकर माँ ने कहा, ''बेटा, तुमने हमारे मन की बात कैसे भांप ली कि अब हम तुम्हारे बगैर नहीं रह सकते और तुम्हारे साथ जाना चाहते हैं।'' ''मम्मा, आप गलत समझ रही हैं। आप लोग हमारे साथ नहीं जा रहे हैं।'' पीयूष ने कहा। ''मतलब? हमें कुछ समझ नहीं आया। तुम्हारे साथ नहीं जा रहे हैं तो फिर हम कहाँ जा रहे हैं?'' माँ ने पूछा। 'ओल्ड एज होम,' पीयूष ने स्पष्ट शब्दों में कहा। ''ओल्ड एज होम'' पर क्यों?'' ''वो इसलिए मम्मा, क्योंकि यहाँ आपको देखने वाला कोई नहीं। वहाँ रहेंगे तो आप दोनों की देखभाल बनी रहेगी, वहाँ आप जैसे कई पेरेंट्स रहते हैं और आपको वहाँ अकेलापन भी महसूस नहीं होगा। पीयूष ने कहा।'' ''लेकिन बेटा, तुम्हारे और संध्या के होते हुए हमें 'ओल्ड एज होम' जाने की क्या जरूरत है? हम तुम्हारे साथ चलेंगे, वहाँ नहीं जाएंगे।'' ''देखिए माँ, मैं और संध्या तो जॉब पर जाते हैं। आपकी देख-भाल ठीक से नहीं कर पाएंगे और वैसे भी साथ रहने से लड़ाई-झगड़े बढ़ते हैं। दूर रहेंगे तो प्यार बना रहेगा। और फिर दिक्कत ही क्या है? जैसे यहाँ रहना है वैसे वहाँ। हम हर महीने पैसे भिजवाते रहेंगे। ''हमें वहाँ जाने की क्या जरूरत,'' हम यहीं ठीक हैं।'' माँ ने कहा। मैं नहीं चाहता कि लोग कहें कि मुझे अपने माता-पिता की बिल्कुल चिंता नहीं। अब मैं और बात नहीं करना चाहता इस बारे में। बस, आप लोग सामान पैक कर लीजिए। आप लोगों को वहाँ छोड़कर हम निकल जाएंगे, सारी बात मैंने पहले ही कर ली है आपको कोई दिक्कत नहीं होगी वहाँ। हमारा भी टेंशन खत्म हो जाएगा।'' पीयूष ने अपना अंतिम फैसला सुनाते हुए कहा।

अपने बेटे के मुँह से ऐसी बाते सुनकर उसके माँ-पापा को यकीन ही नहीं हुआ कि पीयूष उनका वही बेटा है जो उन पर जान छिड़कता था। विश्वास ही नहीं हो रहा था अपने कानों पर। हाथ-पाँव सुन्न पड़ गए थे दोनों के। वो बेटा, जिसकी हर छोटी से छोटी खुशी पूरी करने के लिए हमने अपनी हर खुशी त्याग दी, अपने सामर्थ्य से बढ़कर पढ़ाया-लिखाया, काबिल बनाया। उसके प्रति हर जिम्मेदारी को बखूबी निभाया। आज जब उसका वक्त आया तो वो हमें अपनी जिम्मेदारी नहीं बल्कि बोझ समझ रहा है। दिनेश जी तो कुछ बोल ही नहीं पाए। माता-पिता की पूरी रात करवटों में ही निकल गई। अपनों के द्वारा मिले घाव से हृदय अंदर तक छलनी हो रहा था। होंठो पर कई शिकवे-गिले थे, पर कहें भी तो किससे? अब मन की बात सुनने वाला था कौन? आज अपनी ही परवरिश पर सवाल उठ रहा था।

पत्नी को भी विचलित होते देख दिनेश जी ने पूछा, ''क्या हुआ लता? नींद नहीं आ रही,?'' आपने आंसुओं को छुपाते हुए लता जी ने कहा। ''नहीं जी, वो सिर दर्द की दवाई लेने से थोड़ी बेचैनी-सी हो रही है,'' लेकिन दिनेश जी पत्नी की बैचेनी का कारण अच्छे से समझ रहे थे। ''कल जल्दी जगा देना। सामान पैक करना है।'' लता जी ने कहा। ''ठीक है,'' दिनेश जी ने जवाब दिया।

दूसरे दिन पीयूष ने माँ से कहा, ''चलिए माँ, लेट हो रहे हैं। पापा को बुला लीजिए।'' दिनेश जी आए तो पीयूष ने कहा, ''चलिए मम्मा-पापा, अब हम निकलेंगे'' बेटे की बात सुनकर दिनेश जी ने कहा, ''मिस्टर पीयूष, हम नहीं सिर्फ तुम निकलोगे यहाँ से।'' पीयूष ने अचम्भे से पिता की तरफ देखा। दिनेश जी ने पीयूष से कहा, ''आज से तुम खुद को हमारा बेटा कहने का हक खो चुके हो। हमारा-तुम्हारा कोई संबंध नहीं। जो बेटा अपनी माँ की आँखों में छुपे हुए आँसू न देख पाए, माँ की बेचैनी न समझ पाए, पिता के मन की बात न समझ पाए, ऐसे बेटे से तो हम बेऔलाद ही सही। मान लेंगे कि हमारा पीयूष नाम का कोई बेटा था ही नहीं। मैं बूढ़ा जरूर हो गया हूँ, लेकिन आज भी तुम पर मोहताज नहीं हूँ। आज भी इस बूढ़े शरीर में वो ताकत है जो अपनी आखिरी सांस तक अपनी पत्नी की जिम्मेदारी को बखूबी निभा सकता है। जो माँ-बाप अपने बच्चों की उंगली पकड़ कर उन्हें चलना सिखाते हैं, उन्हें पाल-पोसकर समाज में रहने के काबिल बनाते हैं, उनकी हर खुशी के लिए अपना सब कुछ त्याग देते हैं वो खुद को भी पाल सकते हैं। हमें तुम्हारी कोई जरूरत नहीं। आज से हमने तुम्हें इस घर से ही नहीं बल्कि इस दिल से भी निकाल दिया है।''

माँ-बांप बच्चों से उनके बुढ़ापे में प्यार और स्नेह की उम्मीद करते हैं, 'रहम' की नहीं और दिनेश जी ने पीयूष को हमेशा के लिए जाने के लिए बोल दिया। यह सब देख लता जी रोने लगी तो दिनेश जी ने कहा, ''दु:खी मत हो लता। बेटा अपना न हुआ तो क्या, जिंदगी में जीने की कई वजह हैं'' और दिनेश जी अपनी पत्नी को लेकर 'ओल्ड एज होम' गए और बोले, ''ये देखो लता, ये सभी माता-पिता अपने बच्चों द्वारा किए गए दुर्व्यवहार का शिकार हैं। आज से हम भी रोज यहाँ कुछ देर के लिए आएंगे, इनके साथ समय बिताएँगे और इनके लिए जो भी हमसे बन पड़ता है, मदद करेंगे। हो सकता है कि इससे इनका और हमारा दर्द कुछ कम हो सके।''

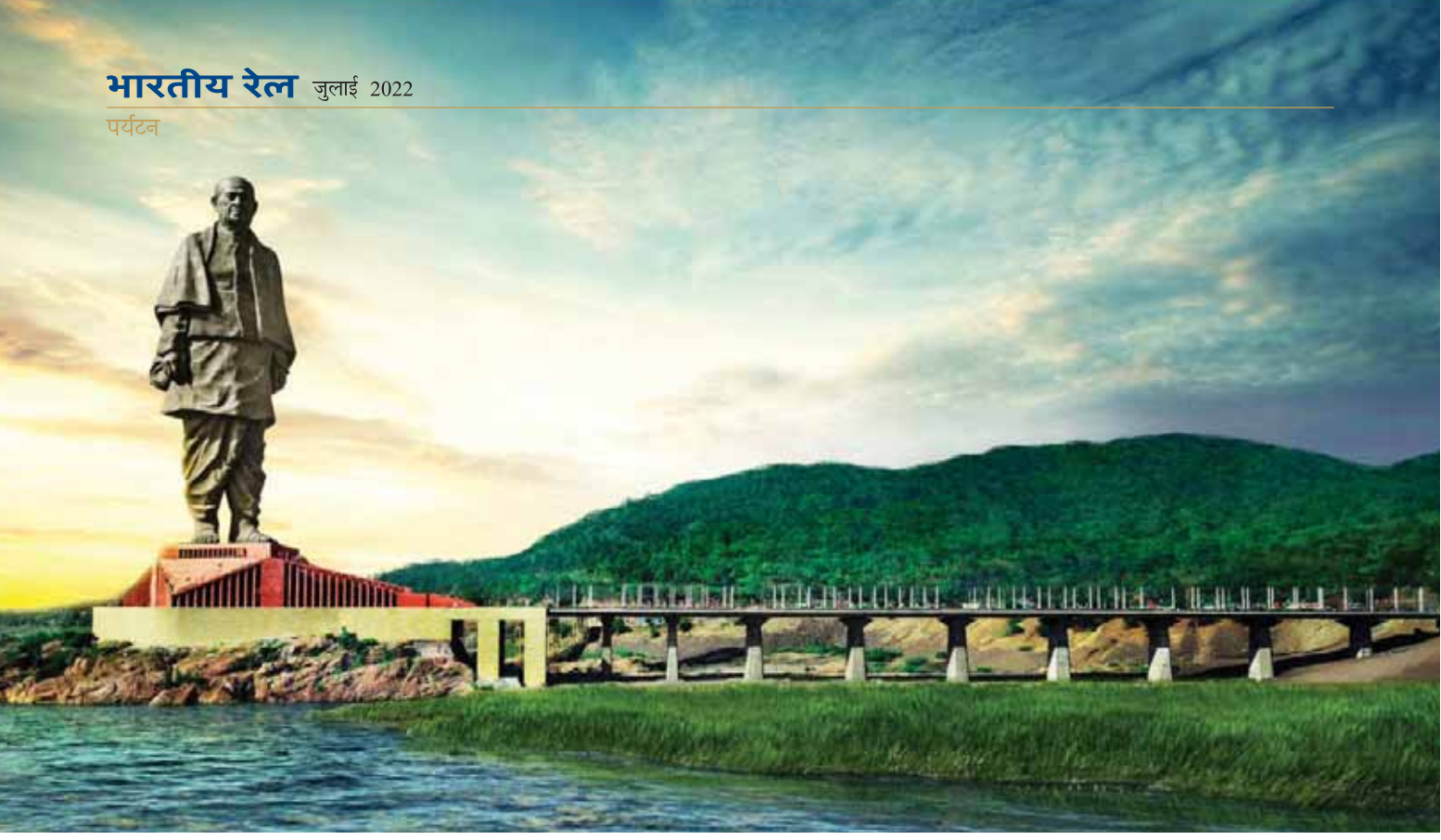
बहुत दु:खद, है पर समाज का आईना है 'ओल्ड एज होम'। माता-पिता अपने बच्चों के लिए अपना सब कुछ दांव पर लगा देते हैं, लेकिन वो ही बच्चे जब बड़े होकर उन्हें ठोकरें खाने के लिए छोड़ देते हैं तो उनके दिल पर क्या बीतती होगी, शायद इसका एहसास तब होता होगा जब वो खुद इस दौर से गुजरते होंगे।

वैसे तो 'ओल्ड एज होम' सरकारी और निजी संस्थाओं द्वारा उन बुजुर्गों के लिए बनाए गए थे, जिनके बच्चे नहीं होते थे या कोई उनकी देखभाल करने वाला नहीं होता था ताकि ओल्ड एज होम में ऐसे बुजुर्गों को आश्रय, खान-पान, स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं के साथ-साथ अन्य सुविधाएं भी मिल सकें। ये इन संस्थाओं की एक अच्छी पहल थी, लेकिन कुछ सालों में इन होम्स में बढ़ती बुजुर्गों की संख्या चिंता का विषय बन गई है। आज के बच्चे आधुनिक और हस्तक्षे परहित जीवनशैली के कारण अपने माता-पिता की जिम्मेदारी व उनके प्रति अपने कर्तव्यों से छुटकारा पाना चाहते हैं। ऐसा नहीं है कि सभी बच्चे इस दिशा की ओर हैं। कुछ उदाहरण ऐसे भी देखे जाते हैं जहाँ बच्चे माता-पिता की पूरी जिम्मेदारी निभाते हैं। हम सराहना करते हैं ऐसे बच्चों की, जो अपना कर्तव्य बखूबी निभाना जानते हैं। कहीं न कहीं ओल्ड एज होम में बुजुर्गों के बढ़ते हुए आंकड़े यह सोचने को मजबूर करते हैं कि जहाँ आज की पीढ़ी में आधुनिकता, कॅरियर, आकांक्षाओं के प्रति जागरूकता तो बढ़ी है मगर उनमें संस्कार, नैतिक मूल्यों का क्षरण भी हो रहा है। हम निंदा करते हैं ऐसे बच्चों की जो माता-पिता का हाथ पकड़कर सफलता की सीढ़ी पर तो चढ़ जाते हैं, पर सीढ़ी पर पहुँचकर उनका ही हाथ छोड़ देते हैं। उन्हें अपमानित करते हैं या किसी भी प्रकार का दुर्व्यवहार करते हैं ऐसे बच्चों को ये कभी नहीं भूलना चाहिए कि जिस सफलता का गुरूर उनके व्यवहार में दिख रहा है, उसके पीछे उनके माता-पिता का त्याग और संघर्ष छुपा हुआ है।

इसलिए आप सबसे अनुरोध है कि अपने माता-पिता को प्यार, सम्मान और सहारा दें क्योंकि वो इसके असली हकदार है।'

आज के बदलते परिवेश में माता-पिता को भी चाहिए कि वो अपना सर्वस्व देकर बच्चों पर पूरी तरह से निर्भर न हों बल्कि अपने आने वाले समय के बारे में सोचते हुए आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर रहें। साथ ही, यह सुनिश्चित करें कि अगर वृद्धावस्था में बच्चों ने साथ नहीं दिया तो वे क्या विकल्प चुन सकते हैं।





स्टेच्यू ऑफ यूनिटी

श्री आकाश श्रीवास्तव

भारत ही नहीं दुनिया के पर्यटन के मानचित्र पर 'स्टेच्यू ऑफ यूनिटी' ने चंद सालों में ही अपनी एक अलग पहचान बना ली है। गुजरात में विंध्याचल और सतपुड़ा पर्वतश्रृंखला के बीच बहती नर्मदा के तट पर खड़ी सरदार वल्लभ भाई पटेल की 182 मीटर ऊंची विश्व की सबसे ऊंची गगनचुंबी मूर्ति 'स्टेच्यू ऑफ यूनिटी' ने केवड़िया के बंजर गांवों के भाग्य खोल दिए हैं। सरदार सरोवर बांध की कल-कल बहती धारा केवड़िया के आसपास के इलाकों में विकास की गंगा बहा रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को केवड़िया हमेशा से आकर्षित करता रहा है। यहां पर्यटन की अपार संभावनाओं को उन्होंने साकार कर दिया है। आसपास के प्रमुख पर्यटन स्थलों में फूलों की घाटी, आरोग्य उपवन, एकता नर्सरी, टेंट सिटी, ईको टूरिज्म जंगल सफारी, कैक्टस गार्डेन, बटरफ्लाई गार्डेन, नौका विहार और रिवर राफ्टिंग आदि शामिल हैं। सभी स्थल सरदार सरोवर बांध और स्टेच्यू ऑफ यूनिटी के आसपास ही स्थित हैं।

जानिए स्टेच्यू ऑफ यूनिटी को

'स्टेच्यू ऑफ यूनिटी' भारत के प्रथम उप प्रधानमंत्री तथा देश के पहले गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल को समर्पित एक भव्य स्मारक है। स्टेच्यू ऑफ यूनिटी का उद्घाटन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 31 अक्टूबर, 2018 को सरदार पटेल के जन्मदिवस के मौके पर किया गया था। 'लौह पुरुष' सरदार पटेल की स्मृति में यह विशाल स्मारक लोहे से ही बनाया गया है। मूर्ति के बाहरी भाग में तांबे का लेप लगाया गया है। दावा किया गया है कि सौ साल तक मूर्ति के रंग में कोई अंतर नहीं पड़ेगा।

स्टेच्यू ऑफ यूनिटी की पूरी मूर्ति तीन हिस्सों में विभाजित है, जिसमें प्रदर्शनी फ्लोर, छज्जा और छत शामिल हैं। छत पर स्मारक उपवन, विशाल संग्रहालय तथा प्रदर्शनी हॉल है, जिसमें सरदार पटेल की जीवनी तथा योगदानों को दर्शाया गया है। नदी से 500 फिट ऊँचाई पर ऑब्जर्वर डेक का भी निर्माण किया गया है जिसमें एक ही समय में दो सौ लोग मूर्ति के अंदरूनी भाग के साथ नर्मदा नदी के आस-पास के सौंदर्य को निहार सकते हैं।

केवड़िया में स्टेच्यू ऑफ यूनिटी एरिया डेवलपमेंट एंड टूरिज्म अथॉरिटी का गठन किया गया है। नर्मदा के पास सतपुड़ा के पहाड़ों पर कैक्टस गार्डेन विकसित किया













गया है। इसके तहत जंगल सफारी, विश्व वन, आरोग्य वन, एकता नर्सरी, कैक्टस गार्डन, वैली ऑफ फ्लॉवर्स, न्यूट्रीशन पार्क का निर्माण किया जा रहा है। इसके तहत रोजगार संबंधी गतिविधियां बढ़ाई जा रही है जिसमें महिला सेल्फ हेल्प ग्रुप के मार्फत हर्बल साबुन बनाना और पौधों के रखरखाव आदि की योजना बनाई गई है। आरोग्य उपवन 17 एकड़ में है, जिसमें जड़ी बूटी वाले पांच लाख पौधे लगाए गए हैं। यहां वेलनेस सेंटर भी चलता है। सरदार सरोवर बांध और स्टेच्यू ऑफ यूनिटी पर रात में लेजर लाइट और साउंड शो का आयोजन किया जाता है, जिसे देखते ही बनता है। स्टेच्यू के इर्द-गिर्द बसे 22 गांवों के 116 आदिवासी घरों को चिन्हित किया गया है, जहां 225 कमरे तैयार किए गए हैं। इन कमरों को पर्यटकों को किराए पर दिया जाएगा। होटल, रिसॉर्ट, गेस्ट हाऊस के अलावा शानदार टेंट सिटी बनकर तैयार है। राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय आयोजन के लिए भी यह स्थल तैयार हो चुका है। गुजरात सरकार के अनुसार स्टेच्यू ऑफ यूनिटी को देखने के लिए पिछले साल तक 40 लाख पर्यटक आ चुके थे। यह संख्या अमरीका के स्टेच्यू ऑफ लिबर्टी और ताजमहल की संख्या को मिलाकर भी ज्यादा है।

स्टेच्यू ऑफ यूनिटी के 100 किमी के दायरे में बसे लोगों का सामाजिक व आर्थिक विकास तेजी से शुरू हो चुका है। स्टेच्यू ऑफ यूनिटी के बारे में जानकारी देने के लिए यहां महिला गाइड को रखा गया है। उन्हें इसका प्रशिक्षण भी दिया गया है। संस्कृत भाषा में जानकारी देने के लिए भी महिला गाइड रखी गई हैं। प्रत्येक पर्यटन स्थल का दायित्व स्थानीय लोगों के हाथ में सौंपा गया है। कैफेटेरिया अथवा रेस्टोरेंट आदिवासी महिलाएं खुद चलाती हैं, जहां सिर्फ और सिर्फ स्थानीय खान-पान ही उपलब्ध कराया जाता है।

स्टेच्यू ऑफ यूनिटी के नीचे नर्मदा नदी में सुख-सुविधाओं से लैस क्रूज का संचालन होता है। 375 एकड़ में फैले पहाड़ी व वन क्षेत्र में जंगल सफारी है, जिसमें सैकड़ों पशु-पक्षियों का बसेरा है। यहां ऑस्ट्रेलिया के कंगारू से लेकर दक्षिण अमेरिका के लामा जैसे पशुओं को भी संरक्षित किया गया है। इसी तरह अफ्रीका





के तमाम पशुओं को रखा गया है। चिल्ड्रेन न्यूट्रीशन पार्क अत्याधुनिक संसाधनों और बच्चों के मनोविज्ञान की सोच से परिपूर्ण है। एकता रेलवे स्टेशन से लेकर स्टेच्यू ऑफ यूनिटी तक और आस-पास के 10 गांवों तक जमीन की खरीद फरोख्त पर प्रतिबंध लग चुका है। यदि किसी को जमीन को खरीदना और बेचना है तो वह यहां गठित स्टेच्यू ऑफ यूनिटी विकास प्राधिकरण के जरिए ही कर सकता है।

केवड़िया के विकास में एकता नगर रेलवे स्टेशन का योगदान

केवड़िया के विकास में केवड़िया का रेलवे स्टेशन जिसका नाम बदलकर अब एकता नगर कर दिया गया है, भी कदम से कदम मिलाकर चल रहा है। क्योंकि किसी खूबसूरत स्थल तक पहुंचने के लिए आवागमन की सुगमता होना आवश्यक है। स्टेच्यू ऑफ यूनिटी तक पहुचंने के लिए यह रेलवे स्टेशन सेतु का काम कर रहा है। एकता नगर रेलवे स्टेशन, देश के प्रमुख रेल संपर्क मार्ग से जुड़ चुका है। एकता नगर रेलवे स्टेशन से औसतन रोजाना 5 रेलगाड़ियां चलती हैं। पर्यटक केवड़िया के लिए दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, अहमदाबाद, वाराणसी, प्रतापनगर और मध्य प्रदेश के रीवा से ट्रेनें ले सकते हैं और स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पहुंच सकते हैं।



एकता नगर रेलवे स्टेशन से स्टेच्यू ऑफ यूनिटी लगभग 6 किमी दूर है। केवड़िया रेलवे स्टेशन का नाम एकता नगर करने के पीछे तर्क दिया जाता है कि सरदार पटेल के भारत को एक सूत्र में बांधने के लिए भारतीय रियासतों को भारत में विलय कराने में महत्त्वपूर्ण योगदान को देखते हुए एकतानगर रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर एकता नगर किया गया। 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' को देखने आने वाले पर्यटक केवड़िया रेलवे स्टेशन पर ही राज्य के समृद्ध सांस्कृतिक इतिहास का अनुभव कर सकते हैं। बता दें कि रेलवे स्टेशन के ऊपरी तल पर एक व्यू पॉइंट बनाया गया है जहां से स्टेच्यू ऑफ यूनिटी जो स्टेशन से 6 किमी दूर है, देखा जा सकता है। साथ ही आस-पास के इलाकों के सौंदर्य रूप को स्टेशन से ही निहारा जा सकता है।

केवड़िया के आस-पास के मनोरम दृश्यों को देखने के लिए विस्टाडोम कोच

अहमदाबाद से केवड़िया के बीच की दूरी लगभग दो सौ किमी है। इसके बीच चल रही जनशताब्दी एक्सप्रेस में विस्टाडोम कोच सबका ध्यान तो खींच ही रहा है, अपने आप में यह अनूठा भी है। भारतीय रेल ने इस विस्टाडोम कोच को स्टेट-ऑफ-द-आर्ट तरीके से तैयार करवाया है। न सिर्फ यात्रियों के आराम बल्कि मनोरंजन और यात्रा के रोमांच को बढ़ाने के हिसाब से इसे तैयार करवाया गया है। जनशताब्दी एक्सप्रेस में लगे इस कोच को चेन्नई स्थित आईसीएफ में बनाया गया है। कोच में यात्रियों के लिए बड़ा ऑब्जर्वेशन लाउंज है, जहां खड़े होकर वो केवड़िया तक के मनोहारी रूट को निहार सकते हैं और चाहें तो फोटोग्राफी भी कर सकते हैं। इस कोच में यात्रियों के लिए जो रेक्लाइनर सीटें हैं, वो 180 डिग्री घूम सकती हैं यानी दाएं और बाएं, दोनों तरफ की खिड़कियों से आप नजारे देख सकते हैं। इस कोच में 44 सीटों के साथ ही दोनों सिरों पर ऑटोमैटिक स्लाइडिंग दरवाजे और कांच का रूफटॉप है, जो इसकी सुंदरता में चार चांद लगाता है। नाश्ते की टेबल फ्लाइट की तरह फोल्ड की जा सकने वाली हैं। एंटरटेनमेंट के लिए डिजिटल स्क्रीन और स्पीकरों की व्यवस्था भी इस कोच में है। साथ ही, जीपीएस और वाई फाई की सुविधा भी है। मिनी पैंट्री के साथ कॉफी मेकर, वॉटर कूलर, ओवन, फ्रीज के अलावा सामान रखने के लिए कई लेवलों का कंपार्टमेंट भी इस कोच को खास बनाता है।

सिर्फ इलेक्ट्रॉनिक वाहन चलाने की अनुमति

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के आदिवासी बहुल नर्मदा जिले के केवड़िया क्षेत्र को देश का पहला इलेक्ट्रिक वाहन शहर बनाने की घोषणा की थी। स्टेच्यू ऑफ यूनिटी क्षेत्र विकास और पर्यटन संचालन प्राधिकरण (एसओयूएडीटीजीए) के अनुसार केवड़िया में देश का पहला इलेक्ट्रिक व्हीकल-ओनली एरिया विकसित किया जा रहा है। जहां केवल इलेक्ट्रिक वाहनों को आवाजाही की अनुमति है। स्टेशन पर उतरने के बाद बैट्री से चलने वाले वाहन से ही स्टेच्यू ऑफ यूनिटी तक पहुंचा जा सकता है। निजी वाहन पूरी तरह से प्रतिबंधित हैं।

स्टेच्यू ऑफ यूनिटी पर्यटन स्थलों में स्थलों में आने का सबसे अच्छा मौसम सितंबर से फरवरी के बीच का है। बाकी समय में यहां गर्मी पड़ती है।



प्रतिपल नियराती मृत्यु का जश्न : आनन्द

श्री रूप कृष्ण आहूजा

हमारे सिने जगत् में हर कालखंड में विभिन्न विषयों पर अनेक फ़िल्में बनी और प्रदर्शित हुई हैं। इनमें से एक ओर कई फ़िल्में बड़े बजट और भव्य सितारों को लेकर बनाई गईं व जिनके बनकर प्रदर्शित होने में काफ़ी समय भी लगा, वहीं दूसरी ओर कुछेक फ़िल्मों का निर्माण बेहद सीमित बजट और कम समय में हुआ। साथ ही, इनमें से कइयों ने आशातीत सफलता भी पाई। सत्तर के दशक में ऐसी ही एक फ़िल्म रिलीज़ हुई थी–आनन्द। प्रस्तुत हैं, इसके निर्माण व निर्देशक से जुड़े कई दिलचस्प प्रसंग।

सन् 1964 में निर्माता-निर्देशक ऋषिकेश मुखर्जी की एक फ़िल्म 'अनाड़ी' प्रदर्शित हुई थी। राज कपूर, नूतन, ललिता पवार और मोती लाल आदि कलाकारों से सजी यह फ़िल्म अपने कर्णप्रिय गीत-संगीत के साथ एक बड़ी हिट साबित हुई थी। ऋषिदा और राज कपूर की आपस में गहरी दोस्ती थी। ऋषिदा राज को 'राज' और राज कपूर उन्हें 'बाबू मोशाय' कहकर बुलाते थे। इन्हीं दिनों ऋषिदा ने एक कहानी लिखी और यह तय किया कि वे जब कभी इस कहानी पर फ़िल्म बनाएँगे तो इसमें बतौर नायक राज कपूर को ही लेंगे।

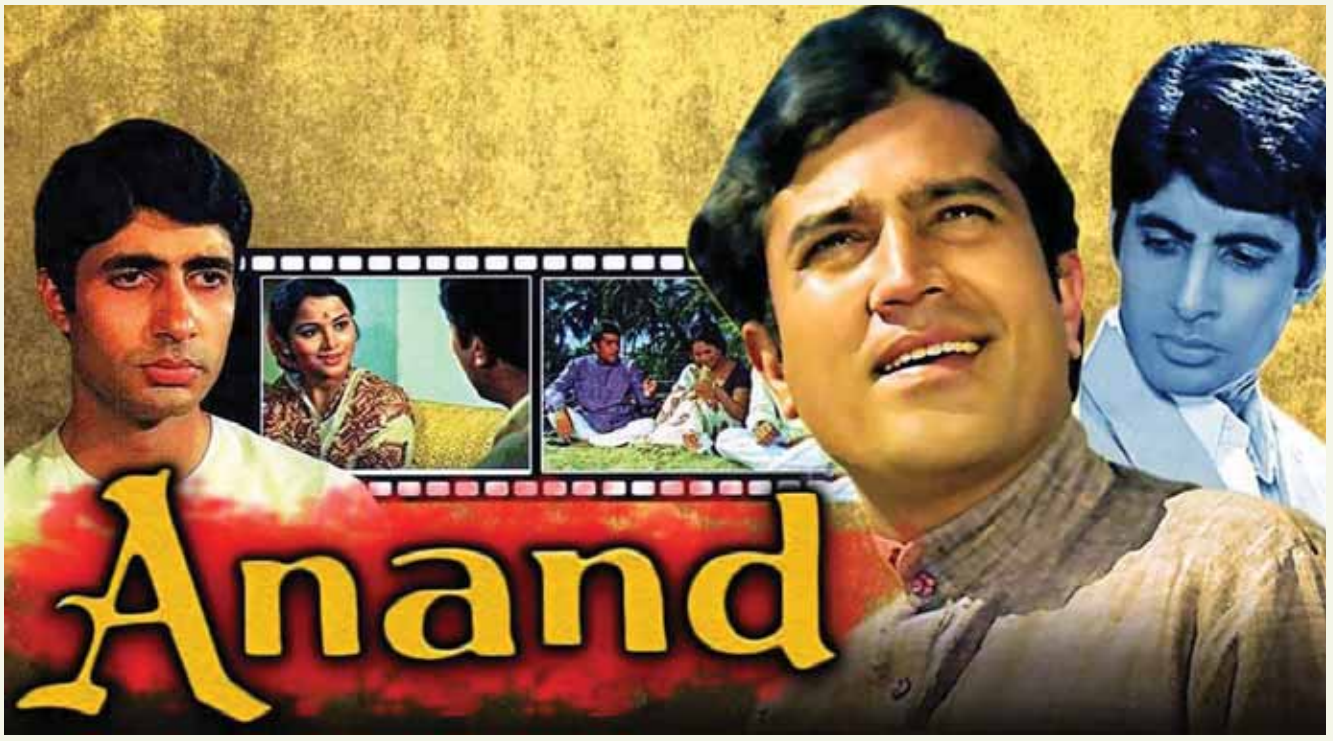
समय गुज़रता रहा। कुछ वर्षों बाद जब उन्हें उक्त कहानी पर फ़िल्म बनाने का ख़याल आया तो राज कपूर हीरो दिखने वाली उम्र पार कर चुके थे। सो, उन्हें हीरो की भूमिका में लेना अब प्रासंगिक नहीं रहा था। दरअसल, ऋषिदा को हीरो की भूमिका के लिए एक परिपक्व, संवेदनशील और ठहराव वाले चेहरे की तलाश थी। फिर, इस रोल के लिए उन्होंने शशि कपूर से बात की, लेकिन शशि कपूर ने फ़िल्म की कहानी सुनते ही इसमें काम करने से मना कर दिया क्योंकि कहानी के अनुसार फ़िल्म का हीरो फ़िल्म के अन्त में मर जाता है।

इसके बाद उन्होंने बांग्ला फ़िल्मोद्योग के प्रसिद्ध अभिनेता उत्तम कुमार से सम्पर्क किया, पर बात यहाँ भी नहीं बनी। अब उन्होंने किशोर कुमार को फ़िल्म में लेने का मन बनाया। किशोर कुमार तैयार हो गए, लेकिन अगले दिन जब ऋषिदा उन्हें कहानी सुनाने उनके बंगले पर पहुँचे तो मेन गेट पर खड़े दरबार ने उन्हें किशोर कुमार से मिलने देना तो दूर, बंगले में ही घुसने नहीं दिया। ऋषिदा ने उसे समझाने की बड़ी कोशिश की, पर सब बेकार। हताश-निराश ऋषिदा गुस्से में उल्टे पाँव लौट आए।

इसी दौरान उस समय के सुपर स्टार और बेहद व्यस्त अभिनेता राजेश खन्ना यानि काका को किसी के माध्यम से इस फ़िल्म की कहानी के प्लॉट के बारे में पता चला। नि:सन्देह कहानी बेहद सशक्त और कसी हुई थी। काका इसे हाथ से जाने नहीं देना चाहते थे। उस समय फ़िल्म जगत् में उनकी तूती बोलती थी। उनके बारे में मशहूर था–ऊपर आका नीचे काका। वह उस फ़िल्म के हीरो की भूमिका के लिए पूरी तरह फिट थे।

ऋषिदा काका की अभिनय क्षमता





से परिचित थे, पर वह जानते थे कि काका अपने बेहद व्यस्त शेड्यूल में से उनकी फ़िल्म के लिए पर्याप्त समय नहीं निकाल पाएँगे। साथ ही, काका की भारी-भरकम फ़ीस और सेट पर उनकी लेट लतीफ़ी के क़िस्से भी चर्चा में थे।

काका ने उनकी सभी शंकाओं को नकारते हुए उन्हें इस फ़िल्म को एक ही शेड्यूल में पूरा करने का भरोसा दिलाया और अपनी फ़ीस के स्थान पर फ़िल्म के मुम्बई सर्किल में वितरण के अधिकार लेना मंजूर किया। इस तरह उन्हें मुख्य भूमिका के लिए साइन कर लिया गया। कहना न होगा कि फ़िल्म के प्रदर्शन से प्राप्त आय उनकी फ़ीस की रकम कहीं अधिक रही थी।

इससे पूर्व ऋषिदा फ़िल्म 'गुड्डी' बना चुके थे जिसमें नवोदित नायिका जया भादुड़ी (अब बच्चन) के साथ नायक के रूप में पहले अमिताभ बच्चन को लिया गया था, पर कुछ दिनों की शूटिंग के बाद ऋषिदा ने उन्हें इस फ़िल्म से अलग कर दिया था, इस आश्वासन के साथ कि निकट भविष्य में वह उन्हें मौक़ा अवश्य देंगे। सो, फ़िल्म में डॉक्टर भास्कर बैनर्जी की भूमिका के लिए उन्हें लिया गया। पूरी फ़िल्म में काका उन्हें 'बाबू मोशाय' कहकर सम्बोधित करते हैं जोकि राज कपूर के लिए एक आदरांजलि व्यक्त करता है।

किसी भी फ़िल्म का एक महत्त्वपूर्ण पक्ष उसका गीत-संगीत होता है। बहुत कम लोग जानते होंगे कि स्वर कोकिला लता मंगेशकर ने कई मराठी फ़िल्मों में 'आनन्दघन' के नाम से संगीत निर्देशन किया है। ऋषिदा यह जानते थे और चाहते थे कि इस फ़िल्म में भी संगीत वही दें, किन्तु लता जी ने मना कर दिया। तब लगभग बिसरा दिए गए संगीतकार सलिल चौधरी के साथ दो गीतकारों-योगेश और गुलज़ार को अवसर मिला। फ़िल्म के चार गीतों में से दो गीत *न जिया जाए न* और *मैंने तेरे लिए ही सात रंग के सपने बुने* गुलज़ार ने व शेष दो गीत *ज़िन्दगी कैसी है पहेली हाय* और *कहीं दूर जब दिन ढल जाए* योगेश ने लिखे। ऋषिदा गीत *ज़िन्दगी कैसी है पहेली हाय* को पहले फ़िल्म की नामवली के पार्श्व गीत के रूप में प्रयोग करना चाहते थे, किन्तु काका के इसरार करने पर इसे उन्हीं पर फ़िल्माया गया, जिसमें वह समुद्र के किनारे हाथ में गुब्बारे थामे हुए टहलते-गाते नज़र आते हैं। फ़िल्म के अन्य कलाकारों के अलावा जिन दो कलाकारों के भावप्रवण अभिनय विशेष रूप से उल्लेखनीय रहे, वे हैं-मैट्रन डीसा के रूप में अभिनेत्री ललिता पवार व हँसोड़ कलाकार की टाइप्ड भूमिकाओं से हटकर नाट्यकर्मी ईसा भाई सूरतवाला के रोल में अभिनेता जॉनी वॉकर। फ़िल्म की नामावली में फ़िल्म को 'राज कपूर को समर्पित' बताया गया है।

पूरी तरह से फ़्लैशबैक में बनी फ़िल्म 'आनन्द' रिकार्ड 28 दिनों में बनकर तैयार हुई और 12 मार्च, 1971 को देशभर में रिलीज़ हुई। दर्शकों द्वारा प्राप्त भरपूर सराहना के साथ इसे उस वर्ष की सर्वश्रेष्ठ फ़िल्म सहित छह फ़िल्म फ़ेअर पुरस्कारों से नवाज़ा गया।

इस फ़िल्म के संगीत से जुड़ा एक रोचक तथ्य यह भी है कि सलिलदा द्वारा फ़िल्म 'मेरे अपने' के लिए संगीतबद्ध गीत *कोई होता जिसको अपना* की धुन को इस फ़िल्म (तथा बाद में फ़िल्म 'अचानक' में भी) के अन्त में पार्श्व धुन के रूप में इस्तेमाल किया गया। फ़िल्म के गीत-संवादों के लांग प्ले रेकॉर्ड में चयनित संवादों का श्रेय भी ऋषिदा को जाता है, जिसे रेकॉर्ड के कवर के पृष्ठ भाग (व बाद में ऑडियो कैसेट के इन-ले कार्ड पर भी) पर छपा देखा जा सकता है।

फ़िल्म का अन्तिम संवाद *आनन्द मरा नहीं, आनन्द मरते नहीं* आज भी इसकी जीवन्तता को बनाए हुए है।

अपना ज्ञान टटोलें

1 **किस उत्पादन इकाई ने पहले 3एसी इकोनॉमी कोच का निर्माण किया है?**

(क) इंटीग्रल कोच फैक्ट्री, चेन्नई | (ख) आरसीएफ, कपूरथला | (ग) इंटीग्रल कोच फैक्ट्री, पेराम्बूर | (घ) चित्तरंजन रेल इंजन कारखाना

2 **पहले रेलवे स्टेशन (उपनगरीय) का नाम बताइए जो पूर्णतया महिला रेलकर्मियों द्वारा संचालित है।**

(क) माटुंगा रेलवे स्टेशन, मध्य रेल | (ख) गांधीनगर, पश्चिम रेलवे | (ग) दादर रेलवे स्टेशन, मध्य रेल | (घ) परेल रेलवे स्टेशन, मध्य रेल

3 **आजाद भारत के पहले रेल मंत्री का नाम बताइए।**

(क) श्री आसफ अली | (ख) श्री एन गोपालस्वामी आयंगर | (ग) श्री जॉन मथाई | (घ) श्री लाल बहादुर शास्त्री

4 **कितनी 'भारतीय पर्वतीय रेलवे' विश्व धरोहर रेलवे की सूची में शामिल हैं?**

(क) 6 | (ख) 4 | (ग) 5 | (घ) 3

5 **क्रिस (CRIS) का फुल फार्म क्या है?**

(क) सेंट्रल फॉर रेलवे इन्फॉर्मेशन सिस्टम | (ख) सेंटर फॉर रेलवे इन्फॉर्मेशन सिस्टम | (ग) सेंटर फॉर रेल इन्फॉर्मेशन सिस्टम | (घ) सेंटर फॉर रोड इन्फॉर्मेशन सिस्टम

6 **मधेपुरा इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव प्राइवेट लि. द्वारा निर्मित सर्वाधिक शक्तिशाली रेलवे इंजन ..... अश्वशक्ति का है?**

(क) 10,000 | (ख) 14,000 | (ग) 16,000 | (घ) 12,000

7 **इनमें से कौन-सा ओलंपिक पदक विजेता भारतीय रेल का नहीं है।**

(क) श्री नीरज चोपड़ा | (ख) श्री अमित रोहिदास | (ग) सुश्री मीराबाई चानू | (घ) श्री बजरंग पुनिया

8 **कौन-सा ऐप है जिसकी सहायता से ट्रेन से यात्रा के दौरान भी शिकायत की जा सकती है?**

(क) रेल सहायता | (ख) रेल सेवा | (ग) रेल सुविधा | (घ) रेल मदद

9 **'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' के पास अवस्थित रेलवे स्टेशन का नाम क्या है?**

(क) सूरत रेलवे स्टेशन | (ख) वडोदरा रेलवे स्टेशन | (ग) एकता नगर रेलवे स्टेशन | (घ) गांधीनगर रेलवे स्टेशन

10 **भारत में पहली मेट्रो ट्रेन सेवा कब और कहां शुरू हुई थी?**

(क) कोलकाता 1984 | (ख) दिल्ली 1995 | (ग) कोलकाता 1995 | (घ) दिल्ली 1984

1. (घ) 2. (क) 3. (ग) 4. (ग) 5. (घ) 6. (ग) 7. (क) 8. (ग) 9. (ग) 10. (क)

सही उत्तर

रेल, पर्यटन व साहित्य को एक साथ संजोय
रेल मंत्रालय द्वारा प्रकाशित एकमात्र हिंदी मासिक पत्रिका



भारतीय रेल

की सदस्यता अब ऑनलाइन भी उपलब्ध

विज़िट करें
www.irctctourism.com/IRBRmag/#/home/hn

क्यूआर कोड स्कैन करें

सदस्यता शुल्क

मद		ऑफलाइन सदस्यता शुल्क (₹)	ऑनलाइन सदस्यता शुल्क (₹)
एक प्रति (मासिक अंक)		20	-
एक प्रति (विशेषांक)		70	-
वार्षिक सदस्यता (सर्व साधारण)	एक वर्ष	250	263
	दो वर्ष	460	483
	तीन वर्ष	675	709
वार्षिक सदस्यता (रेलकर्मी)	एक वर्ष	200	210
	दो वर्ष	370	389
	तीन वर्ष	540	567
वार्षिक सदस्यता (विदेशी) सी-मेल द्वारा		1,250	1,313
वार्षिक सदस्यता (विदेशी) एयर-मेल द्वारा		2,500	2,625

(वार्षिक सदस्यता शुल्क विशेषांक के साथ)

भुगतान का माध्यम

ऑनलाइन सदस्य www.irctctourism.com/IRBRMag पर सदस्यता शुल्क का भुगतान कर सकते हैं।

ऑफलाइन डी.डी./चेक/म.ओ./पो.ओ./नगद देय - 'व्यापार प्रबंधक, भारतीय रेल, नई दिल्ली'

सदस्यता फॉर्म

नाम .....

पता .....

पोस्ट..... जिला .....

राज्य ..... पिन कोड .....

मोबाइल ..... ई-मेल .....

रेल कर्मचारी : हाँ / नहीं वर्तमान सदस्यता (यदि हो तो) संख्या ..... तारीख .....

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें : व्यापार प्रबंधक, कमरा नं. 310, रेल भवन, रायसीना रोड, नई दिल्ली-110 001,
टेलीफोन: 011-47845089, 45089 (रेलवे) **bmpr310rb@gmail.com**

प्रिय विज्ञापनदाता

रेल मंत्रालय द्वारा प्रकाशित एकमात्र मासिक हिन्दी पत्रिका

भारतीय रेल

में अपना विज्ञापन देकर लाखों उपभोक्ताओं तक अपने उत्पादों की पहुंच बनाएं

विज्ञापन दरें

(विज्ञापन चार कलर में) नीचे दी गई दरों के साथ 5 प्रतिशत की जीएसटी/आइजीएसटी प्राप्य होगी

विवरण	विशेष दर (वार्षिक अंक) (₹)	सामान्य अंक (मासिक दरें)	
		सामान्य दरें (₹)	अनुबंधित दरें (₹)
बैक कवर	13,300	11,400	10,450
सेकेण्ड कवर	12,350	10,450	9,500
थर्ड कवर	11,400	9,500	8,550
पूरा पृष्ठ (विशेष स्थिति, जैसे टेक्स्ट के बाद में)	9,500	8,550	7,600
पूरा पृष्ठ	8,550	7,600	6,650
आधा पृष्ठ	6,650	5,130	4,180
सेंटर स्प्रेड	17,000	15,000	13,300
सेंटर स्प्रेड (दो पेज इकट्ठे) (स्पेशल पोजीशन)	18,500	16,500	14,700

* तीन महीने या ज्यादा समय के लिए लगातार अथबा बारी-बारी देने पर अनुबंधित दरें लागू।

तकनीकी विवरण

पत्रिका का आकार
28 X 20.5 सेमी

छपाई क्षेत्र
23 X 16.5 सेमी

भुगतान का माध्यम

'व्यापार प्रबंधक, भारतीय रेल, नई दिल्ली' के पक्ष में डिमाण्ड ड्राफ्ट अथवा नकद राशि रूम नं. 310, रेल भवन, नई दिल्ली-110 001 में जमा की जा सकती है

विज्ञापन सामग्री

ई-मेल, आर्टपुल, सीडी

पत्रिका का प्रसार

समग्र देश में

संपर्क करें :

प्रशांत कुमार पट्टनायक, व्यापार प्रबंधक
310, रायसीना रोड, नई दिल्ली-110 001,
टेलिफोन : 9717647367, 011-233822531, 23303665, 23304456

FLUID CONTROLS®
ENGINEERING CONNECTIONS EVERYDAY



PERFORMANCE ENGINEERING FOR RAIL & METRO BRAKE PIPING CONNECTIONS

InnoTrans 2022
20–23 SEPTEMBER
BERLIN

HALL 10.2 | STALL 330



Fluid Controls Private Limited has over 45 years of experience in engineering connections for Rail & Metro brake piping assemblies. Certified for the International Railway Industry Standard (IRIS – ISO/TS 22163:2017), Aerospace AS9100 and ISO/IEC 17025:2017 for our laboratory, Fluid Controls offers comprehensive solutions – from design, engineering, testing and on-site installation services to the supply of high-performance connectors, isolating cocks, cleats and tube & hose assemblies.

WE HAVE
HERITAGE

45+ YEARS OF EXPERIENCE • IRIS & AS9100 CERTIFIED
IN-HOUSE R&D • OVER 30 MILLION CONNECTORS INSTALLED
APPROVED BY MAJOR ROLLING STOCK MANUFACTURERS

VISIT US AT INNOTRANS 2022 • BERLIN • HALL 10.2 • STALL 330

+91-22-68238000 railways@fluidcontrols.com fluidcontrols.com

SMRT1

Single phase relay test system

Smart choice for railway relay testing





KEY FEATURES!

- 75Amps high current capacity for testing instantaneous trip elements and high current COMTRADE Playback applications
- With regulated output power and accuracy to test microprocessor and electro-mechanical relays
- 15Amps convertible voltage channel for testing current differential high slope characteristics
- Automated testing templates for a typical Railway testing applications
- Ability to string multiple units together with an Ethernet cable
- Manual (with STVI) and automated relay testing system

Scan QR
code to download E-catalogue or
contact us at +91 91671 90558 /
india.marketing@megger.com

Megger

पंजीयन संख्या : दिल्ली पोस्टल नं. डी.एल. (एन.डी.)-11/6031/2021-22-2023
आर.एन.आई. रजिस्टर्ड नं. 14427/1960
दिनांक 08 को प्रकाशित तथा दिनांक 10-11 को प्रेषित

आई.एस.एस.एन. 2457-0001



HYT'S PREPAREDNESS FOR WHEEL PROFILING OF VANDE BHARAT, HIGH-SPEED AND METRO TRAINS WITH TANDEM UNDERFLOOR WHEEL LATHE



Features of Tandem Underfloor Machine :

- Best suited for Vande Bharat Train, High-Speed Train and Metro Trains
- Reprofiling time reduced to half
- Faster availability of coach for revenue services

hyt

HYT ENGINEERING CO. PVT. LTD.

Sales Office: 17-18, Ground Floor, Hans Bhawan, Bahadur Shah Zafar Marg, I.T.O., New Delhi - 110 002, India. Phone: + 91 11 432 02200/01

Work: 29/10, 29/10/1, 29/10/2, D-II Block, MIDC, Chinchwad, Pune - 411 019, India. Phone: + 91 20 6634 3900

www.hytengineering.com I info@hytengineering.com

मुद्रक व प्रकाशक : **प्रशान्त कुमार पट्टनायक** द्वारा रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) के लिए मैसर्स जे.के. ऑफसेट ग्राफिक्स प्रा.ली., बी-278, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-20 में मुद्रित व 310, रेल भवन, रायसीना रोड, नई दिल्ली से प्रकाशित। संपादक : **योगेश अवस्थी**